राष्ट्रीय संस्करण

मुकदमे की जानकारी पाने में मदद करेगा 'सु सहायक' >> 3

वर्ष 9 अंक 333

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, मंगलवार, 12 मई, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 12

स्वदेशी कामीकाजी ड्रोन व स्मार्ट हथियार बरसाएंगे कहर

नई दिल्ली, एएनआइः भारतीय सेना की मारक क्षमता को और मजबूत बनाने के लिए दो नए स्वदेशी अत्याधुनिक घातक हथियारों से लैस किया गया है। इनमें पहला, ड्रोन (यूएवी) से लांच किया जाने वाली गाइडेड लोइटरिंग म्यूनिशन-यूएलपीजीएम (यूएवी लांच्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन) है जिसे डीआरडीओ और अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। दूसरा, हवा में सीधी उड़ान भरने की क्षमता वाला कामीकाजी ड्रोन 'अग्निका वीटीओएल-1 एफपीवी' है। इन्हें सेना की आपातकालीन खरीद (ईपी-6) के तहत मुहैया कराया गया है। इन प्रणालियों के सेना में शामिल होने से दुश्मन के ठिकानों पर बेहद सटीक, तेज व सुरक्षित तरीके से हमला करना संभव होगा। ये सिस्टम कठिन युद्ध परिस्थितियों, ऊंचाई वाले इलाकों और इलेक्ट्रानिक वारफेयर जैसे माहौल में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं। इनके जरिये सेना को आतंकवाद विरोधी अभियानों, सीमा पार घुसपैठ रोकने, पहाड़ी युद्धक्षेत्रों व शहरी संघर्षों में बड़ी रणनीतिक बढ़त मिल सकेगी।

सूत्रों के अनुसार,हैदराबाद में पश्चिमी कमान के अफसरों की मौजूदगी में इन प्रणालियों को सेना को सौंपा गया। इससे पहले इनके हाई एल्टीट्यूड, इलेक्ट्रानिक वारफेयर, प्रिसिजन फायरिंग ट्रायल सफल रहे। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' और स्वदेशी रक्षा तकनीक की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

सेना को सौंपे गए ड्रोन और यूएवी से संचालित होने वाले लोइटरिंग गाइडेड म्यूनिशन

यूएलपीजीएम
- ड्रोन से लांच होने वाला देश का पहला स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन
- स्थिर व चलायमान दोनों तरह के लक्ष्य भेदने में सक्षम
- जीपीएस और कम्युनिकेशन जाम होने पर भी प्रभावी
- एंटी-जैमिंग और एंटी-स्पूफिंग तकनीक से लैस सिस्टम
- यूएलपीजीएम 20 किलोमीटर दूर तक लक्ष्य भेदने में सक्षम
- दो किलो वारहेड के साथ लक्ष्य के एक मीटर दायरे तक हमले की क्षमता

यूएवी लांच्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (ऊपर) और कामीकाजी ड्रोन 'अग्निका वीटीओएल-1 एफपीवी' (नीचे)। इंटरनेट मीडिया

ऊंचे पहाड़ों से शहरी युद्धक्षेत्र तक कारगर, जीपीएस जाम होने पर भी नहीं चूकेगा निशाना

अग्निका कामीकाजी ड्रोन
- अग्निका वीटीओएल-1 देश का पहला स्वदेशी एफपीवी कामीकाजी ड्रोन
- रनवे के बिना सीधे उड़ान भरने और उतरने में सक्षम
- शहरी युद्ध, पहाड़ी क्षेत्रों और सीमित जगहों में संचालन के लिए डिजाइन
- पांच किलोमीटर रेंज और 30 मिनट तक उड़ान क्षमता
- अधिकतम 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार
- इलेक्ट्रानिक वारफेयर माहौल और जीपीएस बाधित क्षेत्रों में भी प्रभावी

दिव्य और भव्य सोमनाथ मंदिर

11 तीर्थों के जल से मंदिर के शिखर कलश का 90 मीटर ऊंची क्रेन के माध्यम से प्रधानमंत्री ने किया अभिषेक

<< गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव के अवसर पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दिव्य और भव्य मंदिर में महापूजा और कुंभाभिषेक किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर रूपी जनता जनार्दन का स्मरण करते हुए महादेव के दर्शन और पूजन का यह अलौकिक अवसर, हृदय को अनंत आध्यात्मिक ऊर्जा, श्रद्धा और शिवमय चेतना से अभिभूत कर गया है। प्रेट्र

समाचार पेज-5 पर

जागरण विशेष

नवाचारी अधिकारी

रेड जोन के डिंडौरी जिले में कलेक्टर ने की 'जल क्रांति'

डिंडौरी: कलेक्टर के प्रयास से जलसंचय जनभागीदारी अभियान में देश में नंबर वन बना जिला। अभिययान में डेढ़ लाख महिलाओं को जोड़ा तो दिखे परिणाम। ● पेज-6

संपादकीय

नई रक्षा तकनीक अपनाए भारत: भारत के लिए स्वायत्त रोबोट और ड्रोन तकनीक में बढ़त पड़ोसी देशों में आतंकी अड्डों से निपटने में भी मददगार बनेगी। **शिवकांत शर्मा** का सुझाव।

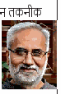

कृषि को संकट से बचाने की चुनौती: पश्चिम एशिया में छाए संकट और कमजोर मानसून की आशंका ने खेती-किसानी और अर्थव्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है। **डा. जयंतीलाल भंडारी** का आकलन। ● पेज-8

विमर्श

रणभूमि में 'सूचना युद्ध' की आधुनिक रणनीति: अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्ष बहुआयामी है, जिसमें सूचना, मीडिया और नैरेटिव कंट्रोल की बड़ी भूमिका है। डा. **संजय वर्मा** का आलेख।

शिक्षा-शोध की हो स्पष्ट नीति: हमारे देश को एक ऐसा मजबूत तंत्र खड़ा करने की आवश्यकता है, जहां सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भविष्य में वैश्विक स्तर के शोध में अपना योगदान दे सके। **गजेंद्र सिंह** का विश्लेषण। ● पेज-9

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

गुजरात टाइटंस vs सनराइजर्स हैदराबाद

शाम 7:30 बजे स्थान: अहमदाबाद

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

पीएम ने वडोदरा में अपील दोहराई, पेट्रो उत्पादों की खपत कम करें

केंद्रीय मंत्रालय खुद भी कम करेंगे पेट्रोल-डीजल की खपत

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के बीच पीएम नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से एक बार फिर राष्ट्रहित में पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य तेल, उर्वरक आदि की खपत कम करने से लेकर वर्क फ्राम होम और स्कूलों में आनलाइन पढ़ाई शुरू करने की अपील की। कहा,पश्चिम एशिया के हालात इस दशक के बड़े संकटों में से एक हैं। मोदी ने उम्मीद जताई कि देश ने जैसे कोविड महामारी की चुनौती से पार पाया था, वैसे ही इस संकट से भी उबर जाएगा। पीएम की इस अपील के बाद विभिन्न मंत्रालयों ने भी उनकी मंशा को अपने एजेंडे में शामिल कर लिया है। मंत्रालयों में मंथन चल रहा है और प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं कि किस तरह वे पेट्रोल-डीजल आदि की खपत कम करने में सहयोग कर सकते हैं। संभावना है कि ऐसे व्यावहारिक प्रस्तावों के आधार पर जल्द ही सरकारी विभागों के लिए केंद्रीय स्तर पर कुछ निर्णय या दिशा-निर्देश जारी हों।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को वडोदरा में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ईंधन की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन व इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक से अधिक प्रयोग करने, सोने की खरीदारी टालने, विदेश से आने वाले उत्पादों पर खर्च कम करने और वोकल फार लोकल मंत्र का पालन करने की अपील दोहराई। कहा, दुनिया गत कुछ वर्षों से लगातार अस्थिर हालात से गुजर रही है। पहले कोविड का संकट, फिर वैश्विक आर्थिक चुनौती और अब पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव। इन सभी हालात का असर लगातार पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। पश्चिम एशिया युद्ध के कारण आयातित वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुरी तरह से बाधित हुई है। भारत विदेश से कई उत्पादों के आयात पर लाखों करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा खर्च करता है, अतः देशवासियों को विदेश से आने वाले उत्पादों का प्रयोग कम करना चाहिए। रोजमर्रा की जिंदगी में आयातित वस्तुओं पर बेवजह निर्भरता से बचना चाहिए। ऐसे कामों से भी बचना चाहिए जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती है। विदेश में थीम वेडिंग के बजाय देश में विवाह करें। शैक्षणिक संस्थान व स्कूल आनलाइन शिक्षा को अपनाएं। सरकार लगातार कोशिश कर रही है कि देश के लोगों पर इसका असर कम से कम हो।

पूर्व में सरकार की अपील पर नागरिकों ने निभाई है जिम्मेदारी: पीएम ने कहा,पहले के दशकों में भी जब भी देश युद्ध या किसी और बड़े संकट से गुजरा है, तो सरकार की अपील पर हर नागरिक ने अपनी जिम्मेदारी निभाई है। आज भी हम सभी को एक साथ आकर देश के संसाधनों पर बोझ कम करने की जिम्मेदारी पूरी करने की जरूरत है। जैसे हर बूंद से घड़ा भरता है, वैसे ही हर छोटी व बड़ी कोशिश मायने रखती है। जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक छोटे-छोटे, पर सार्थक कदम देश के हित में होंगे।

अपनी कार्यशैली से उदाहरण प्रस्तुत करेगी सरकार: मोदी की अपीलों के बीच सरकार अपने स्तर से ईंधन आपूर्ति के अन्य विकल्पों पर काम कर रही है। एलपीजी का संकट देखकर पीएनजी कवरेज बढ़ाया जा रहा है। चूंकि, इन हालात का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ना संभावित है, अतः सरकार पहले से अधिक अलर्ट मोड में आती दिख रही है। अब यह जनता के विवेक पर है कि वह पीएम की अपील को कितनी गंभीरता से लेती है। माना जा रहा है कि सरकार अपनी कार्यशैली से जनता के सामने उदाहरण पेश कर सकती है। इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों ने विमर्श शुरू कर दिया है। वे आकलन कर रहे हैं कि अभी मंत्रालयों द्वारा रोजाना कितना ईंधन खर्च किया जा रहा है। वह इसे कितना कम कर सकते हैं। वर्क फ्राम होम के विकल्प पर भी विचार चल रहा है। मंत्रालय जल्द ही प्रस्ताव सरकार को सौंपेंगे, जिसके बाद सभी विभागों के लिए दिशा-निर्देश जारी होने की संभावना है।

- स्कूलों में आनलाइन पढ़ाई, वर्क फ्राम होम अपनाने और सोना न खरीदने का फिर किया आग्रह
- पीएम ने कहा- पश्चिम एशिया के हालात दशक का बड़ा संकट, कोविड की तरह इससे भी उबरेंगे
- प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद विभिन्न मंत्रालयों में तेज हुआ मंथन, जारी हो सकते हैं दिशा-निर्देश

मंत्रालय इन प्रस्तावों पर कर रहे विचार
- मंत्रियों के कारों के काफिले में वाहनों की संख्या सीमित की जाए।
- निजी वाहनों से आने वाले सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों को कार-पूलिंग के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- मंत्रालयी कर्मचारियों के कार्यालय आवागमन के लिए कुछ मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाए।
- कोविड काल की तरह कर्मचारियों का रोस्टर बनाकर वर्क फ्राम होम की व्यवस्था बनाई जा सकती है।
- मंत्रियों-अधिकारियों के दौरों की संख्या घटाकर फिलहाल वर्चुअल मीटिंग पर जोर दिया जा सकता है।

देश में 60 दिनों का कच्चा तेल-गैस, 45 दिनों का एलपीजी भंडार उपलब्ध

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गठित अनौपचारिक मंत्री समूह की सोमवार को बैठक हुई, जिसमें देश में उपलब्ध पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारों की समीक्षा की गई। सरकार ने बताया कि देश में 60 दिनों का कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस, 45 दिनों का एलपीजी जैसे पेट्रो उत्पादों के पर्याप्त भंडार है। (पेज-3)

बंगाल सरकार का फैसला, सीमा पर बाड़ के लिए 45 दिनों के भीतर दे देगी जमीन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

सुवेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली भाजपा सरकार ने कैबिनेट की पहली ही बैठक में कई बड़े फैसले लिए हैं। सबसे बड़ा फैसला सीमा सुरक्षा को लेकर रहा। इसके तहत बीएसएफ को कंटीले बाड़ लगाने के लिए राज्य सरकार अगले 45 दिनों के भीतर जमीन हस्तांतरित कर देगी। इसकी अहमियत इसी से समझी जा सकती है कि बंगाल से लगती बांग्लादेश की सीमा पर 569 किमी तक बाड़ नहीं हैं। यह कार्य दशकों से लंबित था। कैबिनेट बैठक में जहां एक ओर रोजगार, सुरक्षा और केंद्र-राज्य समन्वय पर जोर दिखा, वहीं दूसरी ओर पूर्ववर्ती सरकार की नीतियों से अलग रुख भी साफ नजर आया।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नवान्न में हुई कैबिनेट बैठक के बाद छह बड़े निर्णयों की घोषणा की। कहा, उनकी सरकार 'भय-मुक्त शासन' और 'पारदर्शिता' के सिद्धांत पर चलेगी। बंगाल का 'जनसांख्यिकीय संतुलन' बिगड़ चुका है, जिसे बचाना प्राथमिकता है। इसके साथ ही, राज्य में अटकी पड़ी केंद्रीय 'जनगणना' प्रक्रिया को भी तत्काल प्रभाव से हरी झंडी दे दी गई है। बैठक में पांचों मंत्री दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडु और निशिथ प्रमाणिक उपस्थित थे। इससे पहले सुवेंदु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य के घर जाकर उनसे मिले। वहां से भाजपा प्रदेश मुख्यालय और फिर नवान्न पहुंचे, जहां उन्हें कोलकाता पुलिस की ओर से गार्ड आफ आनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी के साथ बैठक की और कई निर्देश दिए।

^ हावड़ा में सोमवार को बंगाल सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, साथ में मंत्री अग्निमित्रा पाल। प्रेट्र

- पहली कैबिनेट बैठक से ही बड़ा संदेश, 'डबल इंजन' की रफ्तार से दौड़ेगी सरकार
- नए आपराधिक कानून लागू होंगे, आयुष्मान समेत सभी केंद्रीय योजनाएं लागू

हमारा लक्ष्य सुशासन और सुरक्षा है। पिछली सरकार ने संविधान को ठेंगा दिखाकर राज्य को पीछे धकेला, लेकिन अब बंगाल 'डबल इंजन' की ताकत से विकास की नई ऊंचाई छुएगा। **-सुवेंदु अधिकारी, मुख्यमंत्री**

कैबिनेट के छह फैसले एक नजर में

बलिदान को नमन: भाजपा के उन 321 कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी अब राज्य सरकार उठाएगी, जिन्होंने राजनीतिक हिंसा में जान गंवाई है।

रोजगार की आस: सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन की ऊपरी आयु सीमा में पांच वर्ष की वृद्धि।

सीमा सुरक्षा: 45 दिनों के भीतर कंटीले तारों के बाड़ के लिए बीएसएफ को जमीन का हस्तांतरण।

आयुष्मान बंगाल: राज्य अब 'आयुष्मान भारत' और अन्य सभी केंद्रीय योजनाओं से औपचारिक रूप से जुड़ा।

न्याय व्यवस्था: राज्य में तत्काल प्रभाव से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू; पुरानी औपनिवेशिक धाराएं खत्म।

प्रशासनिक सुधार: आइएएस और आइपीएस अधिकारियों को अब अनिवार्य रूप से केंद्रीय प्रशिक्षण में भेजा जाएगा।

युवाओं को तोहफा, कर्मियों को डीए की उम्मीद पेज>>4

नीट-यूजी में 140 प्रश्न सैंपल पेपर से हूबहू मिले, उठे सवाल

नई दिल्ली: मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी के पेपर लीक होने के आरोपों से नेशनल टेस्टिंग एजेंसी इन्कार कर रही है। लेकिन पूछे गए 200 प्रश्नों में से 140 प्रश्नों का तथाकथित पकड़े गए सैंपल पेपर से हूबहू मिलना उसके दावे पर सवाल खड़ा कर रहा है। (पेज-6)

दैनिक जागरण सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

सुख-शांति के लिए समझें करुणा का मूल्य

स्त्री शक्ति का सूचक वटसावित्री व्रत

● पेज-11

सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक की हत्या में यूपी-बिहार से तीन गिरफ्तार

राज सिंह। फाइल

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड
- बक्सर से मयंक मिश्रा और विक्की मौर्य, जबकि बलिया के राज सिंह को अयोध्या से पकड़ा
- ट्रांजिट रिमांड पर लाए गए कोलकाता, बारासात अदालत ने 24 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा

जागरण टीम, कोलकाता

बंगाल के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने रविवार रात उत्तर प्रदेश व बिहार से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों में मयंक राज मिश्रा व विक्की मौर्य को बिहार के बक्सर से तथा राज सिंह को उप्र के अयोध्या से गिरफ्तार किया गया। बलिया निवासी राज पेशेवर शूटर बताया जा रहा है। ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाए गए तीनों आरोपितों को बारासात कोर्ट ने 24 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। चंद्रनाथ की गत छह मई की रात मध्यमग्राम में अज्ञात हमलावरों ने उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जब वह कार से घर लौट रहे थे। गंभीर रूप से जख्मी उनकी कार का चालक अस्पताल में भर्ती है।

जानकारी के अनुसार, बंगाल एसटीएफ ने बिहार एसटीएफ के साथ छापेमारी कर बक्सर से तीन युवकों को दबोचा। इनमें विक्की व मयंक को पूछताछ के बाद बंगाल पुलिस के हवाले कर दिया गया, जबकि इन दोनों को शरण देने वाला विशाल श्रीवास्तव बिहार पुलिस की हिरासत में है। सूत्रों के अनुसार, चंद्रनाथ की कार को हत्याकांड से ठीक पहले जिस कार से रोका गया था, उसी में सवार होकर विक्की और मयंक धनबाद से हावड़ा पहुंचे थे। उनके साथ कार में दो अन्य युवक भी थे। इसके लिए उन्हें 50-50 हजार रुपये दिए गए थे। पूछताछ में विक्की व मयंक ने बताया कि वे हत्याकांड के समय घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। हावड़ा पहुंचने के बाद कार मंगवाने वालों ने उन्हें लौट जाने को कहा था। उन्हें हावड़ा किन लोगों ने बुलाया था, उनके साथ कार में अन्य दो युवक कौन थे, इससे जुड़े अहम सुराग के आधार पर बंगाल पुलिस अन्य ठिकानों पर छापामारी कर रही है।

यूपीआइ भुगतान से पुलिस टीम को मिला सुराग

वारदात में इस्तेमाल कार चोरी की थी और उसका नंबर प्लेट भी फर्जी था। कार में फास्टटैग नहीं था। हावड़ा आने के दौरान रास्ते में पड़े टोल प्लाजा पर उनमें से एक ने अपने मोबाइल से यूपीआइ भुगतान किया था। इसी से उनका सुराग मिला। पुलिस टीम ने यूपीआइ करने के लिए इस्तेमाल मोबाइल नंबर को ट्रेस कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। विक्की व मयंक पर पहले से एक-एक आपराधिक मामला दर्ज है।

एमएलसी की बेटी के विवाह समारोह से लौट रहा था राज पेज>>4

सामने आया सच

अमेरिका में लाबिंग रिकाड्‌र्स से आसिम मुनीर के दावे की हवा निकली, मुनीर ने कहा था, भारत ने जाहिर की थी अमेरिकी मध्यस्थता की इच्छा

युद्ध रुकवाने को तीन दिनों में 60 बार अमेरिका से गिड़गिड़ाया था पाक

नई दिल्ली, एएनआइः पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का हाल में किया गया यह दावा कि आपरेशन सिंदूर के दौरान संघर्ष विराम के लिए भारत ने अमेरिका से संपर्क किया था, अमेरिकी लाबिंग के रिकाड्‌र्स से मेल नहीं खाता। इसमें दिखाया गया है कि भारत की ओर से आपरेशन शुरू होने के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका में गहन राजनयिक एवं रक्षा वार्ताएं शुरू की थीं।

अमेरिकी विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम (एफएआरए) के तहत हुई फाइलिंग से पता चलता है कि सिर्फ छह से नौ मई, 2025 के बीच ही पाकिस्तान ने अमेरिकी सांसदों, सांसदों के सहयोगियों, रक्षा मामलों से जुड़े लोगों, वित्त मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और पत्रकारों के साथ वार्ता के लिए लगभग 60 बार गिड़गिड़ाया था। ज्ञात हो,रविवार को रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना मुख्यालय में एक समारोह के दौरान आसिम मुनीर ने दावा किया था, "भारत ने अमेरिकी नेतृत्व के जरिये मध्यस्थता की इच्छा जाहिर की थी, जिसे पाकिस्तान ने व्यापक क्षेत्रीय शांति के हित में मान लिया था।"

'एफएआरए' के तहत दर्ज रिकाड्‌र्स से पता चलता है कि जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में आपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान व गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी शिविरों पर हमले किए, तो इस्लामाबाद प्रभावशाली अमेरिकी राजनीतिक हस्तियों से सक्रिय रूप से वार्ता कर रहा था। रिकाड्‌र्स से यह भी पता चलता है कि पहलगाम हमले के बाद अमेरिका में भारत की वार्ताएं काफी हद तक आतंकवाद की निंदा करने और हमले के विरुद्ध राजनयिक समर्थन हासिल करने पर केंद्रित थीं, लेकिन आपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद और लड़ाई खत्म होने से पहले तक वाशिंगटन में भारत की राजनयिक या रक्षा से जुड़ी कोई गतिविधि नहीं दिखती।

आपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि तीनों सेनाओं के इस आपरेशन का मकसद पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी शिविरों को समाप्त करना था। छह और सात मई, 2025 की दरमियानी रात को जारी भारतीय रक्षा मंत्रालय के बयान में पुष्टि की गई थी कि भारतीय सेना ने आतंकियों से जुड़े नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इसमें यह भी बताया गया था कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया और यह कार्रवाई सटीक, नपी-तुली और बिना उकसावे वाली थी।

आसिम मुनीर। फाइल

छह मई के बाद शीर्ष अफसरों और राजनेताओं से किया था 30 बार संपर्क

छह मई, 2025 को भारत के हमले शुरू होने के बाद वाशिंगटन डीसी में पाकिस्तान के प्रतिनिधियों ने करीब 30 अलग-अलग संपर्क किए थे, जिनमें से अधिकतर में कांग्रेस और सीनेट के सदस्यों के कार्यालयों से पाकिस्तानी राजदूत के साथ बैठकों की मांग की गई थी। रिकाड्‌र्स में बार-बार "राजदूत के साथ बैठक का अनुरोध" लिखा गया था। सात व आठ मई तक पाक का फोकस क्षेत्र में तनाव पर चर्चा करने पर था। नौ मई को पाक गतिविधियां चरम पर थीं, जिनमें 20 से 25 वार्ताएं रक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अफसरों के साथ थीं। इनमें सीनेट आर्म्ड सर्विसेज कमेटी से जुड़े लोग व डिफेंस एंड सिक्यूरिटी मामलों के प्रभावशाली लोग शामिल थे। उसी समय एक साक्षात्कार के संबंध में बड़े अमेरिकी अखबार के पत्रकार के साथ भी तालमेल किया गया था।

16 जून से अकासा एयर बेंगलुरु और नवी मुंबई के लिए नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करेगी। आनलाइन टिकट बुकिंग शुरू हो गई है। लेकिन नोएडा एयरपोर्ट से सफर करना दिल्ली से महंगा होगा।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार, 12 मई, 2026

आज का मौसम

दिन भर बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चलने वाली हवा के साथ वर्षा भी होने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
12 मई	35.0	27.0
13 मई	35.0	26.0
नोएडा		
12 मई	35.0	24.0
13 मई	34.0	25.0
गुरुग्राम		
12 मई	38.0	27.0
13 मई	40.0	28.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

आज जारी हो सकता है सीबीएसई 12वीं का परिणाम

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का परिणाम मंगलवार को जारी कर सकता है। डिजीलाकर पर परिणाम को लेकर रिजल्ट कमिंग सून (परिणाम जल्द आ रहा है) संदेश दिखाई देने के बाद परिणाम 12 मई की दोपहर किसी भी समय जारी किया जा सकता है। परिणाम जारी होने के बाद विद्यार्थी सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट results.cbse.nic.in और cbse.gov.in पर जाकर अपना स्कोर देख सकेंगे। (जासं)

नोएडा एयरपोर्ट से इंडिगो की आफलाइन टिकट बुकिंग शुरू

नोएडा : नोएडा एयरपोर्ट से यात्रियों के लिए 15 जून से कमर्शियल उड़ान सेवाएं शुरू होंगी। इंडिगो एयरलाइंस ने एयरपोर्ट से आफलाइन टिकट की बिक्री भी शुरू कर दी है। नोएडा एयरपोर्ट ग्रामीण क्षेत्र में बना है, इसलिए यात्री टर्मिनल पर आफलाइन टिकट बुकिंग भी शुरू की है। (जासं)

असम की महिला से मारपीट मामले में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली : मालवीय नगर थाना क्षेत्र में लगातार दो घटनाओं के बाद अब कालकाजी थाना क्षेत्र में नार्थ ईस्ट की महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने असम निवासी पीड़िता और उसकी सहेली को एम्स अस्पताल पहुंचाया। सोमवार देर रात तक पुलिस ने तीन आरोपितों जाकिर नगर निवासी मोहम्मद फहद, मोहम्मद सावेज और मोहम्मद आरिफ को गिरफ्तार कर लिया। (जासं)

पीएम आवास के पास तीन झुग्गी कैंप 15 दिन में खाली करें निवासी : हाई कोर्ट

सुरक्षा की चिंता ▸ अदालत ने 23 निवासियों को राहत देने से इन्कार करते हुए खारिज की याचिका

कहा– तय समय में जगह न खाली करने पर कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होंगे अधिकारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रेस कोर्स क्षेत्र स्थित भाई राम कैंप। जागरण

रेस कोर्स इलाके में प्रधानमंत्री आवास के पास तीन झुग्गी कैंप (भाई राम कैंप, डीआइडी कैंप व मस्जिद कैंप) के निवासियों को हाई कोर्ट ने 15 दिनों के भीतर कैंप खाली करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने सोमवार को निर्देश दिया कि यहां के लोग सरकारी अधिकारियों द्वारा दी गई दूसरी जगह पर चले जाएं। प्रधानमंत्री आवास के पास सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कहा कि अगर झुग्गी कैंप में रहने वाले लोग कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो अधिकारियों को कार्रवाई करने की पूरी छूट होगी। पीठ ने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता के कारण यहां के लोगों को दूसरी जगह बसाने का नीतिगत फैसला लिया था और कोर्ट को ऐसे मामलों में दखल देने की बहुत ज्यादा जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

पीठ ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं को पहली बार 29 अक्टूबर 2025 को बेदखली के नोटिस दिए गए थे और तब से काफी समय बीत चुका है। उक्त तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को 15 दिन में कैंप खाली करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, कोर्ट का मानना है कि मौजूदा जियो-पालिटिकल घटनाओं को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंता याचिकाकर्ताओं को बेदखल करने के लिए ठोस कारण हैं। अदालत ने उक्त निर्देश रेस कोर्स स्थित भाई राम कैंप, डीआइडी कैंप व मस्जिद कैंप के 29 निवासियों द्वारा दायर याचिकाओं पर राहत देने से इन्कार करते हुए दिया। कैंप के निवासियों ने अपनी बेदखली और बाहरी दिल्ली के सावदा घेवरा में बसाए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। उन्होंने तर्क दिया था कि सैकड़ों परिवारों को उनके मौजूदा घरों से इतनी दूर ले जाने पर बुरा असर पड़ेगा। दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंता का हवाला देते हुए बेदखली के फैसले का बचाव किया। सरकार ने कहा कि ये कैंप एक आपरेशनल एयर फोर्स स्टेशन के पास मौजूद संवेदनशील सैन्य ठिकानों से सटे हैं। सरकार ने तर्क दिया कि नई जगह पर सीवर लाइनें, पानी की सप्लाई, पार्क व सड़कें पहले से ही मौजूद हैं और बाकी जरूरी ढांचागत सुविधाएं भी तैयार की जा रही हैं। कोर्ट को यह भी बताया गया कि सरकार ने पुनर्वास नियमों के तहत निवासियों द्वारा आमतौर पर दी जाने वाली 1.12 लाख रुपये की लाभार्थी हिस्सेदारी खुद उठाने पर सहमति जताई है और परिवारों को रखरखाव शुल्क चुकाने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है।

दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद पीठ ने कहा कि पुनर्वास नीतियों का अधिकारियों द्वारा पालन करने पर संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा। सरकार को निर्देश दिया कि निवासियों के लिए शिक्षा, यात्रा, पानी व स्वच्छता सुविधाएं आदि सुनिश्चित करें। अभी तक वैकल्पिक आवास के लिए आवंटन पत्र स्वीकार न करने वाले याचिकाकर्ता इसे तुरंत प्राप्त कर लें।

तीन, 15 और 25 वर्षों के लिए तैयार होगा फायर फाइटिंग मास्टर प्लान

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

▸ दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की

▸ स्कूल, कालेज, अस्पताल और आश्रय स्थलों की फायर आडिट करने का भी दिया निर्देश

आशीष सूद। फाइल

विवेक विहार अग्निकांड में नौ लोगों की मौत की घटना के बाद दिल्ली सरकार ने फायर फाइटिंग मास्टर प्लान बनाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले दिनों अग्निशमन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के साथ बैठक कर इसका ब्लू प्रिंट बनाने को कहा था। विभागों ने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।

दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ इस संबंध में बैठक की। बैठक में आग से बचाव की तैयारी, इसमें आने वाली बाधाओं, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और नए उपकरणों की खरीद और अग्निशमन विभाग के आधुनिकीकरण की योजनाओं व प्रस्तावित फायर फाइटिंग मास्टर प्लान पर चर्चा की गई। अधिकारियों को आगामी तीन, 15 और 25 वर्षों की आवश्यकताओं के अनुरूप फायर फाइटिंग मास्टर प्लान को जल्द तैयार कर सरकार को देने के लिए कहा गया। बैठक में सूद ने अग्निशमन विभाग को आग लगने की काल आने पर राहत व बचाव तुरंत शुरू करने के समय को और बेहतर बनाने, आंतरिक संवाद प्रणाली को अत्याधुनिक बनाने, आधुनिक कमांड एंड निगरानी प्रणाली विकसित करने और अधिकारियों व कर्मियों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। साथ ही सभी डिविजनल अधिकारियों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में आगजनी की घटनाओं की रोकथाम और उन पर नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए वे अपने क्षेत्र में आरडब्ल्यूए, व्यापारिक संगठन, धार्मिक समितियों, पार्क, क्लब व अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से आग से बचाव संबंधी जागरूकता अभियान चलाएं। लोगों को सुरक्षा के लिए आधुनिक अग्निशमन उपकरण लगाने के लिए प्रेरित करें। सूद ने अग्निशमन विभाग को स्कूल, कालेज, अस्पताल और आश्रय स्थलों की फायर आडिट करने को कहा है जिससे इन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो।

यूईआर-2 का मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा हुआ बैरियर-मुक्त

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश के दूसरे बैरियर-मुक्त टोल प्लाजा का किया उद्घाटन

देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब सफर और भी रफ्तार भरा व सुगम होने जा रहा है। दिल्ली के अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर) -2 के मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा सोमवार से देश का दूसरा बैरियर-मुक्त टोल प्लाजा बन गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बैरियर-मुक्त टोल संग्रह तकनीक का उद्घाटन कर घोषणा की कि इसके देशभर में लागू होने से न केवल समय बचेगा, बल्कि सरकार के सालाना करीब 6000 करोड़ रुपये की भी बचत होगी।

मल्टी-लेन फ्री फ्लो नामक तकनीक के तहत टोल प्लाजा पर कोई बैरियर नहीं होगा। यहां लगे एआइ आधारित कैमरे 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरते वाहनों की नंबर प्लेट को पढ़ने में सक्षम हैं। वाहन चालकों को अब टोल भुगतान के लिए अपनी गाड़ी रोकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गडकरी ने बताया कि इससे पहले गुजरात के चोर्यासी टोल प्लाजा पर इस तकनीक का प्रयोग शुरू किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले टोल वसूली के संचालन में कुल राजस्व का करीब 15 प्रतिशत खर्च हो जाता था। नई तकनीक से यह खर्च घटकर मात्र पांच प्रतिशत रह जाएगा, जिससे सरकारी खजाने में 6000 करोड़ रुपये की बचत होगी। इसके अलावा, वाहनों के न रुकने से 285 करोड़ रुपये का ईंधन बचेगा और कार्बन उत्सर्जन में 81,000 टन की कमी आएगी।

इस मौके पर एनएचएआइ के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि सितंबर 2026 तक देश के नौ राज्यों के 17 प्रमुख टोल प्लाजा को बैरियर-मुक्त करने का लक्ष्य है। इसके बाद दूसरे चरण में मार्च 2027 तक 108 और प्लाजा को इस तकनीक से जोड़ा जाएगा। इससे यात्रियों को विश्वस्तरीय ड्राइविंग अनुभव मिलेगा। गडकरी ने कहा कि एनएचएआइ सीधे फास्टैग से टोल राशि काट लेगा।

हमले में घायल महिला वकील की बेटियों की शिक्षा का इंतजाम करने का आदेश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह पति द्वारा किए गए कातिलाना हमले में घायल महिला वकील की 12 वर्ष और चार वर्ष की दोनों बेटियों की शिक्षा का इंतजाम करे। कोर्ट ने सरकार से बच्चियों के स्कूल में एडमिशन, फीस आदि सभी तरह के इंतजाम करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जल्दी ही मामले की जांच पूरी करने को कहा है। ये आदेश प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोमवार को दिए।

सुप्रीम कोर्ट इस मामले में दिल्ली की एक महिला वकील पर उसके पति द्वारा कथित तौर पर किए गए क्रूर हमले पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की वकील स्नेहा कालिता ने सीजेआइ को पत्र लिख कर मामले पर संज्ञान लेने और उचित आदेश देने का अनुरोध किया था, जिस पर कोर्ट ने गत 27 अप्रैल को पीड़िता के इलाज, उसे तत्काल तीन लाख की आर्थिक मदद और तीनों बच्चियों की कस्टडी के बारे में निर्देश दिए थे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टर्मिनल बदलना होगा आसान, यात्रियों को मिलेगी राहत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ एयरपोर्ट के प्रतिबंधित एयरसाइड क्षेत्र में विशेष बस सेवा शुरू करने की तैयारी

आइजीआइ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट टर्मिनल 3 का प्रस्थान क्षेत्र। सौ. एयरपोर्ट

देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर यात्रियों को जल्द ही बड़ी राहत मिलने वाली है। एयरपोर्ट प्रशासन टर्मिनल-1 (टी 1), टर्मिनल-2 (टी 2) और टर्मिनल-3 (टी 3) के बीच आवागमन को आसान बनाने के लिए कई नई सुविधाएं विकसित कर रहा है। इसके तहत एयरसाइड ट्रांजिट सिस्टम और भूमिगत वाक-वे तैयार किए जा रहे हैं। इससे यात्रियों का समय तो बचेगा ही सफर और अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

वर्तमान में यात्रियों को एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल तक जाने के लिए शटल या डीटीसी बसों की सेवाएं लेनी पड़ती है। इन बसों को एयरपोर्ट के बाहर शहर के ट्रैफिक से होकर गुजरना पड़ता है, जिसमें पीक आवर में काफी समय लग जाता है। टी-1 से टी-3 तक पहुंचने में कई बार करीब आधा घंटे तक का समय लग जाता है। नई योजना में एयरपोर्ट के प्रतिबंधित एयरसाइड क्षेत्र में ही विशेष बस सेवा शुरू की जाएगी। इससे यात्री एयरपोर्ट परिसर से बाहर न जाकर सीधे दूसरे टर्मिनल तक पहुंच सकेंगे। अधिकारियों का मानना है कि इससे यात्रियों का समय बचेगा और बार-बार सुरक्षा जांच की परेशानी से भी राहत मिलेगी। इसके लिए एयरपोर्ट प्रशासन ने हब एंड स्पोक माडल का प्रस्ताव सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) को भेजा है। मेट्रो से एयरपोर्ट पहुंचने वाले यात्रियों को भी इस नई सुविधा का लाभ मिलेगा। वर्तमान में एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन से टी-2 तक पहुंचने में करीब 750 मीटर पैदल चलना पड़ता है, जिसमें 15 से 20 मिनट तक लग जाते हैं। अब मेट्रो स्टेशन को सीधे टी-2 से जोड़ने के लिए भूमिगत पैदल मार्ग बनाया जा रहा है। इसके बनने के बाद पैदल दूरी भी घटकर करीब 80 मीटर रह जाएगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा और भारी सामान के साथ सफर करने वालों को बड़ी राहत मिलेगी।

वर्ष के अंत तक पूरी हो जाएंगी परियोजनाएं : टी-2 से इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और आकासा एयर जैसी एयरलाइंस संचालित होती हैं, जबकि टी-3 से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित की जाती हैं। अधिकारियों के अनुसार नई परियोजनाओं को इस वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। सुविधाओं को शुरू करने से पहले सुरक्षा एजेंसियों की अंतिम मंजूरी जरूरी होगी।

नौकरी छोड़ इंजीनियर ने बनाया गिरोह, 636 लोगों से ठगे 99.77 करोड़ रुपये

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ आनलाइन निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का देते थे लालच, तीन गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में आरोपित व बरामद किया गया मोबाइल, लैपटाप सहित अन्य सामान। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

बेंगलुरु की मल्टी नेशनल कंपनी के साफ्टवेयर इंजीनियर ने 30 लाख रुपये सालाना का पैकेज छोड़कर साथियों के साथ गिरोह बनाया और आनलाइन निवेश कराने के नाम पर ठगी करना शुरू कर दिया। आरोपित मध्य प्रदेश में खरगोन जिले के सनावद में काल सेंटर खोलकर महिला टेली कालर्स के जरिये फोन काल कराकर लोगों को झांसे में लेते थे। जांच में देशभर में अलग-अलग खातों में 14,232 लेन-देन सामने आए हैं। इसमें 636 लोगों से 99.77 करोड़ रुपये की ठगी की बात सामने आई है। पुलिस को शक है कि जांच आगे बढ़ने पर ठगी की रकम और अधिक बढ़ सकती है। ठगी के लिए ये गिरोह 'ट्रेड मेकर एल्गो' नामक मोबाइल एप और 'ट्रेडमेकरएल्गाइंवेस्टेमेंट डाट काम' वेबसाइट का इस्तेमाल कर लोगों को वाट्सएप काल या मैसेज करते थे।

मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर पहाड़गंज में रहने वाले पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने वाट्सएप काल और मैसेज के जरिये शेयर बाजार ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर एक लिंक से 'ट्रेडमेकरएल्गो' एप डाउनलोड कराया और 10 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। जब लगातार और पैसे ट्रांसफर कराने का दबाव डाला गया तो उन्हें ठगी का पता चला।

इकलौते बेटे की हत्या के बाद शव सीने से बांध पिता ने दी जान

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : हरियाणा में बल्लभगढ़ के दयालपुर गांव में 34 वर्षीय व्यक्ति ने अपने इकलौते पांच वर्षीय बेटे की हत्या कर उसके शव को सीने से बांधा और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। व्यक्ति कई तरह का नशा करता था, जिस कारण उसका स्वजन से झगड़ा रहता था। उसकी इस आदत से परेशान होकर पत्नी, माता-पिता व अविवाहित बड़ा भाई पैतृक मकान छोड़कर पड़ोसी गांव की कालोनी में किराए पर रह रहे थे। वह पत्नी व स्वजनों द्वारा तिरस्कृत किए जाने से मानसिक रूप से परेशान था। पत्नी व स्वजन से कई बार गांव लौटने की बात कहता था। पुलिस का मानना है कि शायद इसी मानसिक पीड़ा के चलते उसने इतनी बड़ी घटना को अंजाम दिया। थाना सदर पुलिस ने मृतक के खिलाफ हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज किया है।

दयालपुर गांव में रूपचंद पत्नी मंजू, बड़े बेटे भारत, छोटे बेटे सागर के साथ रह रहा था।

'आपरेशन गैंग-बस्ट 2.0' : राशिद केबल वाला और हाशिम बाबा गिरोह के छह शूटर गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ इटली निर्मित दो बेरेटा पिस्टल समेत 10 हथियार, 81 कारतूस और कार जब्त

क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार हाशिम बाबा के छह शूटर। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

राजधानी में संगठित अपराध और गैंगवार पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 'आपरेशन गैंग-बस्ट 2.0' के तहत कार्रवाई करते हुए दुबई में छिपे कुख्यात गैंगस्टर राशिद केबल वाला और तिहाड़ जेल में बंद हाशिम बाबा गिरोह के छह गुर्गों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से इटली निर्मित दो बेरेटा पिस्टल समेत 10 अवैध हथियार, 81 कारतूस व बलेनो कार बरामद की गई है। गिरफ्तार बदमाश हत्या, रंगदारी और जानलेवा हमले जैसे जघन्य अपराधों में शामिल रहे हैं। ये सभी विरोधी गिरोह के बदमाशों की हत्या की साजिश रच रहे थे। जांच में पता चला है कि बदमाश सिग्नल एप के माध्यम से राशिद केबल वाला के संपर्क में थे।

क्राइम ब्रांच के संयुक्त आयुक्त सुरेंद्र कुमार का कहना है कि पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा के निर्देश पर दिल्ली पुलिस ने संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ 'आपरेशन गैंग बस्ट' 2.0 के तहत कार्रवाई शुरू की है। डीसीपी हर्ष इंदौरा के नेतृत्व में एसीपी राज कुमार व इंस्पेक्टर प्रकाश चंद की टीम वांछित अपराधियों और सक्रिय गिरोहों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी थी। तभी पुलिस टीम को करोल बाग मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक माल के एफ-बार और लाउंज में राशिद केबल वाला और हाशिम बाबा गिरोहों से जुड़े बदमाशों के इकट्ठा होने की सूचना मिली। इस पर यहां निगरानी शुरू कर दी और जैसे ही गिरोह के चार बदमाश सोमवार सुबह तड़के बाहर निकले, पुलिस टीम ने दबोच लिया। इनकी पहचान कबीर नगर निवासी फैज कुरैशी, माज, नवाजिश और अफ्फाक के रूप में हुई। इनसे पूछताछ के बाद दो अन्य आरोपितों कबीर नगर निवासी अरशद और ब्रह्मपुरी निवासी इमरान उर्फ तेली को गिरफ्तार किया गया।

हाशिम बाबा का करीबी सहयोगी है राशिद : भगोड़ा गैंगस्टर राशिद केबल वाला पर दिल्ली में हत्या के कई मामले दर्ज हैं। उसे मंडोली जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा का करीबी सहयोगी बताया जाता है। वर्तमान में गिरोह को वही चला रहा है। 2019 में, क्राइम ब्रांच ने उस पर मकोका लगा दिया था। 2022 की शुरुआत में वह एक फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करके फरार हो गया। नादिर शाह हत्याकांड मामले में उसका नाम सामने आने के बाद, केबल वाला पर फिर से मकोका लगा दिया गया।

एनडीएमसी व दिल्ली कैंट क्षेत्र में जनगणना के प्रथम चरण का 95% कार्य पूरा

लोकेश शर्मा, जागरण, नई दिल्ली: नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली कैंट क्षेत्र में जनगणना का पहला चरण अंतिम दौर में पहुंच गया है। इन दोनों इलाकों में करीब 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, बाकी पांच प्रतिशत कार्य एक-दो दिन में पूरा होने की संभावना है। यहां लगभग 41 हजार मकानों की सूची तैयार की जा चुकी है। जिन मकानों की सूची बन गई है, उनके घर के बाहर सीएनएन नंबर भी डाल दिया गया है।

जनगणना अधिकारियों के मुताबिक, कई मकान बंद मिले। तीन-चार बार जाने पर जिन मकानों में ताला लगा मिला, वहां नोटिस चिपकाकर 15 मई तक संपर्क करने को कहा गया है। यदि तय समय तक संपर्क नहीं होता है तो केवल मकान की सूची तैयार की जाएगी, परिवार के सदस्यों का विवरण दर्ज नहीं होंगे। अधिकारियों ने बताया कि कुछ मंत्रालयों और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उनसे पूछे गए 33 सवालों के जवाब देने में कई अधिकारियों ने अनिच्छा दिखाई।

अवसर

एलजी ने डीडीए के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक में इसे विकेंद्रीकृत आर्थिक केंद्र बनाने के दिए निर्देश, रोहिणी और नरेला को भी किया जाएगा विकसित, लेकिन मुख्य फोकस द्वारका की रणनीतिक स्थिति पर

द्वारका बनेगा दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय निवेश का सबसे बड़ा केंद्र!

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

द्वारका स्थित यशोभूमि सम्मेलन केंद्र। आर्काइव

राजधानी की द्वारका उपनगरी अब केवल एक आवासीय क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय और घरेलू निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनने की राह पर है। उपराज्यपाल और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष तरनजीत संधू के नेतृत्व में द्वारका के कायाकल्प की विस्तृत योजना तैयार की गई है, जिससे इसे दुनिया के बेहतरीन 'इकोनामिक हब' में शामिल किया जा सके।

संधू ने डीडीए के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक में स्पष्ट किया कि द्वारका में वे सभी तत्व मौजूद हैं जो इसे एक विकेंद्रीकृत आर्थिक केंद्र बना सकते हैं। इसी तर्ज पर रोहिणी और नरेला को भी विकसित किया जाएगा, लेकिन मुख्य फोकस द्वारका की रणनीतिक स्थिति पर ही है।

संधू ने इस पर भी जोर दिया कि द्वारका के इस बदलाव से दिल्ली का पैसा और निवेश, जो पिछले कुछ समय में दूसरे शहरों की ओर रुख कर गया था, वापस आएगा।

समयबद्ध एक्शन प्लान की मांग : उपराज्यपाल ने डीडीए को आदेश दिया है कि वे सभी हितधारकों के साथ मिलकर जल्द से जल्द एक ठोस और समयबद्ध कार्ययोजना पेश करे, ताकि द्वारका को वैश्विक निवेश मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित किया जा सके।

ग्लोबल निवेश के लिए उपयुक्त सुविधाएं :

- द्वारका में 'यशोभूमि' और निर्माणाधीन 'डिप्लोमैटिक हब' इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रहे हैं। अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर) के चालू होने और एयरपोर्ट से इसकी नजदीकी ने इसे लाजिस्टिक्स और कारपोरेट आफिसों के लिए सबसे सुगम बना दिया है।
- मेट्रो लाइनों का जाल, आगामी एजुकेशन हब और ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) पालिसी द्वारका की क्षमता को कई गुना बढ़ा देती है।
- डीडीए के पास द्वारका में निवेश के लिए बड़े भूमि खंड उपलब्ध हैं, जो बड़ी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए पर्याप्त हैं।

> यह बदलाव न केवल राजस्व बढ़ाएगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर भी पैदा करेगा, वह भी पर्यावरण का ध्यान रखते हुए।
> – **तरनजीत सिंह संधू, उपराज्यपाल**

कुछ विशेष क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित करने का निर्देश

एलजी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे द्वारका को प्रदूषण मुक्त उद्योगों के लिए विकसित करें। उन्होंने विशेष रूप से कुछ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा–

- आइटी, बड़े सूचना प्रौद्योगिकी केंद्रों और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटरों की स्थापना।
- सेमी-कंडक्टर प्लांट, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और अत्याधुनिक डेटा सेंटर।
- विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निवेश।
- निवेश के साथ रोजगार की उपलब्धता।

जैकलीन को सरकारी गवाह बनाना न्याय के साथ होगा खिलवाड़ : ईडी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में अभिनेत्री की अर्जी का किया विरोध

ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लांड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिज की अर्जी का सोमवार को ईडी ने पटियाला हाउस की विशेष अदालत में विरोध किया। ईडी ने कहा, इस मामले में जैकलीन की भूमिका छोटी न होकर अपराध की कमाई की एक बड़ी लाभार्थी के रूप में है। वह मनी लांड्रिंग में सक्रिय भागीदार थीं। ईडी ने तर्क दिया कि सुकेश का आपराधिक रिकार्ड जानने के बाद भी जैकलीन उसके साथ नियमित संपर्क में रहीं और ऐसे में उन्हें सरकारी गवाह बनाना न्याय के साथ खिलवाड़ होगा।

ईडी ने यह भी कहा कि इससे जैकलीन द्वारा किए गए अपराध की गंभीरता कम होगी। सुकेश ने अपराध की कमाई से फर्नांडीज के लिए महंगे तोहफे और सामान का इंतजाम किया था। सुकेश के आपराधिक इतिहास के बारे में पता होने के बावजूद जैकलीन ने कीमती उपहार लेने के साथ ही उनका इस्तेमाल किया। ईडी ने कहा, इन तथ्यों को देखते हुए जैकलीन का पीड़ित होने का दावा मतलबी है और रिकार्ड में मौजूद साक्ष्य से मेल नहीं खाता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने ईडी की तरफ से पेश तर्कों को सुनने के बाद जैकलीन को प्रत्युत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई मंगलवार को होगी। ईडी ने यह भी कहा कि जांच के दौरान जैकलीन का व्यवहार बिल्कुल भी सहयोगी नहीं रहा।

18 से 19 मई तक नार्वे की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। भारतीय पीएम की दो दिनी यात्रा के दौरान एक नार्डिक-भारतीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। नार्वे के पीएम जोनास गहर स्टोर ने कहा कि देश अंतरराष्ट्रीय सहयोग और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एकजुट है।

देश में 60 दिनों का कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस, 45 दिनों का एलपीजी भंडार उपलब्ध

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में ईजीओएम की बैठक में समीक्षा

दीर्घकालिक क्षमता निर्माण के लिए जरूरी है तात्कालिक तौर पर संयम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पीएम नरेन्द्र मोदी की पेट्रोल, डीजल एवं गैस का संयम से इस्तेमाल करने की अपील पर देश के वित्तीय बाजारों व विपक्ष ने जिस तरह की प्रतिक्रिया जताई है, उसे देखते हुए केंद्र सरकार की ओर से स्थिति संभालने की कोशिश की गई है। इस संदर्भ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गठित अनौपचारिक मंत्री समूह (आइजीओएम) की बैठक में पश्चिम एशिया संकट के परिप्रेक्ष्य में देश में उपलब्ध पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारों की समीक्षा की गई। इसके बाद सरकार ने बताया कि देश में 60 दिनों का कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस, 45 दिनों का एलपीजी जैसे पेट्रो उत्पादों के पर्याप्त भंडार है। सरकार ने पीएम मोदी की पेट्रो उत्पादों के संयमित उपयोग की अपील को लेकर स्पष्ट किया कि यह वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला की चुनौतियों और बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए सामूहिक भागीदारी का आह्वान है। इसका उद्देश्य वर्तमान वित्तीय बोझ को कम करना और भविष्य में दीर्घकालिक क्षमता निर्माण करना है।

नई दिल्ली में सोमवार को अनौपचारिक मंत्री समूह की बैठक की अध्यक्षता करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, साथ में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, जेपी नड्डा, के राम मोहन नायडू, किरण रिजीजू, जितेंद्र सिंह व अन्य। प्रेट्र

आइजीओएम का गठन पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए मार्च, 2026 में किया गया था। सोमवार को इसकी पांचवी बैठक हुई। इसमें रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी; रेल, संचार व आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू, नागरिक उड्डयन मंत्री केआर नायडू समेत कुछ अन्य सदस्य शामिल हुए। बैठक में देश के पेट्रोलियम भंडारों की समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने बताया कि पर्याप्त रोलिंग स्टाक उपलब्ध है। विदेशी मुद्रा भंडार भी 703 अरब डालर के स्तर पर है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल रिफाइनर व चौथा सबसे बड़ा पेट्रोलियम उत्पाद निर्यातक देश है, जो 150 से अधिक देशों में निर्यात करता है और घरेलू मांग को पूर्ण रूप से पूरा कर रहा है। सरकार ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर अधिकांश देशों ने आपातकालीन उपायों के तहत घरेलू खपत घटा दी है, पर भारत में अभी भी स्थिति पूरी तरह सुरक्षित है।

तेल कंपनियों को घाटा, जनता को प्रभाव से बचाया जा रहा: पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बहुत ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे देश पर भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है। तेल विपणन कंपनियां प्रतिदिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का घाटा उठा रही हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में करीब दो लाख करोड़ रुपये की अंडर-रिकवरी हो चुकी है। पर बाहरी प्रभावों से आम आदमी को अभी तक बचाकर रखा गया है। जनता को बेवजह घबराने एवं पेट्रो उत्पादों का भंडारण करने की जरूरत नहीं है।

पीएम की अपील को जमीन पर उतारने के निर्देश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अफसरों को पीएम की अपील जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने को ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। कहा, 'विभिन्न मंत्रालयों व राज्यों को समन्वित तरीके से ईंधन दक्षता, जन जागरूकता व जिम्मेदार खपत व्यवहार को संस्थागत रूप देने के उपायों की पहचान करनी चाहिए।' कहा, भारत ने बढ़ते पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति शृंखला बचाने और निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के ठोस कदम उठाए हैं। सरकार वैश्विक उतार-चढ़ाव कम करने के लिए समुद्री सुरक्षा एवं आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी हितधारकों को हर स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने का भी निर्देश दिया।

देश में बेकार पड़े सोने को एकत्र कर उसकी रीसाइक्लिंग पर दें ध्यान

नई दिल्ली, प्रेट्र: आल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआइजेजीएफ) ने कहा कि बढ़ते आयात बिल को लेकर सरकार की चिंताएं समझ में आती हैं, लेकिन बिना किसी ढांचागत विकल्प के सोने की खरीदारी को हतोत्साहित करने की अपील ज्वेलरी इकोसिस्टम को तबाह कर सकती है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में एआइजेजीएफ के प्रेसिडेंट पीयूष अरोड़ा ने कहा कि विदेशी मुद्रा को बचाने की पहल सराहनीय है, लेकिन इसका समाधान मांग को खत्म करना नहीं होना चाहिए। इसका सही समाधान देश में बेकार पड़े सोने को एकत्र करना, उसकी रीसाइक्लिंग करना होना चाहिए।

फेडरेशन ने चेतावनी दी है कि ग्राहक धारणा में अचानक नकारात्मक बदलाव से शोरूम में आने वाले ग्राहकों की संख्या कम हो सकती है, मैन्यूफैक्चरिंग आर्डर कम हो सकते हैं और छोटे ज्वेलर्स और कारीगरों की आय पर असर पड़ सकता है। ये सप्लाई चेन में सबसे कमजोर लोग हैं।

फेडरेशन ने कहा कि यह सिर्फ सोने की खरीद-बिक्री से जुड़ा मुद्दा नहीं है। यह रोजी-रोटी का मुद्दा है। फेडरेशन ने एक डेडिकेटेड बुलियन बैंक बनाने का भी प्रस्ताव दिया।

संघर्षविराम बहुत दूर, विदेशी मुद्रा बचाने में सहयोग करें देशवासी: वैष्णव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अश्विनी वैष्णव।

- भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन ने कहा- घरेलू उद्यमी इलेक्ट्रिक व नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ाएं

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा, पश्चिम एशिया युद्ध के जल्द थमने के आसार नहीं दिखने से नागरिकों से विदेशी मुद्रा भंडार को बचाकर रखने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया गया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) के वार्षिक व्यापार सम्मेलन में वैष्णव ने कहा, हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर पश्चिम एशिया में संघर्षविराम अभी 'बहुत दूर' नजर आ रहा है। 'हम बहुत अनिश्चितता वाले समय में हैं। हमारी किसी गलती के बगैर, पड़ोस में दो देशों के बीच चल रहे युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।' संकट की इस घड़ी में नागरिकों को भी अहम भूमिका निभानी है।

उन्होंने कहा, 'हम नागरिकों के रूप में अपने जीवन व कामकाज में ऐसे उपाय पहचान सकते हैं, जिनसे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। साथ ही हमें विदेशी मुद्रा अर्जित करने के प्रयास भी बढ़ाने चाहिए।' इसी कार्यक्रम में भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा, पेट्रोलियम आयात की निर्भरता कम करने के लिए उद्यमियों को इलेक्ट्रिक व नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सेक्टर में निवेश बढ़ाना चाहिए। यह कठिन समय है। हम गत कुछ वर्षों से 6-7 प्रतिशत की दर से विकास कर रहे हैं, पर फिलहाल ऐसी स्थिति पैदा हो गई है, जिस पर किसी का नियंत्रण नहीं है। हमारा विशाल देश युवाओं का है, जहां लंबे समय तक भारी मांग रहने वाली है। हमें उनकी जरूरतें पूरा करने के लिए मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करना चाहिए। उद्यमियों को घरेलू स्तर पर जड़ें मजबूत करने की जरूरत है। वहीं, नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा, भारत को नवीकरणीय ऊर्जा को 1500 गीगावाट तक बढ़ा कर पेट्रो से इलेक्ट्रिक स्टेट की ओर बढ़ना चाहिए।

आइटी कर्मचारी ने वर्क फ्राम होम के लिए नोटिस जारी करने के लिए कहा: पीएम की अपील पर आइटी कंपनियों के कर्मियों ने सरकार से वर्क फ्राम होम के संबंध में नोटिस जारी करने को कहा है। फोरम फार आइटी एंप्लाई ने एक्स पर कहा, रोजाना आइटी सेक्टर के हजारों कर्मी काम के लिए निकलते हैं।

वर्क फ्राम होम को लेकर सरकार की तरफ से लिखित परामर्श जारी करने से पेट्रोल-डीजल की बचत के साथ पर्यावरण का भी बचाव होगा। कोरोना काल में आइटी कंपनियां वर्क फ्राम होम से काम कर रही थीं, पर अब अधिकतर कंपनियां कर्मियों को आफिस बुलाने लगी हैं। पीएम की अपील पर कई कंपनियां फिर से वर्क फ्राम होम माध्यम को अपनाने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं।

विपक्ष को रास नहीं आई खपत कम करने की पीएम की अपील

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- राहुल गांधी ने कहा, देश चलाना पीएम मोदी के बस की बात नहीं
- खरगे का आरोप-चुनाव खत्म होने के बाद देश को उपदेश दिया जा रहा है

विपक्षी दलों ने पश्चिम एशिया युद्ध से पनपे हालात के मद्देनजर जनता से पेट्रोल-डीजल से लेकर खाद्य तेल की खपत कम करने की पीएम नरेन्द्र मोदी की अपील की तीखी आलोचना की है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे सरकार की विफलता का प्रमाण बताते हुए आरोप लगाया कि मोदी अपनी 12 साल की नाकामी का ठीकरा जनता पर फोड़ रहे हैं।

राहुल ने सोमवार को एक्स पोस्ट में कहा, मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा- सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम जलाओ, उर्वरक, खाने का तेल कम करो, मेट्रो में चलो, घर से काम करो। 12 साल में उन्होंने देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है क्या खरीदें, क्या न खरीदें, कहां जाएं, कहां न जाएं। देश चलाना अब समझौता करने वाले पीएम के बस की बात नहीं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, जब गरीबी में आटा गीला हो रहा है तब पीएम देश को बचत करने का पाठ पढ़ा रहे हैं। चुनाव खत्म होने के बाद देश को उपदेश दिया जा रहा है।

प्रेट्र के अनुसार, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था व विदेश नीति दोनों को संभालने में विफल रही है। चुनाव खत्म होते ही सरकार को संकट याद आ गया। असल में देश के लिए एक ही संकट है और उसका नाम है भाजपा। माकपा महासचिव एमए बेबी ने कहा, अमेरिका-इजरायल गठबंधन से जुड़ने के कारण सरकार जनहित की रक्षा करने में विफल है। भाकपा नेता डी राजा ने कहा, पीएम लोगों को सोना नहीं खरीदने की सलाह दे रहे हैं, पर लोगों के पास खाने के लिए भी पर्याप्त पैसे नहीं हैं।

गिरिराज ने राहुल पर साधा निशाना, बोले-1962 में नेहरू ने की थी सोना दान करने की अपील

- केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता से पूछा, तो नेहरू को असफल माना जाना चाहिए
- भाजपा का विपक्ष को जवाब-वैश्विक संकट का राजनीतिकरण बंद करो

नई दिल्ली, आइएएनएस: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को राहुल गांधी पर उनके उस बयान को लेकर निशाना साधा है, जिसमें उन्होंने पीएम की जनता से की गई अपील की आलोचना की। गिरिराज ने पूछा, क्या देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 1962 में चीन के साथ युद्ध के दौरान असफल माना जाना चाहिए, क्योंकि उस समय उन्होंने देशवासियों से सोना दान करने की अपील की थी। भाजपा ने विपक्ष से वैश्विक संकट के दौरान "शत्रुता और पूर्वाग्रह" से प्रेरित राजनीति में लिप्त नहीं होने का आग्रह भी किया। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष से पूछा, क्या वह भारत के भविष्य को सुरक्षित करने का समर्थन करता है? उन्होंने विपक्ष पर सामाजिक और राजनीतिक अव्यवस्था पैदा करके अपने राजनीतिक हितों को साधने का आरोप लगाया।

गिरिराज ने कहा, शायद राहुल को देश का इतिहास नहीं पता। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने भी इसी तरह की अपील की थी। उस समय गेहूं अमेरिका से आयात किया जाता था। शास्त्री ने सड़ा गेहूं लेने से मना कर दिया था। लोगों से अपील की गई थी कि हिंदुओं को एकादशी का व्रत और मुसलमानों को रोजा रखना चाहिए, क्योंकि देश में खाद्य संकट है। क्या इसका अर्थ यह है कि शास्त्री एक असफल प्रधानमंत्री थे। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीएम के सुझाव व्यापक राष्ट्रीय और जनहित में हैं। हम सभी को उनका पालन करना चाहिए।

पेट भरने से आगे अब सेहत सुधारने का माध्यम बनेगी खेती

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- बायो-फोर्टिफाइड फसलों को बढ़ावा देने के लिए लांच किया गया सेहत मिशन
- संतुलित रसायन उपयोग और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा

देश में खेती अब सिर्फ ज्यादा अनाज पैदा करने तक सीमित नहीं रहेगी। खेती को सीधे लोगों की सेहत से जोड़ने की तैयारी है। इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार ने सेहत मिशन की शुरुआत की है। इसका पूरा नाम साइंस एक्सीलेंस फार हेल्थ थ्रू एग्रीकल्चर ट्रांसफार्मेशन है। इसके जरिये पहली बार कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र साझा लक्ष्य के साथ काम करेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) व भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) मिलकर ऐसी खेती व खाद्य प्रणाली विकसित करेंगे, जो लोगों का पेट भरने के साथ ही बीमारियों के खतरे को भी कम करे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को मिशन की शुरुआत की। सरकार का मानना है कि देश खाद्यान्न उत्पादन के उस लक्ष्य को प्राप्त कर चुका है, जहां सिर्फ पेट भरना ही पर्याप्त नहीं है। अब जरूरत ऐसे भोजन की है, जो पोषण से भरपूर हो और लोगों को स्वस्थ रख सके। यह मिशन प्रभावी ढंग से लागू हुआ तो आने वाले वर्षों में खेती सिर्फ खाद्य सुरक्षा ही नहीं, बल्कि बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य की भी मजबूत आधारशिला बन सकती है।

स्वास्थ्य चुनौती से जूझ रहा देश: दरअसल देश इस समय दोहरी स्वास्थ्य चुनौती से जूझ रहा है। एक तरफ कुपोषण, एनीमिया और पोषक तत्वों की कमी की समस्या है। दूसरी तरफ मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गैर-संचारी बीमारियां बढ़ रही हैं। बड़ी संख्या में लोग आयरन, जिंक व विटामिन की कमी से प्रभावित हैं। इनका समाधान सिर्फ दवाओं व अस्पतालों से नहीं निकलेगा। भोजन की गुणवत्ता सुधारना भी जरूरी है। ऐसे में सेहत मिशन का सबसे बड़ा फोकस पोषण आधारित खेती पर रहेगा। ऐसी किस्में विकसित की जाएंगी, जिनमें प्राकृतिक रूप से आयरन, जिंक, प्रोटीन व विटामिन अधिक हों। गत दस वर्षों में आइसीएआर 203 बायो-फोर्टिफाइड किस्में विकसित कर चुका है। अब आइसीएमआर इनके स्वास्थ्य प्रभावों पर वैज्ञानिक परीक्षण करेगा, ताकि लोगों में इनकी स्वीकार्यता बढ़े।

संतुलित पोषण पर जोर: सरकार चाहती है कि लोगों की थाली सिर्फ कैलोरी से न भरे, बल्कि संतुलित पोषण मिले। अतः फल, सब्जी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन व मधुमक्खी पालन को भी पोषण सुरक्षा से जोड़ा जाएगा। मिशन में मजदूरों की सुरक्षा को भी शामिल किया गया है। कीटनाशकों और रसायनों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान को कम करने पर जोर रहेगा। सुरक्षित खेती पद्धतियों, संतुलित रसायन उपयोग व वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा। हानिकारक बैक्टीरिया और संक्रमण कम करने के लिए शोध होगा।

पोखरण परमाणु परीक्षण भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रतीक था

- परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की असाधारण क्षमता से परिचित कराया
- कहा, हमारे विज्ञानी ही राष्ट्र के गौरव और आत्मसम्मान के सच्चे निर्माता हैं

नई दिल्ली, प्रेट्र: पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। यह 11 मई 1998 की उस ऐतिहासिक घटना की याद दिलाता है, जब भारत ने पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण किए थे। मोदी ने कहा, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है। उन्होंने कहा कि 1998 का वह ऐतिहासिक क्षण भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, "हमें अपने विज्ञानियों की कड़ी मेहनत और समर्पण को याद करते हुए गर्व हो रहा है, जिसके कारण 1998 में पोखरण में सफल परीक्षण संभव हुए।" उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गई है और यह नवाचार को गति दे रही है, अवसरों का विस्तार कर रही है और सभी क्षेत्रों में राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा, "हमारी निरंतर प्राथमिकता प्रतिभा को सशक्त बनाना, अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और ऐसे समाधान तैयार करना है जो राष्ट्रीय प्रगति और हमारे लोगों की आकांक्षाओं दोनों को पूरा करें।" मोदी ने कहा कि 1998 में इसी दिन पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की असाधारण क्षमता से परिचित कराया। उन्होंने कहा, "हमारे विज्ञानी ही राष्ट्र के गौरव और आत्मसम्मान के सच्चे निर्माता हैं।" ज्ञात हो, भारत ने 11 और 13 मई 1998 को राजस्थान के पोखरण रेंज में पांच परमाणु परीक्षण किए थे। पहले तीन विस्फोट 11 मई को दोपहर 3:45 बजे एक साथ हुए थे। यह मिशन इतना गोपनीय था कि अमेरिका समेत दुनिया के किसी भी देश को इसकी भनक तक नहीं लगी थी।

मुकदमे की जानकारी पाने में मदद करेगा 'सु सहायक'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सीजेआइ सूर्यकांत ने की 'वन केस वन डाटा' पहल की घोषणा, एआइ चैटबाट 'सु सहायक' लांच किया
- सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध यह चैटबाट एक क्लिक में बताएगा मुकदमे की जानकारी
- सभी हाई कोर्टो, जिला तालुका न्यायालयों की बहुस्तरीय जानकारी को एकीकृत प्रणाली में जोड़ा जाएगा

सीजेआइ सूर्यकांत। फाइल

मुकदमे की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि मुकदमेदार अपने केस की स्थिति का पता कैसे लगाए। अदालत में उसका केस कब लगा है, कहां लगा है और उसमें कब क्या निर्णय हुआ है, यह जानना कठिन होता है। पर अब यह प्रक्रिया बहुत सरल हो गई है। देशभर में अदालती सेवाओं की जनता तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए "वन केस वन डाटा" पहल की शुरुआत की गई है। इसके तहत सभी हाई कोर्टों, जिला न्यायालयों और तालुका न्यायालयों की बहुस्तरीय जानकारी को एकीकृत प्रणाली में जोड़ा जाएगा। साथ ही एआइ चैटबाट 'सु सहायक' भी लांच किया गया है, जो सुप्रीम कोर्ट में लंबित केस की पूरी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध कराएगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को इस नई पहल की जानकारी दी।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर एक कोने में कोर्ट के गुंबद की तस्वीर के साथ गोलाई में नाचता सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया दिखाई देता है, जिस पर क्लिक करने से एआइ चैटबाट 'सु सहायक' सामने आता है। यह चैटबाट पूछता है, "हाउ मे आइ हेल्प यू" (मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूं)। इसके माध्यम से सुप्रीम कोर्ट के केस की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सोमवार को अदालत की कार्यवाही शुरू होते ही चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट "वन केस वन डाटा" पहल शुरू कर रहा है। इसमें सभी हाई कोर्टों, जिला अदालतों और तालुका न्यायालयों की बहुस्तरीय जानकारी को एकीकृत प्रणाली में जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि हम एक कुशल केस प्रबंधन प्रणाली विकसित करने की उम्मीद करते हैं। इस पहल का उद्देश्य अधिक प्रभावी और आधुनिक केस मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करना है ताकि मामलों की ट्रैकिंग, रिकार्ड प्रबंधन और न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ सके।

चीफ जस्टिस ने चैटबाट 'सु सहायक' के लांच की भी घोषणा की। यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित चैटबाट है, जिसे सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के साथ जोड़ा गया है। सीजेआइ ने बताया कि इस चैटबाट को एनआइसी ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के सहयोग से विकसित किया है। यह नागरिकों को सुप्रीम कोर्ट की जरूरी सेवाओं तक पहुंचने के लिए शुरुआती दिशानिर्देश और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए एक सरल और सुविधाजनक इंटरफेस प्रदान करेगा।

बिग कैट संरक्षण के प्रयासों में उद्योग जगत करें आर्थिक सहयोग: यादव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री का आह्वान, दुनियाभर के बिग कैट रेंज देशों से की आइबीसीए से जुड़ने की अपील
- दिल्ली में एक-दो जून को होगा आइबीसीए सम्मेलन, पीएम करेंगे संबोधित, जारी करेंगे दिल्ली घोषणा पत्र

दिल्ली में एक व दो जून को आयोजित होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आइबीसीए) सम्मेलन से पहले केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बिग कैट संरक्षण के भारत के वैश्विक प्रयासों में उद्योग जगत से भी हाथ बंटाने की सोमवार को अपील की। कहा है कि एलायंस की इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहयोग और साझेदारी के लिए वह आगे आए।

केंद्रीय मंत्री ने इसके साथ ही दुनियाभर के बिग कैट रेंज देशों से भी एलायंस से जुड़ने की अपील की। दुनिया में 95 देश ऐसे है, जहां कोई न कोई बिग कैट पायी जाती है। हालांकि इनमें भारत अकेला ऐसा देश है जहां सात बिग कैट में से पांच पायी जाती है।

केंद्रीय मंत्री ने सीआइआइ सम्मेलन को संबोधित करते हुए उद्योग जगत से भारत की ओर से वैश्विक स्तर पर चलाए जा रहे बिग कैट संरक्षण के प्रयासों से जुड़ने की अपील की। वैसे तो देश में इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस का मुख्यालय खोलने की घोषणा 2023 में की गई थी, लेकिन ये फरवरी 2025 में पूरी तरह से संचालित हुआ।

आइबीसीए के महानिदेशक एसपी यादव ने बताया कि सभी 95 बिग कैट रेंज देशों को सम्मेलन के लिए न्योता भेजा गया। 14 की सहमति आ चुकी है। वन्यजीवों से जुड़े वैश्विक संस्थान व विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया है। दो दिनी सम्मेलन को पीएम नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। साथ ही दुनियाभर में बिग कैट के संरक्षण के लिए उठाए जा रहे कदमों को गति देने के लिए दिल्ली घोषणा पत्र भी जारी करेंगे। बिग कैट में कुल सात वन्यजीव शामिल है। इनमें बाघ, शेर, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड, चीता, जगुआर व प्यूमा है।

फैसला

30 जून तक चल रहे सभी काम नई योजना में अपने आप शामिल हो जाएंगे, जिन श्रमिकों का ई-केवाईसी पूरा नहीं हुआ है, उन्हें भी मिलता रहेगा काम

मनरेगा खत्म, एक जुलाई से जी-रामजी, सवा सौ दिन काम की गारंटी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए मनरेगा की जगह विकसित भारत गारंटी फार रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी जी-रामजी कानून लागू करने का फैसला किया है। नया कानून पहली जुलाई से पूरे देश में लागू हो जाएगा। इसके साथ ही पुराना मनरेगा कानून समाप्त हो जाएगा। सरकार का दावा है कि यह सिर्फ रोजगार योजना नहीं, बल्कि गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला नया विकास माडल है।

सरकार इसे ग्रामीण विकास के नए दौर की शुरुआत के रूप में पेश कर रही है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि नए कानून से मजदूरों, किसानों एवं गांवों को ताकत मिलेगी। यह योजना सिर्फ रोजगार गारंटी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि गांवों की बुनियादी संरचना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा भी दे सकती है।

सबसे बड़ा बदलाव रोजगार गारंटी के दिनों में हुआ है। अभी मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवारों को साल में सौ दिन काम का कानूनी अधिकार है। नई व्यवस्था में इसे 125 दिन कर दिया गया है। यानी श्रमिक परिवारों को अतिरिक्त 25 दिन काम मिलेगा। इससे गांवों में नकदी प्रवाह बढ़ने और श्रमिकों की आय में मजबूती आएगी। व्यवस्था में बदलाव के दौरान मजदूरों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। 30 जून तक चल रहे सभी काम नई योजना में अपने आप शामिल हो जाएंगे। मौजूदा जाब कार्ड भी तब तक मान्य रहेंगे, जब तक नए रोजगार गारंटी कार्ड जारी नहीं हो जाते। जिन श्रमिकों का ई-केवाईसी पूरा नहीं हुआ है, उन्हें भी रोजगार से वंचित नहीं किया जाएगा।

प्रतीकात्मक

फोकस सिर्फ गड्ढे खोदने तक नहीं रहेगा

नई योजना को विकसित भारत-2047 के विजन से जोड़ा गया है। फोकस सिर्फ गड्ढे खोदने या सीमित निर्माण कार्यों तक नहीं रहेगा। जल संरक्षण, सड़क, पुलिया, स्कूल भवन, आंगनवाड़ी केंद्र, खेतों से जुड़े ढांचागत काम, बाढ़ सुरक्षा एवं आजीविका से जुड़े स्थायी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों के लिए वर्किंग शेड बनाई जा सकेंगी।

ग्रामीण रोजगार के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट

केंद्र ने 2026-27 के लिए इसके बजट में 95 हजार करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। राज्यों की हिस्सेदारी जोड़ने पर कुल खर्च 1.51 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच सकता है। ग्रामीण रोजगार के लिए यह अभी तक का सबसे बड़ा बजट है। इससे गांवों में निर्माण गतिविधियों, रोजगार व ग्रामीण बाजार की मांग बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मजदूरी में देरी पर मिलेगा अतिरिक्त मुआवजा

भुगतान प्रणाली को लेकर भी सरकार सजग दिख रही है। मजदूरी सीधे बैंक या डाकघर खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। सरकार का लक्ष्य तीन दिन के भीतर भुगतान का है, हालांकि अधिकतम सीमा 15 दिन तय की गई है। अगर मजदूरी में देरी हुई तो मजदूरों को अतिरिक्त मुआवजा मिलेगा। यही नहीं, मांगने पर काम नहीं मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता देना होगा। इससे योजना की कानूनी जवाबदेही और मजबूत होगी।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

5 भाजपा विधायक कुड़माली भाषा में शपथ लेना चाहते हैं बंगाल विधानसभा में, लेकिन सचिवालय ने उन्हें बांग्ला, हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और संथाली में से किसी एक भाषा का चयन करने को कहा है। ये जंगलमहल क्षेत्र से चुने गए विधायक हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान भाजपा में शामिल

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

- सीएम नायब सैनी व भाजपा पंजाब अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने किया स्वागत

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में भाजपा पंजाब अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह मान को भारतीय जनता पार्टी में शामिल कराया। सैनी के साथ संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जाखड़ ने कहा कि लोग बदलाव की उम्मीद लेकर आम आदमी पार्टी से जुड़े थे, लेकिन जब उनके सपने टूट गए तो उन्होंने भाजपा परिवार में शामिल होने का फैसला किया। ज्ञान सिंह मान ने कहा कि वह आप द्वारा दी गई साफ-सुथरे व भ्रष्टाचार रहित शासन-प्रशासन की गारंटी के कारण लगातार जुड़े रहे, लेकिन चार साल गुजरने के बावजूद

नायब सिंह व सुनील जाखड़ (दाएं) ने चंडीगढ़ में सोमवार को ज्ञान सिंह मान (बीच में) का पार्टी में शामिल होने पर किया स्वागत। सौ. भाजपा

आप ऐसा नहीं कर सकी। अमृतसर, बटाला, तरनतारन और लुधियाना सहित विभिन्न शहरों में भाजपा दफ्तरों और कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए जाखड़ ने चेतावनी दी कि सबका हिसाब होगा।

महाशक्तिशाली मोदी : 2030 के पार भी अब सत्ता की राह हुई निष्कंटक!

नई दिल्ली, जागरण न्यूज नेटवर्क : दो साल पहले 2024 की भीषण गर्मियों में हुए आम चुनावों ने जब मोदी युग के कमजोर होने के संकेत दिए थे, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतनी जल्दी और इतनी मजबूती से वापसी करेंगे। ब्लूमबर्ग के एक हालिया विश्लेषण के अनुसार, बंगाल की ऐतिहासिक जीत और दक्षिण भारत के चुनावी समीकरणों ने यह साफ कर दिया है कि मोदी न केवल 2029 के लिए भारी बहुमत की ओर बढ़ रहे हैं, बल्कि 2030 के दशक के उत्तरार्द्ध तक सत्ता के शीर्ष पर बने रहने की तैयारी कर चुके हैं।

चुनावी चक्रव्यूह व हिंदुत्व का नया प्रयोग : 75 वर्षीय मोदी की रणनीति अब केवल उत्तर भारत तक सीमित नहीं है। बंगाल में ममता बनर्जी के 15 साल के किले को ढहाकर और तमिलनाडु एवं केरल जैसे राज्यों में पैठ बनाकर भाजपा ने विपक्ष को पूरी तरह छिन्न-भिन्न कर दिया है। विश्लेषण बताता है कि मोदी ने 'हिंदू वोटों' के एकीकरण का जो फार्मूला 2014 में शुरू किया था, वह अब और अधिक धारदार हो गया है। धार्मिक पहचान, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रभावी जनकल्याणकारी योजनाओं के त्रिकोण ने जातिगत राजनीति को पीछे छोड़ दिया है। राजनीतिक विश्लेषक माइकल कुगेलमैन के अनुसार, "भाजपा अब चौथी बार सत्ता में आने के लिए सबसे प्रबल दावेदार है।" बंगाल में भाजपा का तीन सीटों से बढ़कर 207 सीटों तक पहुंचना यह दर्शाता है कि ध्रुवीकरण और सांगठनिक कौशल ने विपक्ष के पास कोई विकल्प नहीं छोड़ा है।

आर्थिक सुधार व भविष्य की चुनौतियां : ईरान युद्ध के कारण बढ़ती तेल की कीमतों और मुद्रास्फीति के बावजूद, मोदी का राजनीतिक रसूख उन्हें कड़े आर्थिक फैसले लेने की शक्ति दे रहा है। उन्होंने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ एपल जैसी दिग्गज कंपनियों को आकर्षित करने और श्रम कानूनों को सरल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

सोमनाथ मंदिर में पीएम मोदी। एएनआइ

- ब्लूमबर्ग के विश्लेषण के अनुसार, मोदी के 'हिंदू वोटों' के एकीकरण का फार्मूला अब और अधिक धारदार हो गया है
- विपक्ष को पूरी तरह छिन्न-भिन्न कर दिया है, ध्रुवीकरण और सांगठनिक कौशल ने कोई विकल्प नहीं छोड़ा

वैचारिक एजेंडे की ओर बढ़ते कदम

इस प्रचंड जीत ने मोदी को उनके मूल वैचारिक एजेंडे – जैसे 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और 'समान नागरिक संहिता' – को लागू करने का नया नैतिक बल दिया है। हालांकि राज्यसभा में संख्याबल और अल्पसंख्यकों के विरोध जैसी चुनौतियां अभी भी बरकरार हैं, लेकिन विपक्ष की बिखरी हुई स्थिति मोदी की राह आसान कर रही है। पूर्व सांसद कपिल सिब्बल और हन्नान मुल्ला जैसे विपक्षी नेताओं की चिंताएं भी इसी ओर इशारा करती हैं कि फिलहाल भाजपा को चुनौती देने वाला कोई नेतृत्व सामने नहीं है। यदि आंतरिक गुटबाजी आड़े नहीं आई, तो मोदी का यह विजय रथ 2030 के दशक के अंत तक रुकता नजर नहीं आता।

'मतदाता सूची से हटाए गए वोटरों के कारण हुई बंगाल में भाजपा की जीत'

कैलिफोर्निया में आयोजित 'स्टैंडफोर्ड इंडिया कांफ्रेंस' में बोले कांग्रेस नेता शशि थरूर

सैन फ्रांसिस्को, एएनआइ : कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बंगाल में चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि मतदाता सूचियों से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने और अपीलों के सत्यापन में देरी का राज्य के चुनाव परिणाम पर निर्णायक प्रभाव पड़ा होगा। उन्होंने इशारों में कहा कि मतदाता सूची से हटाए गए वोटरों के कारण बंगाल में भाजपा की जीत हुई।

रविवार को कैलिफोर्निया में आयोजित 'स्टैंडफोर्ड इंडिया कांफ्रेंस में थरूर ने कहा, एसआइआर मामले में वाजिब सवाल का जवाब जरूरी है। बंगाल में लगभग 91 लाख नाम सूचियों से हटा दिए गए थे, जबकि लगभग 34 लाख व्यक्तियों ने अपील दायर कर दावा किया था कि वे वास्तविक मतदाता थे। मतदान के समय तक अधिकांश मामले अनसुलझे रह गए। नियमों के अनुसार प्रत्येक मामले का अलग-अलग निपटारा किया जाना आवश्यक था, इसलिए मतदान से पहले केवल कुछ मामलों का ही निपटारा किया गया था। लगभग 31-32 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें वैध मतदाता पाया जा सकता है, लेकिन वे अपना वोट डालने का मौका चूक गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल में 30 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की। अब आप ही बताइए, क्या यह पूरी तरह से निष्पक्ष और लोकतांत्रिक है?

रविवार को कैलिफोर्निया में आयोजित 'स्टैंडफोर्ड इंडिया कांफ्रेंस में कांग्रेस नेता शशि थरूर और भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या (बाएं से)। इंटरनेट मीडिया

थरूर ने कहा कि केरलम में एसआइआर से कांग्रेस को फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि माकपा लंबे समय से एक ही व्यक्ति का चार अलग-अलग बूथों पर नामांकन आदि में माहिर थी। क

लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना मजाक: थरूर ने लोकसभा के सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 850 करने को मजाक करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे संसद का निचला सदन चीन की 'पीपुल्स कंसल्टेटिव कान्फ्रेंस' का देसी संस्करण बन जाएगा, जहां बड़े नेता के आने पर केवल मेजें थपथपाने का अवसर मिलेगा। थरूर ने कहा, इस तरह के सदन में बोलने, बहस करने का अवसर नहीं मिलेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 1929 से अमेरिका की जनसंख्या तीन गुना बढ़ गई है, फिर भी अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की संख्या 435 ही है। थरूर ने कहा कि महिलाओं के आरक्षण के मुद्दे को परिसीमन से नहीं जोड़ा जा सकता है। इस सम्मेलन में भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या ने कहा कि परिसीमन लोकतांत्रिक जरूरत है ताकि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने संसद में सीटों की संख्या स्थिर बनाए रखने को बेतुका बताया।

कांग्रेस से गठबंधन होता तो टीएमसी की जीत होती : प्रमोद तिवारी

जासं, वृंदावन : कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा को केवल कांग्रेस ही हरा सकती है। सभी क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस के साथ गठबंधन करके लड़ें तो भाजपा हार जाएगी। बंगाल में ममता बनर्जी ने भी कांग्रेस के साथ गठबंधन किया होता तो उनकी बंगाल में जीत होती। सोमवार को ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे प्रमोद तिवारी ने कहा कि यदि ममता बनर्जी ने कांग्रेस के साथ विधानसभा चुनाव लड़ा होता तो उन्हें वर्तमान स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। बंगाल व असम के विधानसभा चुनाव में आयोग व भाजपा ने जिस तरह लोकतंत्र की हत्या की है, उन्हें जनता माफ नहीं करेगी। भाजपा के पास मुख्यमंत्री बनाने को अपने नेता नहीं हैं, दूसरी पार्टियों से आए नेताओं को मुख्यमंत्री बनाया गया। ऐसे में भाजपा व संघ के बीच मतभेद उभरेंगे और आगामी लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम भाजपा को भुगतना पड़ेगा।

केरलम : सीएम पर कांग्रेस अब भी असमंजस में

नई दिल्ली, प्रेट्र : केरलम में मुख्यमंत्री कौन?, यह अभी भी सबसे बड़ा सवाल है। केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को विधानसभा चुनाव में दो-तिहाई से भी ज्यादा बहुमत मिला है लेकिन चुनावी नतीजे आने के एक सप्ताह बाद भी मुख्यमंत्री के चयन को लेकर असमंजस बरकरार है। यहां कांग्रेस के तीन वरिष्ठ नेता पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, विपक्ष के नेता रहे वीडी सतीशन और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष रमेश चेन्निथेला मुख्यमंत्री की दौड़ में बने हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, सीएम पद पर गतिरोध को तोड़ने के लिए अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के पूर्व अध्यक्षों के साथ चर्चा करेंगे। इस बीच यूडीएफ के घटक दल आइयूएमएल ने सीएम चयन में देरी पर नाराजगी जताई है और कहा है कि इस अनिश्चितता के राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं।

उधर, खरगे ने जिन नेताओं को दिल्ली बुलाया है उनमें एमएम हसन, वीएम सुदीरण, मुल्लापल्ली रामचंद्रन और के मुरलीधरन के अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेता और कन्नूर लोकसभा सीट से सांसद के सुधाकरण शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व रक्षा मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता एके एंटनी से भी चर्चा की जाएगी, जिन्होंने 1996 से 2001 तक केपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। इसके बाद खरगे और राहुल गांधी केरलम के नए सीएम पर अंतिम निर्णय लेंगे।

सूत्रों के अनुसार अगले एक-दो दिन में यह तय हो जाएगा कि केरलम का सीएम कौन होगा। हालांकि मुख्य रेस में वेणुगोपाल और सतीशन सबसे आगे हैं। कांग्रेस के 63 में से करीब तीन-चौथाई विधायकों की वेणुगोपाल के पक्ष में लामबंदी ने हाईकमान की चुनौती बढ़ा दी है।

यहीं नहीं वेणुगोपाल को राहुल गांधी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का भी समर्थन है मगर सतीशन केरल में कांग्रेस के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है और आइयूएमएल समेत यूडीएफ में शामिल अधिकांश सहयोगी दल सतीशन को सीएम बनाने की पैरोकारी कर रहे हैं। 140 सदस्यीय केरलम विधानसभा में कांग्रेस के 63 विधायक विजयी हुए हैं। इसके अलावा उसकी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आइयूएमएल) के पास 22, केरल कांग्रेस (केईसी) के पास आठ और आरएसपी के पास तीन विधायक हैं। यूडीएफ ने कुल 102 सीटें जीती हैं, जो दो-तिहाई बहुमत से अधिक हैं।

वीडी सतीशन और केसी वेणुगोपाल। फाइल

- सीएम चयन को लेकर पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्षों से चर्चा करेंगे खरगे
- कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल व विपक्ष के नेता रहे सतीशन सीएम रेस में सबसे आगे

कांग्रेस में सीएम के लिए लंबी जंग पहली बार नहीं

यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के चयन पर निर्णय को लटकाया है। 2023 में कर्नाटक का चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस में बड़ी लाबिंग देखी गई थी। दो प्रमुख दावेदार सिद्दरमैया और डीके शिवकुमार सीएम के लिए जोरदार लाबिंग कर रहे थे। बाद में सिद्दरमैया को मुख्यमंत्री बनाया गया जबकि शिवकुमार उनके डिप्टी बने। ऐसी लाबिंग और देरी 2018 में भी देखी गई थी, जब कांग्रेस ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जीत हासिल की थी। मध्य प्रदेश में कमल नाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्यमंत्री के दावेदार थे तो राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट इस दौड़ में सबसे आगे थे। अंतत: कई दिनों की अनिश्चितता के बाद कमल नाथ को मध्य प्रदेश में सीएम चुना गया जबकि राजस्थान में गहलोत को। पायलट राजस्थान के उपमुख्यमंत्री बने। छत्तीसगढ़ में भी सीएम के लिए काफी जंग देखने के बाद आखिरकार भूपेश बघेल को राज्य का नेतृत्व करने के लिए चुना गया।

चार मत्रियों के साथ आज असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे सरमा

गुवाहाटी, प्रेट्र : असम में हिमंत बिस्वा सरमा मंगलवार को लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री का कार्यकाल संभालेंगे। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य गुवाहाटी में सुबह 11:40 बजे सरमा और चार मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। चार मंत्रियों में से दो सहयोगी दलों से होंगे यानी एक असम गण परिषद (अगप) से और एक बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से। असम में लगातार दो बार सीएम बनने वाले सरमा पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री होंगे। वैसे असम में यह राजग सरकार का लगातार तीसरा कार्यकाल होगा। भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन ने पहली बार 2016 में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में सत्ता संभाली थी, जबकि 2021 में सरमा सीएम बने थे।

सोमवार रात एक्स पोस्ट पर सरमा ने कहा-" मेरे चार सहयोगी कल मेरे साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इनमें रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चारन बोरो और श्रीमती अजन्ता निओग शामिल हैं।" अतुल बोरा असम गण परिषद के अध्यक्ष हैं और जबकि बोरो बीपीएफ की विधायक हैं और यह दोनों राज्य की पूर्व सरकार में भी मंत्री थे। निओग भी पूर्व सरकार में मंत्री थीं। उधर तेली पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री हैं और 2026 के चुनाव से उन्होंने राज्य की राजनीति में वापसी की है। सरमा ने यह भी बताया कि पूर्व मंत्री रंजीत कुमार दास असम विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए गठबंधन के उम्मीदवार होंगे।

सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित 40 से अधिक राजग मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के उपस्थित रहने की उम्मीद है। भाजपा के असम प्रवक्ता ध्रुबज्योति मराल ने बताया कि समारोह में एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की आस है।

राजग ने विधानसभा चुनावों में 126 सदस्यीय सदन में रिकार्ड 102 सीटें जीतीं हैं, जिसमें भाजपा ने अकेले 82 सीटों पर विजय हासिल की। इसके अलावा सहयोगी दलों असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 10-10 सीटें जीतीं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद सरमा नई सरकार के पहले 100 दिनों की प्राथमिकताओं को रेखांकित करेंगे।

- एक-एक मंत्री सहयोगी दलों असम गण परिषद व बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से होगा, चार में से तीन पूर्व में भी थे मंत्री
- शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह, राजनाथ समेत राजग शासित राज्यों के सीएम व कई केंद्रीय मंत्री करेंगे शिरकत
- 2016 से लगातार राजग सरकार, असम में लगातार दो बार सीएम बनने वाले सरमा पहले गैर कांग्रेसी सीए होंगे

हिमंत बिस्वा सरमा। फाइल

विधानसभा में शक्ति परीक्षण से पहले स्टालिन से मिले विजय

चेन्नई, प्रेट्र : विधानसभा में बहुमत साबित करने से पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सोमवार को अपने पूर्ववर्ती सीएम और द्रमुक सुप्रीमो एमके स्टालिन से उनके आवास पर मुलाकात की। चुनाव जीतने और मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद विजय की स्टालिन से यह पहली मुलाकात थी। स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि ने मुख्यमंत्री विजय का गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में विजय एमडीएमके संस्थापक वाइको से भी मिले। यह मुलाकात विजय द्वारा राज्य पर 10 लाख करोड़ कर्ज के बोझ को लेकर पिछली द्रमुक सरकार की आलोचना के एक दिन बाद हुई।

उल्लेखनीय है कि सरकार बनाने के लिए टीवीके को समर्थन देने वाली कांग्रेस, वीसीके, आइयूएमएल और वामपंथी पार्टियां द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा रही हैं। मुख्यमंत्री विजय के आगमन पर उदयनिधि ने उनसे हाथ मिलाकर और फिर गर्मजोशी से गले लगाकर उनका स्वागत किया। बाद में स्टालिन ने भी विजय को गले लगाया, उनका हाथ थामा और उन्हें अपने घर के अंदर ले गए। विजय और स्टालिन ने एक-दूसरे को रेशमी शाल और फूलों का गुलदस्ता भेंट किया।

विजय बाद में वाइको के आवास पर गए और उनसे मुलाकात की। वाइको के बेटे दुरई वाइको ने उनका स्वागत किया। विजय द्वारा विपक्षी नेताओं से संपर्क साधने की सराहना करते हुए वाइको ने कहा कि तमिलनाडु में स्वस्थ राजनीति को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

टीवीके को समर्थन देने के मुद्दे पर अन्नाद्रमुक में फूट : हार के बाद अन्नाद्रमुक में आंतरिक कलह पैदा हो गई है। सत्तारूढ़ टीवीके को समर्थन देने को लेकर विधायक बंटे हुए हैं। पार्टी महासचिव ईके पलानीस्वामी के खिलाफ विद्रोह के संकेत भी हैं। 167 सीटों पर लड़ने के बावजूद पार्टी को सिर्फ 47 सीटें ही मिल पाईं। चुनाव परिणामों के मद्देनजर पलानीस्वामी की अध्यक्षता में विधायकों की कई बैठकें हुईं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी का एक गुट टीवीके को समर्थन देने का कड़ा विरोध कर रहा है, जबकि दूसरा गुट सरकार को बाहर से समर्थन देने की वकालत कर रहा है।

टीवीके सरकार में युवा मंत्री एस कीर्तना पहले मौके पर विधायक के रूप में शपथ लेने से चूक गईं। दरअसल, जब कीर्तना शपथ लेने के लिए मंच के पास पहुंचीं, तो विधानसभा के प्रधान सचिव के श्रीनिवास ने उनसे चुनाव प्रमाण पत्र मांगा। वह प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर सकीं और उन्हें लौटना पड़ा। बाद में वह प्रमाण पत्र लेकर सदन में आईं और श्रीनिवास को सौंपकर ईश्वर के नाम पर शपथ ली। वहीं, टीवीके के एक अन्य विधायक आर कुमार ने गलती से अपने पार्टी सहयोगी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया, जिसे बाद में ठीक किया गया।

- एक दिन पहले ही विजय ने की थी कर्ज के बोझ को लेकर द्रमुक की आलोचना
- वाइको ने कहा, तमिलनाडु में स्वस्थ राजनीति को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस जोसेफ विजय (बाएं) ने राज्य के पूर्व सीएम व डीएमके के अध्यक्ष एमके स्टालिन से उनसे आवास पर भेंट की। इस अवसर पर उनके बेटे व पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि (दाएं) भी उपस्थित थे। एएनआइ

एमएलसी की बेटी के विवाह समारोह से लौट रहा था राज

प्रथम पृष्ठ से आगे

उप्र के बलिया निवासी राज सिंह को रविवार देर रात अयोध्या में नेशनल हाईवे से उस वक्त पकड़ा गया, जब वह लखनऊ में एक एमएलसी की बेटी के विवाह समारोह से लौट रहा था। लखनऊ के एएसपी संजय वर्मा ने बताया कि राज पर 2020 में दिव्यांग अंडा विक्रेता अजीत कुमार गुप्ता की हत्या समेत कई मामले दर्ज हैं। हत्या व अवैध हथियार रखने के मामलों में वह जेल भी जा चुका है। राज मूल रूप से बलिया के गढ़वार के कुरेजी गांव का रहने वाला है। पुलिस का प्राथमिक तौर पर हत्याकांड में नौ हमलावरों के शामिल होने का अनुमान है। उनका सरगना गाजीपुर का कुख्यात विनय राय बताया जा रहा है। सभी हत्या के एक दिन पहले की सुबह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से ट्रेन से धनबाद गए थे और वहां से दो कारों से कोलकाता पहुंचे थे। चंद्रनाथ की हत्या की साजिश करीब डेढ़ महीने पहले रची गई थी। हत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है। हत्याकांड में इस्तेमाल कार को घटना वाले दिन ही पुलिस ने जब्त कर लिया था।

तृणमूल में विरोध के स्वर हुए तेज, अब अभिनेत्री व पार्षद ने खोला मुंह

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- अनन्या ने कहा, जनता परिवर्तन चाहती थी इसलिए तृणमूल का हुआ बुरा हश्र

विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में विरोध के स्वर तेज होते जा रहे हैं। अब अभिनेत्री व तृणमूल पार्षद अनन्या बनर्जी ने मुंह खोला है। उन्होंने कहा कि जनता परिवर्तन चाहती थी इसलिए पार्टी का ऐसा हश्र हुआ। इस बीच, ममता के करीबी रहे अभिनेता दिगंत बागची ने आर्टिस्ट फोरम के सह कोषाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि किसी के दबाव में नहीं, बल्कि विवेक से इस्तीफा दिया है।

अभिनेत्री ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें हार का आभास हो गया था। अनन्या ने पार्टी में अपने साथ अन्याय होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह पिछले 10 साल से पार्षद हैं। उन्हें अपनी समस्याएं रखने के लिए कभी कोई मंच प्रदान नहीं किया गया। इससे पहले तृणमूल पार्षद सुब्रत बंद्योपाध्याय ने आरोप लगाया था कि पार्टी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय चुनाव नतीजे के बाद डरकर भागे पार्टी कार्यकर्ताओं को वापस लाने का प्रयास करने के बजाय घर पर बैठे हुए हैं।

अनन्या बनर्जी। इंटरनेट मीडिया

बंगाल में शांतिपूर्ण चुनाव कराने वाले सीईओ मनोज अग्रवाल बने नए मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- मुख्य सचिव रहे दुष्यंत नारियाला दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर बनाए गए

बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ बड़े प्रशासनिक बदलाव की शुरुआत हो गई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) रहे मनोज अग्रवाल को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। सोमवार को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नवान्न में शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मनोज अग्रवाल की मौजूदगी ने संकेत दे दिए थे कि उन्हें नई जिम्मेदारी मिल सकती है। बैठक के तुरंत बाद नवान्न से जारी अधिसूचना में इस फैसले की पुष्टि की गई। वर्तमान मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला को दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर के पद पर भेजा गया है। वह 1993 बैच के आइएएस अधिकारी हैं। 1990 बैच के आइएएस अधिकारी मनोज अग्रवाल का ट्रैक रिकार्ड बेहद प्रभावशाली रहा है। सीईओ के रूप में उनके नेतृत्व में हालिया विधानसभा चुनाव काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। उनकी कार्यक्षमता की प्रशंसा खुद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की थी। कई महत्वपूर्ण विभागों के सचिव रह चुके अग्रवाल के पास लंबा प्रशासनिक अनुभव है, जिसका लाभ अब नई सरकार राज्य के विकास कार्यों में लेना चाहती है।

मनोज अग्रवाल। फाइल

आज प्रोटेम स्पीकर के रूप में तापस राय लेंगे शपथ

भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक तापस राय मंगलवार को प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ लेंगे। प्रोटेम स्पीकर के रूप में राय ही इस बार नवनिर्वाचित विधायकों को विधानसभा में शपथ दिलाएंगे। 2024 के लोस चुनाव से पहले तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले तापस राय बंगाल की 18वीं विधानसभा में वरिष्ठ व अनुभवी विधायकों में से एक हैं।

युवाओं को तोहफा, कर्मियों को डीए की उम्मीद

प्रथम पृष्ठ से आगे

सरकार ने सरकारी नौकरियों की ऊपरी आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने तर्क दिया कि 2015 के बाद से राज्य में नियुक्तियां ठप थीं, जिससे कई मेधावी युवा उम्र सीमा पार कर गए। राज्य कर्मचारियों के बहुप्रतीक्षित डीए व सातवें वेतन आयोग पर संकेत दिया कि अगली कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला संभव है।

सत्ता परिवर्तन के साथ ही 'लक्ष्मी भंडार' समेत अन्य सामाजिक योजनाओं के बंद होने की अटकलों पर विराम लगाते हुए सुवेंदु ने कहा, कोई भी सामाजिक योजना बंद नहीं होगी। सरकार 'अपनत्व' की भावना से चलेगी, हालांकि उन्होंने एक बड़ा 'फिल्टर' भी लगा दिया है। कहा, मृत व्यक्तियों और घुसपैठियों के नाम पोर्टल से हटाए जाएंगे और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाएगी।

केंद्रीय योजनाओं का खुला द्वार : अब तक केंद्र-राज्य के टकराव के कारण बंगाल आयुष्मान भारत जैसी कई केंद्रीय योजनाओं से महरूम था। मुख्यमंत्री ने पहली बैठक में ही 'आयुष्मान भारत' को लागू करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' और 'विश्वकर्मा योजना' जैसी तमाम केंद्रीय योजनाओं को युद्धस्तर पर लागू करने का निर्देश दिया है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में ही आयुष्मान भारत योजना लागू होगी। लोगों को पांच लाख रुपये तक का बंगाल में ही नहीं, देश के अन्य राज्यों के अस्पतालों में भी मुफ्त उपचार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगली कैबिनेट बैठक अगले सोमवार को होगी। इसमें आरजी कर मेडिकल कालेज की घटना सहित महिला सुरक्षा, संस्थागत भ्रष्टाचार और राज्य कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित महंगाई भत्ते (डीए) व सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

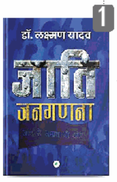

1 जाति जनगणना

लेखक: डा. लक्ष्मण यादव

प्रकाशक: अनबाउंड स्क्रिप्ट

इस किताब का बड़ा हिस्सा देश में जाति जनगणना के इर्द-गिर्द खड़े आंदोलनों और विचारधाराओं पर केंद्रित है। यह उन तमाम सवालों के जवाब देती है, जिनको लेकर या तो भ्रम की स्थिति है या अज्ञानता की।

2 मिथकों से विज्ञान तक...

लेखक: गौहर रजा

प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस

यह किताब ब्रह्मांड और जीवन के विकास की बदलती कहानी को उदाहरण के साथ दर्शाती है। इसमें कैसे से शुरू होने वाले सवाल विज्ञान की तरफ और क्यों से शुरू होने वाले अध्यात्म की तरफ ले जाते हैं।

3 महाराणा: सहस्त्र वर्षों...

लेखक: ओमेंद्र रत्नू

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

एक सहस्र वर्ष तक अरावली की पहाड़ियों में यायावरों सा जीवन जीने वाले मेवाड़ के वीर योद्धाओं के कारण ही भारत में आज केसरिया लहराता है। यह नई मान्यताओं को स्थापित करती है।

4 प्रोफेसर की डायरी

लेखक: डा. लक्ष्मण यादव

प्रकाशक: अनबाउंड स्क्रिप्ट

यह किताब डायरी, नोट्स और टिप्पणियों की शैली में अपने समय की पड़ताल करती है। इसमें समाज व राजनीति की बड़ी घटनाएं हैं तो उनके बीच बनते एक प्रबुद्ध नौजवान की कहानी भी है।

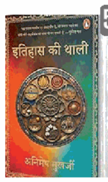

5 इतिहास की थाली

लेखक: अनिमेष मुखर्जी

प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस

रोटियों से क्रांति करने और नमक से सत्ता गिराने वाले देश में इतिहास की थाली तमाम घटनाओं के साथ-साथ, बिरयानी से लेकर वर्ष 1947 के बंटवारे तक को एक नई नजर से देखने की क्षमता देती है।

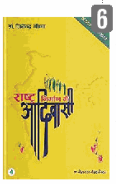

6 राष्ट्र निर्माण में आदिवासी

लेखक: डा. जितेंद्र मीणा

प्रकाशक: अनबाउंड स्क्रिप्ट

यह पुस्तक न केवल पाठकों को एक भुला दिए गए इतिहास से जोड़ती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि आदिवासी भारत के निर्माण में किस प्रकार से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

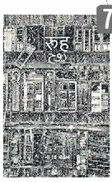

7 रूह

लेखक: मानव कौल

प्रकाशक: हिंद युग्म

कश्मीर के पथरीले और टेढ़े-मेढ़े रास्तों पर चलते हुए जीवन के नवांकुर देखने के बाद बचपन की यादों को बहुत ही मर्मस्पर्शी ढंग से समेटते हुए लेखक ने आज और कल की तुलना बेहतर तरीके से की है।

8 काशी: सत्य, ज्ञान...

लेखक: पी. नवीन कुमार

प्रकाशक: राजमंगल प्रकाशन

रील्स और वीडियो के इस जमाने में यह पुस्तक युवा पीढ़ी को काशी की आध्यात्मिक विरासत से बहुत अच्छी तरह परिचित कराती है। इसमें वहां की पुरानी गलियों और घाटों का विस्तृत विवरण भी है।

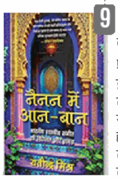

9 नैनन में आन-बान...

लेखक: यतीन्द्र मिश्र

प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस

इस किताब में परंपरा और नवाचार के मध्य उस महीन फांक को सहेजने का जतन किया गया है, जो हमारी पारंपरिक प्रदर्शनकारी कलाओं और भारतीय परंपरा के बीच एक सेतु का निर्माण करती है।

10 ठाकुरबाड़ी...

लेखक: अनिमेष मुखर्जी

प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस

यह कथा और इतिहास के बीच खूबसूरत शिल्प में गढ़ी अद्वितीय और रोचक पुस्तक है। इसमें गुरुदेव के परिवार के वृत्तांत के साथ-साथ तत्कालीन इतिहास भी अच्छी तरह से प्रस्तुत किया गया है।

विस्तारित सूची

कल पढ़िए अनुवाद श्रेणी की सूची

11 आक्रांता क्रूरता और षड्यंत्र

लेखक: रघु हरि डालमिया

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

12 कतरनें

लेखक: मानव कौल

प्रकाशक: हिंद युग्म

13 बीसवीं सदी के तानाशाह

लेखक: अशोक कुमार पांडेय

प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

14 जितनी मिट्टी उतना सोना

लेखक: अशोक पाण्डे

प्रकाशक: हिंद युग्म

15 रा सीक्रेट एजेंट

लेखक: हर्षा शर्मा

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

16 बेगमपुल से दरियागंज

लेखक: यशवंत व्यास

प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस

17 जादूनामा: जावेद अख्तर

लेखक: अरविंद मंडलोई

प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

18 लोग जो मुझमें रह गए

लेखक: अनुराधा बेनीवाल

प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

19 सुपरकाप अजीत डोभाल

लेखक: महेश दत्त शर्मा

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

20 आर एंड एडब्लू के फाउंडर...

लेखक: विपुल कुमार

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : मोदी

शत्रुघ्न शर्मा • जागरण

गीर सोमनाथ : सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक अमृत महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महापूजा, जलाभिषेक के बाद मंदिर के शिखर कलश का 11 तीर्थों के जल से अभिषेक किया। उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का नाम लेते हुए कहा कि आजादी के बाद की सरकारों ने देश के स्वाभिमान से जुड़े प्रतीकों की उपेक्षा की। सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी इससे अछूता नहीं रहा था। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया की कोई भी शक्ति भारत को झुकने या दबाव के आगे घुटने टेकने पर मजबूर नहीं कर सकती।

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को आयोजित अमृत पर्व समारोह में प्रधानमंत्री मोदी शामिल हुए। "हर हर महादेव" के नारे के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि महमूद गजनवी, मुहम्मद तुगलक, अलाउद्दीन खिलजी जैसे आक्रांताओं ने देश के स्वाभिमान के प्रतीकों पर हमला किया। वे भूल गए कि ये हमारी आस्था के दिव्य केंद्र हैं। दुनिया ने अपने राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक चिह्नों को संजोया। लेकिन, भारत में आजादी के बाद राजनीतिक कारणों से इनकी उपेक्षा की गई। सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी इससे अछूता नहीं रहा। हालांकि, प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद एवं उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयास से आज से 75 वर्ष पहले इसका पुनर्निर्माण कराया गया। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से सदियों प्राचीन कलंक मिटा। मोदी ने कहा कि उन्हें सभी तीर्थों के पुनरोद्धार का मौका मिला है, यह उनका सौभाग्य है। देश के स्वाभिमान के प्रतीकों की उपेक्षा करने वाली शक्तियां आज भी मौजूद हैं। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ तो उसका भी विरोध किया गया।

11 मई को राजस्थान के पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षण को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तब भी दुनिया की ताकतें भारत का विरोध करती रहीं। आर्थिक संकट उत्पन्न कर सभी रास्ते बंद करने का प्रयास किया गया। लेकिन, भारत की अगुआई अटल बिहारी वाजपेयी के हाथ में थी। हमें कोई झुका नहीं सका।

प्रधानमंत्री इससे पहले सोमनाथ स्थित वायु सेना के हेलीपैड पर उतरे तथा रोड शो करते हुए मंदिर परिसर तक पहुंचे। यहां पहुंचकर सबसे पहले प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। आजादी के बाद सरदार पटेल के प्रयासों से ही सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हो पाया था। मंदिर पर पहली बार हुए हमले की एक सहस्राब्दि पूरी हो चुकी है। मोदी की उपस्थिति में मंदिर के शिखर कलश का 11 तीर्थों के जल से अभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने 90 मीटर ऊंची क्रेन से बंधे कलश को रिमोट से संचालित कर शिखर कलश का अभिषेक किया। इससे पहले मोदी ने सोमनाथ महादेव की महापूजा की तथा जलाभिषेक किया। समारोह के दौरान वायु सेना की सूर्यकिरण टीम ने 6 हाकएमएके-132 विमान से एयर शो किया। आकाश में तिरंगा व मंदिर के ऊपर दिल का आकार बनाते हुए पायलटों ने यहां मौजूद लोगों का दिल जीत लिया।

गुजरात के वेरावल में सोमवार को सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

- सोमनाथ मंदिर के अमृत महोत्सव में 11 तीर्थों के जल से शिखर कलश का किया अभिषेक
- कहा-राजनीतिक कारणों से सोमनाथ के जीर्णोद्धार में आई बाधा, राम मंदिर निर्माण का भी हुआ विरोध

> महादेव की यह दिव्य उपस्थिति, यह सुंदरता, धरती और आकाश से फूलों की वर्षा, केसरिया झंडों की चमक, कला, संगीत और नृत्य की भव्य प्रस्तुतियां, वैदिक मंत्रों का उच्चारण, गर्भगृह में शिव पंचाक्षरी का निरंतर पाठ और इन सबके साथ समुद्र की लहरों की गर्जना...ऐसा लगता है मानो पूरी सृष्टि एक साथ बोल रही हो-जय सोमनाथ! जय-जय सोमनाथ! **-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

प्रधानमंत्री मोदी को सरदार गौरव रत्न अवार्ड

गुजरात की 11 पाटीदार संस्थाओं की ओर से वडोदरा स्थित सरदार धाम पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सरदार गौरव रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल की 50 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया तथा सरदार धाम संकुल-3 का लोकार्पण किया। अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि बंगाल, असम व पुडुचेरी के नतीजों ने पूरे देश में उत्साह का माहौल बना दिया है। आप सबने भी पालिका व पंचायत चुनाव में शानदार परिणाम देकर एक इतिहास बनाया है। गुजरात के लोगों ने हमेशा राजनीतिक स्थिरता को चुना है, यह उनकी दूरदर्शिता है।

भव्य रोड शो के साथ गुजरात का दौरा समाप्त

प्रेट्र के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार रात गुजरात के वडोदरा जिले में रोड शो किया, जिसके साथ राज्य का उनका दो दिवसीय दौरा समाप्त हो गया। गाड़ा सर्कल से हवाई अड्डे तक लगभग 1.5 किलोमीटर लंबे रोड शो में प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए भारी संख्या में लोग जमा हुए। रोड शो के दोनों ओर लोगों ने तिरंगा, आपरेशन सिंदूर और भाजपा के चुनाव चिह्न कमल से संबंधित बैनर लहराए और 'मोदी मोदी' तथा 'जय श्री राम' के नारे लगाए।

नगरपालिका भर्ती घोटाले में पूर्व मंत्री व तृणमूल नेता सुजीत बोस गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : नगरपालिका भर्ती घोटाले में ईडी ने बंगाल के पूर्व अग्निशमन मंत्री व तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुजीत बोस को सोमवार को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उन्हें मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

सुजीत बोस को सुबह पूछताछ के लिए ईडी के साल्टलेक के सीजीओ कांप्लेक्स स्थित कार्यालय में तलब किया गया था। सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान उनकी बातों में विसंगतियां पाए जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। सुजीत पर पैसे लेकर दक्षिण दमदम नगरपालिका में नियुक्तियां कराने का आरोप है। उन्हें गत विधानसभा चुनाव के दौरान ईडी ने कई बार तलब किया था, हालांकि चुनाव प्रचार में व्यस्त होने का हवाला देकर वे हाजिर नहीं हुए थे। मतदान संपन्न होने के बाद वे गत एक मई को ईडी कार्यालय गए थे। उन्हें सोमवार को फिर तलब किया गया था। वे अपने पुत्र के साथ सुबह करीब 10 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे थे। उनसे करीब 10 घंटे पूछताछ हुई। सूत्रों ने बताया कि ईडी को सुजीत के बैंक खातों में काफी आर्थिक अनियमितताएं मिली हैं। पूछताछ में वे इसे लेकर कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए।

संस्थानों के नियमन की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'केंद्र से संपर्क करें'

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को शिक्षा या धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले सभी संस्थानों के नियमन की मांग संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को केंद्र से संपर्क करने के लिए कहा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिकाकर्ता वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय को भारत सरकार के समक्ष एक अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा।

पीठ ने कहा, ''हम इस याचिका का निपटारा करते हुए प्रतिवादी संख्या एक (केंद्र) को निर्देश देते हैं कि वह याचिकाकर्ता के चार फरवरी, 2026 के अभ्यावेदन पर विचार करे और उस पर उचित निर्णय ले। लिया गया निर्णय याचिकाकर्ता को सूचित किया जाएगा।'' जब उपाध्याय ने अपनी दलील पर जोर देना जारी रखा, तो पीठ ने कहा, ''आप एक ऐसी पीठ के समक्ष हैं जिसमें बहुत रूढ़िवादी और पारंपरिक न्यायाधीश हैं। हम जल्दबाजी नहीं करते।''

पीठ ने आगे कहा, ''न्याय एकतरफा नहीं होता। इसमें कार्यपालिका की भी भूमिका होती है।'' उपाध्याय द्वारा दायर इस याचिका का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि देश का कोई भी बच्चा असुरक्षित या अनियंत्रित शैक्षिक माहौल में न रहे। देश भर में कुकुरमुत्ते की तरह उग आए अनियंत्रित संस्थानों की जवाबदेही तय की जाए।

याचिका में कहा गया था कि बच्चे राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ होते हैं। अपनी नादान उम्र के कारण वे आसानी से बहकावे में आ सकते हैं। सीमावर्ती इलाकों में बिना किसी पंजीकरण और निगरानी के कई संस्थान चल रहे हैं, जहां बच्चों के 'ब्रेनवाश' होने का खतरा है। इसे केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बताया गया है। राज्य की यह महती जिम्मेदारी है कि वह हर उस संस्थान की निगरानी करे जहां 14 वर्ष तक के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है।

- वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था सुप्रीम कोर्ट
- 14 साल से कम आयु के बच्चों को धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों के नियमन की मांग की गई थी

हवाई अड्डा संचालक तीन वर्ष तक रखेंगे सुरक्षा जांच क्षेत्र व रनवे की तस्वीरों का रिकार्ड

नई दिल्ली, प्रेट्र : विमानन नियामक संस्था डीजीसीए ने कहा है कि हवाई अड्डे के संचालकों को अब सुरक्षा जांच क्षेत्र के साथ-साथ रनवे पर ली गई तस्वीरों का रिकार्ड तीन साल तक रखना अनिवार्य है।

हवाईअड्डे संचालकों को भेजे गए एक परिपत्र में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर निरीक्षण के लिए ये रिकार्ड प्रस्तुत करने होंगे।

विमान नियम, 1937 के नियम 13 के तहत, हवाईअड्डे संचालकों को कुछ शर्तों के अधीन संबंधित हवाईअड्डे के सुरक्षा क्षेत्र और रनवे पर तस्वीरें लेने की अनुमति है।

अन्य आवश्यकताओं के अलावा, तस्वीर लेने वाले व्यक्ति के पास पहचान पत्र और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के निर्देशों के अनुसार जारी प्रवेश परमिट होना चाहिए। संबंधित व्यक्ति को हवाई अड्डे में प्रवेश करते समय यात्रियों पर लागू होने वाली सभी सुरक्षा जांचों से गुजरना होगा। यात्रियों को सुरक्षा क्षेत्र और रनवे पर तस्वीरें खींचने की अनुमति नहीं है। सूत्रों ने बताया कि अब डीजीसीए ने हवाईअड्डे संचालकों को आवश्यकता पड़ने पर निरीक्षण के उद्देश्य से ऐसी तस्वीरों का रिकार्ड तीन साल तक रखने को कहा है।

31 चुनाव क्षेत्रों के संबंध में नई याचिकाएं दाखिल कर सकती हैं ममता

नई दिल्ली, प्रेट्र : बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य उम्मीदवारों को उन 31 निर्वाचन क्षेत्रों के संबंध में नई याचिकाएं दायर करने की अनुमति दे दी है, जहां हार का अंतर एसआइआर के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। ममता और उनकी पार्टी का आरोप है कि एसआइआर के नाम पर मतदाता सूची से हटाए गए 90.8 लाख नामों ने चुनाव की दिशा बदल दी।।

तृणमूल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी ने कोर्ट में एक चौंकाने वाला उदाहरण पेश किया। उन्होंने बताया कि उनका एक उम्मीदवार महज 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया के दौरान 5,550 मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए थे। बनर्जी का दावा है कि राज्य की कम से कम 31 सीटों पर यही स्थिति रही, जहां हटाए गए वोटों की संख्या हार-जीत के मार्जिन से कहीं ज्यादा थी।

- यहां हार का अंतर मतदाता सूची से हटाए गए वोटों की संख्या से कम था, ममता का आरोप- हटाए गए 90.8 लाख नामों ने चुनाव की दिशा बदल दी

ममता बनर्जी। फाइल

न्यायिक अधिकारियों के घेराव की जांच दो महीने में पूरा करे एनआइए

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एनआइए को बंगाल के मालदा जिले में एक अप्रैल को हुई हिंसा की जांच दो महीने के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया। हिंसा के दौरान भीड़ ने सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाकर रखा था।

पीठ ने कहा कि एनआइए को जांच पूरी करने के बाद सक्षम क्षेत्राधिकारी वाले कोर्ट के समक्ष अपनी रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए।

एनआइए की तरफ से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वह एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेंगे। पीठ ने कहा, "हालांकि, हमारा मानना है कि एनआइए को जांच जल्द से जल्द पूरी करनी चाहिए, अधिक से अधिक दो महीने के अंदर।" पीठ ने कहा, "आप अपनी चार्जशीट दाखिल करें। कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्यवाही आगे बढ़ेगी।"

इससे पहले गत 24 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने एनआइए को मामले की जांच पूरी हो जाने पर चार्जशीट दाखिल करने की अनुमति दी थी। बता दें कि बंगाल, ओडिशा और झारखंड के लगभग 700 न्यायिक अधिकारियों को एसआइआर प्रक्रिया में मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की 60 लाख से अधिक आपत्तियों को निपटाने के लिए तैनात किया गया था।

- सुप्रीम कोर्ट ने मालदा हिंसा मामले में दिया है यह निर्देश
- सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे बनाया गया था बंधक

अर्थव्यवस्था का भी केंद्र सोमनाथ

वी के शुक्ला • जागरण

गिर सोमनाथ: गुजरात के पश्चिमी तट पर स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ का मंदिर न केवल आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है, बल्कि यह गिर सोमनाथ जिले की पूरी अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ भी बन रहा है। मंदिर के कारण अब इस पूरे क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि तेजी से बढ़ रही है। हाल के वर्षों में मंदिर परिसर के बुनियादी ढांचे में हुए व्यापक बदलाव और केंद्र व राज्य सरकार की पहल ने स्थानीय व्यापार और रोजगार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोमनाथ को अंतरराष्ट्रीय स्तर का धार्मिक पर्यटन स्थल विकसित करने की योजना है। इसे देखते हुए यह स्थान तेजी के साथ विकसित हो रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में ही यहां पर होटल और रेस्तरां की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को फिर इस मंदिर को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इससे स्पष्ट है कि आने वाले समय में यहां के धार्मिक पर्यटन कारोबार को और बढ़ावा मिलेगा।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोमनाथ मंदिर में सालाना लगभग 97.93 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। पर्यटकों की इस भारी संख्या से स्थानीय पर्यटन उद्योग में उछाल आया है। अब मंदिर ट्रस्ट को दान और चढ़ावे के माध्यम से सालाना 100 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिल रहा है। इसे मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर पुनः जनकल्याण और सुविधाओं के विकास में निवेश किया जा रहा है। क्षेत्र में होटलों, गेस्ट हाउसों और परिवहन सेवाओं (टैक्सी, रिक्शा) की मांग में 24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। अरब सागर के तट पर बने सोमनाथ में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से स्थानीय बाजारों में बिक्री बढ़ी है।

- पिछले पांच साल में यहां बढ़ गए हैं 180 होटल, स्थानीय लोगों के लिए बढ़ रहे रोजगार के अवसर

विश्वनाथ धाम : पुजारियों की सेवा नियमावली लागू, पर वेतन वृद्धि में अनुबंध का पेच

प्रमोद यादव • जागरण

वाराणसी: नाथों के नाथ बाबा विश्वनाथ की सेवा में लगे पुजारियों को सम्मानजनक वेतन, भत्ता व अन्य सेवा-सुविधा के लिए अभी इंतजार करना होगा। कारण यह कि श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने चार दशक के इंतजार के बाद सेवा नियमावली भले लागू कर दी हो, लेकिन इसके अनुपालन की गति बेहद धीमी है। कार्यरत अर्चकों को नियमित करने के लिए अब तक सिर्फ कमेटी का गठन किया जा सका है। इसकी बैठक कब होगी, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। कारण यह कि अनुबंध की शर्तों को लेकर अर्चक सहमत नहीं नजर आ रहे हैं। अब सरकार-नियंत्रित देवालयों में सेवादारों व कर्मचारियों के वेतन की समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मंदिरों के पुजारियों की 'अनदेखी' पर न्याय की गुहार और इसमें श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर का उदाहरण दिए जाने से एक बार यह मुद्दा चर्चा में आ गया है।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में गर्भगृह समेत अन्य विग्रहों के राग-भोग और दर्शन-पूजन आदि सुव्यवस्थित रखने की दृष्टि से प्रदेश शासन ने 1983 में मंदिर का अधिग्रहण किया था। इसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि अर्चकों की सेवा बेहतर होगी, लेकिन चार दशक में भी सेवा नियमावली न बनने से नियुक्ति, वेतनमान व सेवा निवृत्ति पर मिलने वाली राशि पर सवाल उठते रहे। इसे दूर करने के प्रयास तो कई बार हुए, लेकिन हर बार कवायद कार्यवृत्त की फाइलों में दबती रही।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर का परिसर नव्य-भव्य होने के बाद 22 मार्च 2022 को हुई पहली ही (102वीं) बैठक में सेवा नियमावली का प्रारूप बनाने के लिए 16 सदस्यीय समिति गठित कर दी गई। इसमें न्यास सदस्यों के साथ वित्त एवं लेखा विभाग के अधिकारी शामिल किए गए। अध्यक्षता कर रहे न्यास अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय ने रिपोर्ट एक माह में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके बाद भी इसमें दो साल लग गए। नौ फरवरी 2024 को न्यास की 105वीं बैठक में सेवा नियमावली पर चर्चा हो पाई।

- अर्चकों को नियमित के लिए अब तक सिर्फ छह सदस्यीय कमेटी बनाई जा सकी

तरनतारन, बटाला व जीरकपुर में भाजपा कार्यालयों पर हमला, तोड़फोड़

जागरण संवाददाता, तरनतारन

पंजाब में तरतारन, बटाला और जीरकपुर में सोमवार को भाजपा के जिला कार्यालयों पर हमला किया गया। तरनतारन में हमलावरों ने कार्यालय में मौजूद जिला महासचिव शिव सोनी व सुरजीत सिंह सागर के साथ मारपीट कर तोड़फोड़ भी की। शिव सोनी ने दावा किया कि भागते समय आरोपितों ने करीब चार राउंड फायरिंग भी की। मौके पर पहुंचे एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने कहा कि भाजपा कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को कब्जे में लेकर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

तरनतारन के भाजपा कार्यालय में सोमवार को 3.58 बजे करीब 14 लोग दाखिल हो गए। तीन ने अपने चेहरे कपड़े से ढंके रखे थे। हमलावरों के पास ईंटें, लाठी, सरिया व पिस्टल था। आरोपितों ने शिव सोनी व सुरजीत पर पहले स्याही फेंकी और फिर भाजपा मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए कार्यालय में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान भाजपा नेताओं ने एक हमलावर को दबोच कर कमरे में बंद कर दिया, लेकिन आरोपित उसे छुड़ा ले गए।

बटाला में भाजपा कार्यालय पर दो गाड़ियों में आए करीब 20 अज्ञात हमलावरों ने तोड़फोड़ की। भाजपा कार्यकर्ता संदीप गुप्ता ने बताया कि हमलावरों ने मेरे ऊपर स्याही भी फेंकी। एक हमलावर को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह फरार हो गया। वहीं, जीरकपुर में भी भाजपा कार्यालय पर सोमवार शाम को हमला किया गया। कार्यालय में घुसे पांच नकाबपोश युवकों ने वहां लगे पोस्टरों, बैनरों तथा नेताओं की तस्वीरों पर स्याही और पेंट फेंककर हंगामा किया।

- तरनतारन में आरोपितों द्वारा चार राउंड फायरिंग करने का भी आरोप
- बटाला में दो गाड़ियों में आए करीब 20 अज्ञात हमलावरों ने तोड़फोड़ की

6 की मौत हो गई है हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में रविवार रात को आंधी व वर्षा के बीच एक कार के खाई में गिरने से। दुर्घटनास्थल पर न क्रैश बैरियर थे और न ही पैरापिट। प्रारंभिक जांच में भारी वर्षा और सड़क पर फिसलन हादसे का मुख्य कारण लग रहे हैं।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार, 12 मई, 2026

विकास परियोजनाओं में अड़ंगा डालने वाली याचिकाओं से सुप्रीम कोर्ट नाखुश

कहा, किसी परियोजना का पर्यावरणविदों ने स्वागत नहीं किया, कैसे होगा देश का विकास

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने विकास परियोजनाओं में अड़ंगा लगाने वाली याचिकाओं पर सवाल उठाया है। कहा कि अगर इसी तरह से परियोजनाओं के विरुद्ध न्यायालयों में याचिकाएं दायर होती रहीं तो तो देश की तरक्की कैसे होगी, वह आगे कैसे बढ़ेगा। पीठ ने पूछा, देश की किसी एक परियोजना का नाम बताएं जिसका तथाकथित पर्यावरणविदों ने स्वागत किया हो।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह टिप्पणी नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) पश्चिमी क्षेत्र की पीठ के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए की। मामले में एनजीटी ने गुजरात के पीपावा बंदरगाह के विकास और आधुनिकीकरण को अनुमति दिए जाने के विरुद्ध दायर याचिका को अस्वीकार कर दिया है। एनजीटी के समक्ष पेश याचिका में बंदरगाह के विकास से क्षेत्रीय पर्यावरण पर खतरा बढ़ने की आशंका जताई गई थी। एनजीटी के फैसले के विरोध में पर्यावरणविदों ने सुप्रीम कोर्ट आकर आदेश रद किए जाने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इस तरह की याचिकाओं का उद्देश्य विकास को रोकना होता है। यह बड़ी समस्या है। पूछा, ऐसे में देश तरक्की कैसे करेगा। लेकिन पीठ ने स्पष्ट किया कि उसे पर्यावरण से जुड़ी दिक्कतों की भी पर्याप्त चिंता है और जिन भी चीजों से पर्यावरण को नुकसान हो रहा होगा उनकी रोकथाम के लिए पूरी कोशिश की जाएगी।

शीर्ष न्यायालय ने कहा, देश में विकास जरूरी है। बेहतर होता कि पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सकारात्मक सुझावों के साथ न्यायालय में आते और परियोजना से जुड़े खतरों को कम या खत्म करने के लिए उन्हें देते। ऐसे में विकास कार्य भी जारी रहते और पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती।

हिंदू विवाह अधिनियम के खिलाफ दायर याचिका खारिज

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जनहित याचिका के जरिए व्यक्तिगत दुश्मनी न निकालें
- पूछा, क्या आपको लगता है कि आप पूरे पुरुष समाज का नेतृत्व करते हैं

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिंदू विवाह अधिनियम के एक प्रविधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। यह प्रविधान पति के खिलाफ भरण-पोषण आदेश के बाद एक साल या उससे ज्यादा समय तक साथ रहना फिर से शुरू न होने पर सिर्फ पत्नी को तलाक मांगने का अधिकार देता है।

पीठ ने याची से कहा कि वे जनहित याचिका के जरिए व्यक्तिगत दुश्मनी न निकालें। सीजेआइ ने जनहित याचिका पर सुनवाई करने से मना करते हुए कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप सिर्फ रखरखाव कार्यवाही करने के लिए कानून की पढ़ाई नहीं कर रहे हैं।" पीठ कानून के छात्र जितेंद्र सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो खुद पेश हुए और हिंदू विहार अधिनियम के तहत तलाक प्रविधान की 'जेंडर न्यूट्रल' व्याख्या की मांग की। हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 का धारा 13(2)(iii), सिर्फ पत्नी को तलाक मांगने का अधिकार देता है। सीजेआइ सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि इस प्रविधान से वह निजी तौर पर कैसे प्रभावित हुआ है। आप पर क्या असर हुआ है, क्या आपको लगता है कि आप पूरे पुरुष समाज का नेतृत्व करते हैं। याची ने कहा कि वह पिछले सात-आठ साल से शादी के मुकदमों में शामिल रहा है। पीठ ने कहा कि आप इस जनहित याचिका के जरिए निजी बदला लेना चाहते हैं।

सीजेआइ ने पूछा,'मैं चाहता था कि आप यह बात स्वीकार करें। हम आप पर ऐसी सजा क्यों न लगाएं जो सजा के लायक हो।'जस्टिस बागची ने कहा कि विधान मंडल महिलाओं और बच्चों के लिए स्पेशल प्रविधान बनाने के लिए सक्षम है और संविधान के तहत ऐसा करने के लिए उसे अधिकार है।

नीट-यूजी में 140 प्रश्नों का सैंपल पेपर से हूबहू मिलने से उठा सवाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एजेंसियों का दावा, प्रश्नों में अधिकांश केमेस्ट्री और बायोलाजी के थे
- पकड़े गए सैंपल पेपर परीक्षा से महीने भर पहले छात्रों तक पहुंचने का दावा

मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी के पेपर लीक होने के आरोपों से भले एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) इन्कार कर रही है, लेकिन पूछे गए 200 प्रश्नों में से 140 प्रश्नों का तथाकथित पकड़े गए सैंपल पेपर से हूबहू मिलना उसके दावे पर सवाल खड़ा कर रहा है। खास बात है कि एक जैसे मिलने वाले इन 140 प्रश्नों में से अधिकांश प्रश्न केमेस्ट्री और बायोलाजी के थे। नीट-यूजी के छात्र केमेस्ट्री के पेपर को सबसे कठिन मानते हैं। एनटीए ने आठ मई को ही मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने का दावा किया है। हालांकि, राजस्थान पुलिस के स्पेशल आपरेशन ग्रुप के एडीजी ने मंगलवार को इसे लेकर स्थिति स्पष्ट की। कहा कि पकड़ा गया प्रश्नपत्र एक सैंपल पेपर या गेस पेपर ही है। इसमें कुल 410 प्रश्न और उनके जवाब दिए गए हैं। पकड़ा गया गेस पेपर परीक्षा के करीब महीने भर पहले से ही छात्रों के बीच सर्कुलेट हो रहा था। यह गेस पेपर केरल से लेकर राजस्थान और उत्तराखंड तक पहुंचने की जानकारी मिली है। दावा यह भी है कि इस गेस पेपर को कुछ इस तरह से तैयार किया गया था कि छात्र को 720 अंकों की परीक्षा में आसानी से 600 अंक मिल जाएं। नीट-यूजी में छात्रों को 600 अंक लाने पर एमबीबीएस में दाखिला मिल जाता है। इस परीक्षा में वैसे तो 200 प्रश्न पूछे जाते हैं, लेकिन इनमें 180 प्रश्न ही हल करने होते हैं। बाकी 20 प्रश्न वैकल्पिक होते हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसियां भी सक्रिय हुईं : राजस्थान पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसियां भी सक्रिय हुई हैं। इसे लेकर एजेंसियों ने सभी राज्यों से सहयोग मांगा है। गौरतलब है कि एनटीए ने रविवार को ही एक परामर्श जारी कर छात्रों से किसी तरह के अफवाह से सतर्क रहने को कहा था। साथ ही कहा था कि वह जांच में पूरा सहयोग दे रही है।

केरल से फैलाया गया

राजस्थान पुलिस के स्पेशल आपरेशन ग्रुप की मानें तो पकड़ा गया सैंपल पेपर केरल से राजस्थान और फिर उत्तराखंड तक पहुंचा है। सवाल यह है कि किसी परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों में से कैसे 140 प्रश्न किसी सैंपल पेपर में हूबहू पाए जा सकते हैं। ऐसे में आशंका यह है कि नीट-यूजी के लिए जहां से पेपर तैयार कराया गया था, वहीं से इन सवालों को लीक किया गया।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने कहा-हर जघन्य अपराध में फांसी जरूरी नहीं

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर : छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के एक मामले में साफ किया है कि हर जघन्य अपराध में फांसी की सजा देना जरूरी नहीं होता। अदालत ने सक्ती जिले के मामले में दोषी युवक की फांसी की सजा को बदलकर प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि मृत्युदंड केवल दुर्लभतम से दुर्लभ मामलों में ही दिया जाना चाहिए। अदालत ने माना कि अपराध बेहद गंभीर और संवेदनशील है, लेकिन केवल अपराध की क्रूरता के आधार पर किसी को फांसी नहीं दी जा सकती। सजा तय करते समय यह देखना भी जरूरी है कि आरोपित के सुधार और पुनर्वास की संभावना पूरी तरह खत्म हुई है या नहीं।

कोर्ट ने कहा कि रिकार्ड में ऐसा कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि दोषी भविष्य में समाज के लिए लगातार खतरा बना रहेगा या उसके सुधरने की संभावना समाप्त हो चुकी है। इसी आधार पर विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा को संशोधित किया गया। मामला अगस्त 2022 का है। बेमेतरा जिले में पदस्थ महिला कर्मचारी छुट्टी पर गांव आई थी। रास्ते में परिचित युवक उसे बहाने से जंगल ले गया, जहां दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी।

बारामुला में सैन्य अभियान के दौरान खाई में गिरा सैन्यकर्मी बलिदान

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर : उत्तरी कश्मीर के रफियाबाद (बारामुला) में रविवार की रात आतंकरोधी अभियान के दौरान सैन्याधिकारी बलिदानी हो गया। जानकारी के अनुसार, रफियाबाद के ऊपरी भाग में स्थित मरकूट हमाम जंगल में रविवार शाम को आतंकियों को देखे जाने की सूचना पर सेना 32 आरआर के जवानों ने तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों का दल जब रात को पहाड़ी पर आगे बढ़ रहा था तो नायब सूबेदार हीरा बहादुर पांडे का पांव फिसल गया और वह गहरी खाई में जा गिरे। अन्य जवानों ने उसी समय बचाव कार्य शुरू किया और नायब सूबेदार को खाई से बाहर निकाला। उनका शरीर खून से लथपथ था। उन्हें उसी समय निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

'स्वयंसेवकों के त्याग, संघर्ष और बलिदान के बूते यहां तक पहुंचा संघ'

जागरण संवाददाता, रांची

- नागपुर में 25 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ, सह सरकार्यवाह अतुल लिमये ने कहा, कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय का सहभागी होना सौभाग्य की बात

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अतुल लिमये ने कहा कि हमारा जन्म भारत में हुआ, संघ के संपर्क में आकर स्वयंसेवक बने और अभी संघ शताब्दी वर्ष में कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय में सहभागी बना, यह हमारा सौभाग्य है। संघ की शताब्दी की यात्रा में उपहास, उपेक्षा, विरोध का सामना करना पड़ा। तीन बार प्रतिबंध का भी सामना करना पड़ा। स्वयंसेवकों के त्याग, संघर्ष और प्रसंगानुरूप बलिदान के कारण यह यात्रा संभव हुई है।

लिमये सोमवार को नागपुर के रेशिमबाग स्थित डा. हेडगेवार स्मृति भवन परिसर के महर्षि व्यास सभागार में कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय के 25 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के उदघाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सामान्य दिखने वाले स्वयंसेवकों के असामान्य कर्तव्य ने संघ को बनाया। प्रशिक्षण वर्ग में देश के 46 प्रांतों से 880 शिक्षार्थी भाग ले रहे हैं।

अतुल लिमये ने कहा कि 1927 से संघ शिक्षा वर्ग की शुरुआत हुई। समय के अनुसार वर्गों की पद्धति में परिवर्तन आया, लेकिन मूल उद्देश्य और लक्ष्य वही है। भारत हिंदू राष्ट्र है और इसे परम वैभवशाली राष्ट्र बनाने हेतु संपूर्ण समाज को संगठित करना संघ का लक्ष्य है। इसके साथ ही व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण वर्ग के उद्देश्य के पीछे भी ये तीन मूलभूत बातें निहित हैं।

जेजेएम घोटाले में महेश जोशी का सहयोगी दिल्ली से गिरफ्तार

जासं, जयपुर : राजस्थान में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुए 960 करोड़ रुपये के जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाला मामले में राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार देर रात दिल्ली एयरपोर्ट से तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी के सहयोगी संजय बड़ाया को गिरफ्तार किया है। बड़ाया थाइलैंड में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद जैसे ही दिल्ली पहुंचा तो एसीबी की टीम ने उसको गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी था। बड़ाया को दिल्ली से जयपुर लाकर सोमवार को एसीबी मामलों से संबंधित न्यायायलय में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन के रिमांड पर भेजा गया है।उधर, एसीबी ने रिमांड अवधि पूरी होने पर सोमवार को जोशी को न्यायालय में पेश किया गया।

युद्ध में मृत्यु पर सैनिकों के समान पेंशन का दावा नहीं कर सकते अग्निवीर के परिजन : केंद्र

- बांबे हाई कोर्ट में केंद्र का हलफनामा, कहा- नियमित सैनिकों के समान स्थिति में नहीं हैं अग्निवीर

मुंबई, प्रेट्र: केंद्र सरकार ने बांबे हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बताया है कि अग्निवीरों की स्थिति नियमित सैनिकों के समान नहीं है। इसलिए किसी युद्ध या सैन्य अभियान के दौरान उनकी मृत्यु होने पर उनके परिजन पेंशन लाभों में समानता का दावा नहीं कर सकते।

पिछले वर्ष मई में आपरेशन सिंदूर के दौरान गोलीबारी में जान गंवाने वाले अग्निवीर मुरली नाइक की मां ज्योतिबा नाइक की याचिका के खिलाफ केंद्र सरकार ने यह हलफनामा पिछले हफ्ते दाखिल किया था। आपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से हुई गोलीबारी के दौरान मुरली की मृत्यु हुई थी। उनकी मां की याचिका में मुरली की मृत्यु होने के बाद नियमित सैनिकों के समान लाभ देने की मांग की गई है। केंद्र ने हलफनामा में दलील दी है कि यह असमानता संवैधानिक रूप से वैध है, क्योंकि अग्निपथ योजना मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई एक अल्पकालिक भर्ती योजना है। पिछले वर्ष वकीलों संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेंद्र गांधी के माध्यम से दाखिल याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना भेद करती है और परिवार को पूर्ण मृत्यु लाभ न देना भेदभावपूर्ण है। हालांकि केंद्र ने अपने हलफनामे में यह स्पष्ट किया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान स्थिति में नहीं हैं। उनकी सेवाएं चार वर्ष की निश्चित अवधि के लिए होती हैं। जबकि पेंशन लाभ और अन्य भत्ते दीर्घकालिक सेवाएं देने वाले सशस्त्र बलों के लिए हैं। सरकार ने अपने हलफनामे में कहा, दो अलग-अलग वर्गों के व्यक्तियों के बीच समानता नहीं हो सकती। यह वर्गीकरण और भेदभाव अग्निपथ योजना के उद्देश्यों के साथ एक तार्किक संबंध रखते हैं और इसलिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत संवैधानिक रूप से वैध है।

बांबे हाई कोर्ट। फाइल

24 घंटे में तीन हत्याएं, सीरियल किलर पूर्व सैनिक

जागरण संवाददाता, चंदौली

- पैसेंजर ट्रेन, जम्मूतवी एक्सप्रेस में यात्रियों और अस्पताल में महिला के सिर में मारी गोली

चौबीस घंटे के भीतर डीडीयू-तड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन, कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस और एक निजी अस्पताल में हुई तीन हत्याओं का पुलिस ने सोमवार को पर्दाफाश कर दिया है। मामले में पंजाब के तरनतारन निवासी पूर्व सैनिक गुरप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित ने पूछताछ में तीनों हत्याओं की बात स्वीकार कर ली है। उसके पास से दो लाइसेंसी पिस्टल, 28 कारतूस बरामद हुए हैं। रविवार सुबह गुरप्रीत ने डीडीयू-तड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में गाजीपुर निवासी श्रमिक मंगरू चौधरी की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी और शव चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। ट्रेन की रफ्तार धीमी होते ही उतरकर फरार हो गया। इसके बाद रविवार रात कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस की एस-2 बोगी में यात्रा कर रहे गयाजी निवासी विनेश साव की हत्या कर दी। ट्रेन रात 1.35 बजे डीडीयू जंक्शन से खुली और जैसे ही ब्लाक हट-बी के पास पहुंची, विनेश के सिर में बिल्कुल पास से गोली मारी और फरार हो गया। इसके बाद वह सोमवार सुबह साढ़े छह बजे अलीनगर स्थित जीवक अस्पताल पहुंचा। वीरेंद्र कुमार निवासी अंबाला के नाम से पर्ची बनवाई। अस्पताल में भर्ती बिहार के भभुआ निवासी लक्ष्मीना देवी की सिर में गोली मारी और असलहा लहराते फरार गया।

गुरप्रीतसिंह ।ग्रामीण

तरनतारन का रहने वाला है आरोपित, पास से पिस्टल, दोनाली बंदूक और 28 कारतूस मिले

गांव में भी अक्सर पिस्टल हाथ में लेकर घूमता था

जासं, तरनतारन : गुरप्रीत सिंह गोपी झगड़ालू स्वभाव होने के कारण लोग उससे बातचीत नहीं करते हैं। वह अक्सर लाइसेंसी पिस्टल लेकर गांव में घूमता रहता है। करीब 15 दिन पहले गुजरात में एक कंपनी में नौकरी करने की बात कह कर घर से गया था। गांव में सरकारी डिस्पेंसरी से सटी तंग गली में रह रहे उसके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा हैं जो पढ़ाई करते हैं। लोगों ने बताया कि वर्ष 2012 में सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद वह गांव में ही रह रहा है।

निदा खान को शरण देने वाले पार्षद की सदस्यता पर खतरा

राज्य ब्यूरो, जागरण • मुंबई

- पार्षद मतीन पटेल के अवैध निर्माण को लेकर जारी किया गया नोटिस
- मंत्री संजय शिरसाट ने कहा, ध्वस्त किया जा सकता है पार्षद का आवास

नासिक टीसीएस यौन शोषण एवं जबरन मतांतरण मामले की आरोपित निदा खान को छत्रपति संभाजी नगर में शरण देने के आरोप में गिरफ्तार एआइएमआइएम पार्षद मतीन पटेल की पार्षद सदस्यता रद किए जाने का खतरा मंडराने लगा है। महापौर ने उनके घर से संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दूसरी ओर सोमवार को नासिक की एक अदालत ने निदा खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

संभाजीनगर महानगरपालिका के एआइएमआइएम पार्षद मतीन पटेल पर निदा खान और उसके परिवार को शरण देने का मामला दर्ज किया गया है। जिसके बाद छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम ने उनके घर पर कथित अवैध निर्माण को लेकर उन्हें नोटिस जारी किया है। छत्रपति संभाजीनगर के महापौर समीर राजुरकर ने सोमवार को कहा कि, अगर पटेल ने किसी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि में लिप्तता दिखाई है, तो उनकी नगर निगम की सदस्यता रद कर दी जानी चाहिए। राजुरकर के अनुसार नगर प्रमुख से सभी दस्तावेज मंगवाएंगे और उनकी जांच के बाद वह अपना फैसला सुनाएंगे। अगर मतीन पटेल द्वारा बनाया गया मकान अवैध है, तो उनका पार्षद पद रद कर दिया जाना चाहिए।

इसी बीच, नगर निगम में विपक्ष के नेता और एआइएमआइएम नेता समीर साजिद ने कहा कि मेयर को पटेल का पार्षद पद को रद करने का कोई अधिकार नहीं है। यदि ऐसा किया गया तो पटेल इस मामले में अदालत का रुख करेंगे। वहीं, महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि निदा खान जिस आवास में एक महीने से अधिक समय से शरण लिए हुए थी, उसे एक-दो दिन में ध्वस्त किया जा सकता है। उसे हाल ही में एआइएमआइएम पार्षद के घर से गिरफ्तार किया गया था।

मतीन पटेल और निदा खान। इंटरनेट मीडिया

24 मई तक न्यायिक हिरासत में भेजा

दूसरी ओर नासिक सत्र न्यायालय ने सोमवार को टीसीएस यौन उत्पीड़न एवं जबरन मतांतरण मामले की आरोपित निदा खान को 24 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सोमवार को पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद निदा खान को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश केजी जोशी की अदालत में पेश किया गया। उसे सात मई को छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले वह करीब 25 दिनों तक फरार थीं। आज पुलिस ने सुनवाई के दौरान उसकी रिमांड नहीं मांगी, इसलिए गर्भवती निदा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

क्या है मामला

महाराष्ट्र के नासिक में टीसीएस इकाई में महिला कर्मचारियों के साथ यौन शोषण और जबरन मतांतरण का एक गंभीर मामला सामने आया है। अप्रैल 2026 में सामने आई इस घटना ने हड़कंप मचा दिया है। नासिक पुलिस ने इस मामले में नौ एफआइआर दर्ज की हैं और अब तक सात से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में कंपनी का एचआर प्रमुख निदा खान और तौसीफ अत्तार को मास्टरमाइंड माना जा रहा है। निदा खान फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

जागरण विशेष
नवाचारी अधिकारी

रेड जोन के डिंडौरी जिले को 'जल क्रांति' से दिलाई नई पहचान

कलेक्टर के प्रयास से जलसंचय जनभागीदारी अभियान में देश में नंबर वन बना जिला, जलसंचय में डेढ़ लाख महिलाओं को जोड़ा तो दिखे परिणाम

आशीष शुक्ला • नईदुनिया

डिंडौरी: अंजू पवन भदौरिया ने मध्य प्रदेश के जल संकटग्रस्त डिंडौरी जिले को एक नई पहचान दिलाई है। यह वही जिला है, जो भूजल संकट के कारण रेड जोन में शामिल है और यहां गर्मी शुरू होते ही पानी के लिए संघर्ष तेज हो जाता है। अनेक गांवों में लोग झिरिया (वह जगह जहां रिस-रिस कर पानी निकलता है) और बरसाती नालों के सहारे अपनी प्यास बुझाने को विवश रहते हैं। ऐसे कठिन हालात में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने जल संरक्षण को सरकारी योजना के बजाय जनआंदोलन के रूप में देखा और महिलाओं को इसकी धुरी बनाया। उन्होंने यह समझा कि घर-परिवार में पानी के उपयोग और बचत की सबसे बड़ी भूमिका महिलाओं की होती है। इसी सोच के साथ डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को जलसंचय अभियान से जोड़ा। 22 मार्च से शुरू हुए अभियान के दौरान अप्रैल तक एक लाख, 80 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं तैयार कर ली गईं। घरों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, अस्पतालों, पंचायत भवनों, पुलिस चौकियों और अन्य सरकारी परिसरों में सोखपिट बनाए गए, ताकि उपयोग के बाद निकलने वाला पानी भी धरती में समा सके। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसका कम खर्च और व्यापक जनसहयोग है। महिलाओं ने गिट्टी, पत्थर और भूसी जैसी स्थानीय सामग्री का उपयोग कर सोखपिट तैयार किए। स्व-सहायता समूहों ने अपने घरों में 90 हजार से अधिक संरचनाएं बनाईं। लगभग 80 हजार प्रधानमंत्री आवासों, 1,995 आंगनबाड़ी केंद्रों तथा अनेक सार्वजनिक संस्थानों में जल पुनर्भरण की व्यवस्था की गई। इससे करीब सात लाख लोगों में पानी मिलने की नई उम्मीद जगी है।

अंजू का यह अनुभव नया नहीं है। रायसेन में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी व नोडल अधिकारी के रूप में उन्होंने 2025 के जलसंचय जनभागीदारी अभियान में जिले को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान दिलाया था। उसी अनुभव को डिंडौरी में और व्यापक रूप देकर उन्होंने लोगों को जोड़ा। डिंडौरी अमरकंटक से बिल्कुल लगा होने के चलते नर्मदा का उद्गम क्षेत्र भी माना जाता है। जल संरचनाओं के रिचार्ज होने से नर्मदा नदी का जलस्तर भी बढ़ेगा, जिसका लाभ जबलपुर, मंडला समेत कई जिलों को मिलेगा। यह नवाचार पानी बचाने की योजना के साथ आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प भी है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

ग्राम पाटन में सोखपिट बनाने की जानकारी लेतीं महिलाएं • नईदुनिया

1,80,000 से अधिक संरचनाएं बनाई गईं कुछ ही दिनों में

90,000 से अधिक सोखपिट तैयार किए समूह की महिलाओं ने अपने घरों में

पांच लाख से ज्यादा संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य

मई माह के अंत तक पांच लाख से ज्यादा जल संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य है। 48 हजार पुरानी जल संरचनाओं की सफाई कराई जा रही है। खाली पड़े स्टाफ डैमों में गेट लगाए जा रहे हैं। खेत तालाब, बोरवेल, अमृत सरोवर, जलाशयों व गड्ढों के पुनर्जीवन के कार्य हो रहे हैं। इन भगीरथी प्रयासों से नर्मदा नदी का जलस्तर बढ़ेगा और भूजल स्तर भी रिचार्ज होगा, जिससे जिले के सात लाख से अधिक लोग लाभांवित होंगे।

पानी का प्रबंध करने से लेकर उपयोग करने तक में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसलिए उन्हें अभियान में सहभागी बनाया। दूर-दूर से पानी का प्रबंध करने वाली महिलाएं पानी का मोल समझ रही हैं। इसीलिए वे हर बूंद पानी को बचाने के लिए सोखपिट बना रही हैं। जल्द ही इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे। लोगों की समस्या दूर होगी।

अंजू पवन भदौरिया, कलेक्टर, डिंडौरी

जलसंकट की समस्या है विकराल: ग्रामीण अंचलों में 700 फीट के नीचे पानी पहुंच गया है। तीन हजार हैंडपंप बंद हो चुके हैं। 45 जगह नल-जल योजना भी पानी की कमी से बंद हो गई है। कई गांव में लोग चार किमी दूर से पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। गहरे कुएं में उतरकर पानी लाते हैं। पानी संकट के चलते जनवरी से अप्रैल तक 45 जगह चक्काजाम किया गया है।

जल शक्ति मंत्रालय ने विश्व जल दिवस पर शुरू किया अभियान

जल शक्ति मंत्रालय ने 22 मार्च को विश्व जल दिवस पर जलसंचय जनभागीदारी अभियान शुरू किया। मंत्रालय ने 22 अप्रैल को जो देशव्यापी रैंकिंग जारी की, उसमें डिंडौरी जिला 22 अप्रैल से अब तक लगातार नंबर वन बना हुआ है।

ग्राम चाड़ा में बने सोखपिट के बारे में जानकारी लेंती कलेक्टर (नीली साड़ी में) • नईदुनिया

कोटा के सरकारी अस्पताल में किडनी खराब होने से एक और प्रसूता की मौत

जागरण संवाददाता, जयपुर

- एक सप्ताह में प्रसव के बाद चार महिलाओं की हो चुकी है मौत
- स्वजन ने शव का पोस्टमार्टम करवाने से किया इन्कार

राजस्थान में कोटा के दो सरकारी अस्पतालों में प्रसूताओं की मौत का सिलसिला जारी है। बता दें कि इन दो सरकारी अस्पतालों में एक सप्ताह में प्रसव के बाद चार महिलाओं की मौत हुई है, जबकि अन्य आठ की किडनी खराब हुई है। सभी प्रसूताओं की मौत का कारण किड़नी खराब होना बताया जा रहा है।

रविवार रात 31 वर्षीय प्रसूता पिंकी महावर को तबीयत खराब होने पर जेकेलोन अस्पताल से मेडिकल कालेज रेफर किया गया। जहां उसकी मौत हो गई। पिंकी की मौत के बाद स्वजन ने शव का पोस्टमार्टम करवाने से इन्कार कर दिया। स्वजन की मांग है कि जब तक मौत का सही कारण सामने नहीं आता और लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है तब तक वे शव नहीं लेंगे। इससे पहले नौ मई की रात को जेकेलोन अस्पताल में बूंदी निवासी प्रसूता प्रिया की मौत हो गई थी।

उल्लेखनीय है कि मेडिकल कालेज अस्पताल में चार मई की रात से पांच मई शाम तक दो प्रसूताओं ज्योति एवं पायल की मौत हुई थी। इसी अस्पताल में रागिनी, धन्नी, सुशीला व चंद्रकला प्रसव के बाद किडनी खराब हुई, जिनका उपचार जारी है। मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. नीलेश जैन ने बताया कि वर्तमान में दो प्रसूताओं का स्वास्थ्य पहले से ठीक हो रहा है। हालांकि, अब तक महिलाओं की मौत एवं किडनी खराब होने को लेकर सही तथ्य सामने नहीं आ सके हैं। उधर चिकित्सा विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि मामले की जांच जारी है। प्रथमदृष्टया दोषी पाए गए चिकित्सकों एवं नर्सिंगकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

प्रतीकात्मक

घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए 100 उत्पादों की हो रही पहचान

नई दिल्ली: उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया का कहना है कि घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ तहत सरकार उद्योग के साथ मिलकर 100 उत्पादों की पहचान कर रही है। ये ऐसे उत्पाद हैं जिनका उत्पादन या तो भारत में होता ही नहीं है या फिर अपर्याप्त मात्रा में होता है। भाटिया ने कहा कि कुछ "अनोखे और दिलचस्प" उत्पादों का एक सेट पहले ही पहचान लिया गया है। (प्रेट्र)

भारतीय उद्योग को मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाना चाहिए। यह समझौते व्यापार और निवेश, दोनों के लिए विशाल अवसर प्रदान करते हैं।

– **राजेश अग्रवाल, वाणिज्य सचिव**

सेंसेक्स	76,015.28	▼ 1,312.91
निफ्टी	23,815.85	▼ 360.30
सोना प्रति दस ग्राम	₹ 1,55,300	▼ ₹ 600
चांदी प्रति किलो ग्राम	₹ 2,65,000	▲ ₹ 3,700
डालर	₹ 95.28	▲ ₹ 0.790
क्रूड प्रति बैरल	$ 103.5	

पीएम की अपील से निवेशक चिंतित, बाजार लुढ़के

अमेरिका-ईरान के शांति समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहने और क्रूड में आई तेजी का भी दिखा दबाव

मुंबई, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बचत के उपायों की नसीहत शेयर बाजार को रास नहीं आई और सोमवार को बीएसई सेंसक्स 1,313 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के नीचे आ गया। अमेरिका और ईरान के शांति समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहने के बाद कच्चे तेल के दाम में आई तेजी ने भी बाजार को नीचे धकेलने में योगदान दिया।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,312.91 अंक यानी 1.70 प्रतिशत टूटकर 76,015.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,370.79 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 360.30 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,815.85 अंक पर बंद हुआ। पिछले गुरुवार से शुरू तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स लगभग 1,950 अंक यानी 2.5 प्रतिशत टूटा है जबकि निफ्टी 515 अंक यानी दो प्रतिशत से अधिक के नुकसान में रहा। विश्लेषकों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मितव्ययिता की अपील ने विदेशी मुद्रा भंडार, ईंधन की कीमतों और उपभोग के दृष्टिकोण को लेकर निवेशकों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.23 प्रतिशत बढ़कर 103.5 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शुक्रवार को सेंसेक्स 516.33 अंक टूटकर 77,328.19 पर, जबकि निफ्टी 150.50 अंक की गिरावट के साथ 24,176.15 अंक पर रहा था। एशियाई मार्केट में, जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स नीचे बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कास्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स ऊपर बंद हुआ।

1313 अंक टूटकर 76,015 पर बंद हुआ बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स

1950 अंक टूटा है सेंसेक्स पिछले तीन कारोबारी दिनों में

360 अंक की गिरावट के साथ 23,815 पर बंद हुआ एनएसई का निफ्टी

515 अंक से अधिक के नुकसान में रहा है निफ्टी गुरुवार से अब तक

टूर-ट्रेवल और विमानन क्षेत्र के शेयर गिरे

पीएम की अपील के बीच सोमवार को टूर और ट्रेवल से जुड़ी सर्विस देने वाली कंपनियों और विमानन कंपनियों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर यात्रा आनलाइन का स्टाक 5.41 प्रतिशत, थामस कुक (इंडिया) लिमिटेड का 3.88 प्रतिशत, ईज ट्रिप प्लानर्स का शेयर 3.27 प्रतिशत गिरा। इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोबल एविएशन के शेयर 4.94 प्रतिशत और स्पाइसजेट के 4.72 प्रतिशत गिरे।

ज्वेलरी से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में दिखी भारी बिकवाली

पीएम की सोना नहीं खरीदने की अपील का सबसे ज्यादा नकारात्मक असर ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों पर दिखाई दिया और इनके शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। सेंसेक्स में टाइटन के शेयर में सबसे ज्यादा सात प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इंट्रा-डे में कल्याण ज्वेलर्स के शेयर 10 प्रतिशत गिरकर 382.20 रुपये पर आ गए, जबकि पीएन गाडगिल ज्वेलर्स का शेयर 8.32 प्रतिशत गिरकर 668.05 रुपये पर आ गया। स्काई गोल्ड और सेंको गोल्ड इंट्रा-डे में 12 प्रतिशत से ज्यादा गिरे, फिर छह प्रतिशत से ज्यादा नीचे बंद हुए। सेंको गोल्ड के शेयर 7.8 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

अमेरिका-ईरान संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर वैश्विक अनिश्चितता ने पहले ही बाजार की धारणा को कमजोर कर दिया था। अब प्रधानमंत्री की अपील ने विदेशी मुद्रा भंडार, ईंधन की लागत और उपभोग के दृष्टिकोण को लेकर निवेशकों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। **-हरिप्रसाद के. संस्थापक,** लाइवलांग वेल्थ

ईवी कंपनियों के शेयर चढ़े

पीएम की अपील से इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनियों के शेयर बढ़कर बंद हुए। एथन एनर्जी के शेयर 6.02 प्रतिशत, जेबीएम आटो 4.75 प्रतिशत, ओला इलेक्ट्रिक 2.47% और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक 2.16 प्रतिशत चढ़े।

रुपया 79 पैसे टूटकर नए निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई, प्रेट्र: रुपया सोमवार को 79 पैसे टूटकर डालर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.28 पर आ गया। शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डालर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डालर के मुकाबले 94.97 पर खुला। दिन में 94.87 से 95.34 प्रति डालर के बीच कारोबार करता रहा। अंत में यह अबतक के सबसे निचले स्तर 95.28 प्रति डालर पर बंद हुआ। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डालर की स्थिति को दर्शाने वाला डालर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.02 पर रहा। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा ने कहा कि पीएम की अपील का असर वृद्धि की गति में सुस्ती के रूप में दिखेगा।

इलेक्ट्रानिक्स, खाद्य तेल और चांदी भी बढ़ा रहे आयात बिल

राजीव कुमार • जागरण

- मूल्य के लिहाज से चांदी का आयात 149 प्रतिशत बढ़ा
- इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों का आयात 116 अरब डालर का रहा

नई दिल्ली: पेट्रोलियम पदार्थ और सोने के साथ इलेक्ट्रानिक्स उत्पाद, खाद्य तेल और चांदी के आयात को कम करके विदेशी मुद्रा की बचत की जा सकती है। देश के कुल आयात में इन पांच उत्पादों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है। गत वित्त वर्ष 2025-26 में 774 अरब डालर का कुल आयात किया गया और इनमें पेट्रोलियम पदार्थ, इलेक्ट्रानिक्स आइटम, सोना, चांदी, खाद्य तेल की हिस्सेदारी 393 अरब डालर की थी। पश्चिम एशिया के संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल की खपत सोच-समझ कर करने तो सोने की खरीदारी को एक साल तक टालने की अपील की है, जिससे आयात बिल को कम किया जा सके। आरबीआइ के मुताबिक इस साल एक मई को विदेशी मुद्रा का भंडार 690 अरब डालर का था। जबकि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के समय इस साल फरवरी आखिर में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 728.5 अरब डालर का था।

पिछले एक साल के दौरान डालर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में 10 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सोने के दाम में पिछले एक साल में 50 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक का इजाफा हुआ है। इस कारण वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात बिल 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 72 अरब डालर तक पहुंच गया। जबकि गत वित्त वर्ष 2025-26 में वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 36 टन कम सोने का आयात किया गया। दूसरी तरफ, गत वित्त वर्ष में चांदी के आयात में मात्रा और राशि दोनों के लिहाज से भारी बढ़ोतरी रही। मूल्य के लिहाज से चांदी के आयात में 149 प्रतिशत का इजाफा रहा। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों व एथनाल जैसे वैकल्पिक ईंधन को अपनाने से पेट्रोलियम पदार्थों का आयात कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल व अन्य पेट्रोलियम पदार्थ का आयात 174 अरब डालर का रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 6.37 प्रतिशत कम है। इस अवधि में खाद्य तेल का आयात 19.5 अरब डालर रहा। देश में खाद्य तेल के उत्पादन को बढ़ाकर इस आयात को कम किया जा सकता है। इलेक्ट्रानिक्स आइटम का आयात गत वित्त वर्ष में 116 अरब डालर का रहा। मोबाइल फोन, टीवी बनाने के लिए सैकड़ों छोटे इलेक्ट्रानिक आइटम आयात किए जाते हैं। इनका निर्माण भारत में शुरू करके आयात बिल को कम किया जा सकता है।

डालर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट से भी सोने का आयात बिल बढ़ा है। सोने के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय होते हैं, इसलिए भारत में सोने की खरीदारी कम करने से सोने के भाव पर फर्क नहीं पड़ेगा। **-एसपी शर्मा,** मुख्य अर्थशास्त्री, एसोचैम

बीते दो वित्त वर्ष में सोना-चांदी का आयात

- वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात 721.03 टन
- वित्त वर्ष 2024-25 में सोने का आयात 757.09 टन
- वित्त वर्ष 2025-26 में चांदी का आयात 7334 टन
- वित्त वर्ष 2024-25 में चांदी का आयात 5164 टन

2025-26 में प्रमुख उत्पादों का आयात मूल्य
पेट्रोलियम पदार्थ और कच्चा तेल 174 अरब डालर
इलेक्ट्रानिक्स आइटम 116 अरब डालर
सोना 72 अरब डालर
खाद्य तेल 19.5 अरब डालर
चांदी 12 अरब डालर

अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 38,440 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, प्रेट्र: अप्रैल में इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में 38,440 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया गया और यह मार्च के मुकाबले पांच प्रतिशत कम है। इसके अलावा, एसआइपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से मासिक योगदान पिछले महीने मार्च में 32,087 करोड़ रुपये से घटकर 31,115 करोड़ रुपये रह गया। अप्रैल में 3.22 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया। इसमें डेट फंडों में 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश का बड़ा योगदान है। इस निवेश के चलते उद्योग की प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) अप्रैल के अंत में बढ़कर 81.92 लाख करोड़ रुपये हो गई। मार्च अंत में यह आंकड़ा 73.73 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी सेगमेंट में, फ्लेक्सी कैप फंड 10,148 करोड़ रुपये के शुद्ध प्रवाह के साथ श्रेणी में सबसे आगे रहे, इसके बाद स्माल कैप फंड 6,886 करोड़ रुपये और मिड कैप फंड 6,551 करोड़ रुपये के साथ रहे। इसके अलावा, लार्ज कैप फंड ने 2,525 करोड़ रुपये का प्रवाह दर्ज किया। अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश 3,040.3 करोड़ रुपये रहा, जो महीने-दर-महीने के आधार पर 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। 30 अप्रैल तक गोल्ड ईटीएफ का नेट एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 1.78 लाख करोड़ रुपये था।

एसआइपी में मासिक योगदान घटकर 31,115 करोड़ रुपये रहा, पिछले महीने गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध निवेश 34 प्रतिशत बढ़ा

शहरों में बेरोजगारी दर में मामूली कमी आई

नई दिल्ली, प्रेट्र: मार्च तिमाही में शहरों में बेरोजगारी दर मामूली कम होकर 6.6 प्रतिशत हो गई। अक्टूबर-दिसंबर, 2025 में यह 6.7 प्रतिशत थी। हालांकि, ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर पिछली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2025) के मुकाबले बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई। ग्रामीण इलाकों में, नियमित वेतन वाले कर्मचारियों की संख्या जनवरी-मार्च, 2026 के दौरान पिछली तिमाही के 14.8 प्रतिशत से बढ़कर 15.5 प्रतिशत हो गई।

स्वरोजगार लोगों की हिस्सेदारी अक्टूबर-दिसंबर 2025 के 63.2 प्रतिशत से घटकर इस तिमाही में 62.5 प्रतिशत हो गई। जनवरी-मार्च 2026 के दौरान देश में औसतन 57.4 करोड़ लोग काम कर रहे थे, जिनमें से 40.2 करोड़ पुरुष और 17.2 करोड़ महिलाएं थीं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय द्वारा जारी तिमाही आवधिक श्रम बल सर्वे में कुल 5,61,822 लोगों को शामिल किया गया।

कच्चा तेल तय करेगा विकास दर की रफ्तार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों से तय होंगी। एसबीआइ रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर पूरे वित्त वर्ष क्रूड 90 डालर के स्तर पर रहता है तो भारत की सालाना विकास दर 6.8 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, अगर क्रूड की कीमतें 130 डालर प्रति बैरल रहती है तो विकास दर घटकर छह प्रतिशत पर आ जाएगी। वैसे, एसबीआइ का अनुमान है कि पूरे वर्ष क्रूड कीमत 100 डालर प्रति बैरल के स्तर पर रह सकती है, जिसकी वजह से भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। यह आरबीआइ की अनुमानित सालाना विकास दर 6.9 प्रतिशत से कम है। मूडीज, एसएंडपी जैसी कई अन्य वैश्विक एजेंसियों ने भी भारत की विकास दर के अनुमान को घटाया है।

सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 104-105 डालर प्रति बैरल रही है। जबकि पेट्रोलियम मंत्रालय का डाटा बताता है कि अप्रैल और मई में अभी तक भारत ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से औसतन 109.5 डालर प्रति बैरल की दर से कच्चे तेल खरीदा है। भारत अपनी जरूरत का 88 प्रतिशत तक क्रूड बाहर से आयात करता है और यही वजह है कि इसकी कीमतों का असर पूरी इकोनमी पर होता है।

क्रूड के दाम रुपये की कीमत को कर रहे प्रभावित : अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमत भारतीय रुपये की कीमत को भी प्रभावित कर रही है। क्रूड की खरीद डालर में होती है और जितना क्रूड महंगा होता है, उतना ही ज्यादा डालर देश से बाहर जाता है। लिहाजा इससे रुपये कमजोर होता है। एसबीआइ रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, अगर पूरे वर्ष रुपया 95 के स्तर पर रह जाता है तो भारतीय इकोनमी का आकार घटकर 4.04 ट्रिलियन डालर रह जाएगा और ऐसी स्थिति में पांच ट्रिलियन की इकोनमी बनने का सपना वर्ष 2030 में ही पूरा हो सकेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर क्रूड 120 डालर रहता है तो महंगाई की दर 5.3 प्रतिशत और 130 डालर होने से महंगाई की दर 5.7 प्रतिशत तक जा सकती है।

- एसबीआइ रिपोर्ट के मुताबिक, क्रूड अगर औसतन 100 डालर रहा तो 6.6% रहेगी विकास दर
- डालर के मुकाबले 95 के स्तर पर रहा रुपया तो 2030 तक बनेंगे 5 ट्रिलियन डालर इकोनमी

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

अंतरराष्ट्रीय

ट्रंप बोले, ईरान का जवाब 'मूर्खतापूर्ण', तेल 103 डालर के पार

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- खाड़ी संकट समाधान के लिए ट्रंप की चीन यात्रा पर टिकी वैश्विक निगाहें
- अमेरिका के 14 सूत्रीय प्रस्ताव पर ईरान का जवाब ट्रंप ने खारिज किया
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम दो प्रतिशत तक बढ़े
- सीमित संख्या में टैंकर अब भी होर्मुज स्ट्रेट पार कर रहे

पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और होर्मुज स्ट्रेट को व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित बनाने की कोशिशों को एक बार फिर झटका लगा है। अमेरिका की ओर से ईरान को भेजे गए 14 सूत्रीय अल्पकालिक समझौता प्रस्ताव पर तेहरान के जवाब को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'बेवकूफी भरा प्रस्ताव' करार दिया। इससे पहले ट्रंप ने ईरान के जवाब को 'अस्वीकार्य' बताते हुए खारिज कर दिया था। ट्रंप की प्रतिक्रिया के बाद आशंका बढ़ गई कि दो महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष लंबा खिंच सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें करीब दो प्रतिशत बढ़कर 103 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं।

रायटर के अनुसार, जेपी मोर्गन के विश्लेषकों ने अनुमान जताया है कि तेल की कीमतें पूरे साल 100 डालर के आसपास बनी रह सकती हैं।

ईरान ने रविवार को पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को अपना जवाब भेजा था। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने, युद्ध में हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने, होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की संप्रभुता स्वीकार करने और अमेरिका से नौसैनिक नाकेबंदी हटाने की मांग की गई।

ईरानी जवाब मिलने के कुछ घंटे बाद ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने ईरानी प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा, लेकिन यह उन्हें 'बिल्कुल पसंद नहीं आया' और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने इसके पीछे कोई कारण नहीं बताया।

तेहरान में होर्मुज स्ट्रेट और डोनाल्ड ट्रंप को प्रदर्शित करते अमेरिका विरोधी बिलबोर्ड के सामने से सोमवार को गुजरते राहगीर। रायटर

एपी के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान की मांगें 'वैध, उदार और जिम्मेदार' हैं। वहीं, भारत स्थित ईरानी दूतावास ने भी कहा कि अमेरिका को भेजा गया जवाब ईरानी जनता के मौलिक अधिकारों और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

ट्रैकर बंद करके होर्मुज पार कर रहे टैंकर : न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, शिपिंग डाटा रखनेवाली फर्म केप्लर और एलएसईजी ने बताया कि पिछले हफ्ते कच्चा तेल लदे तीन विशालकाय मालवाहक जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट पार करने में सफलता हासिल की। फर्म ने दावा किया कि तेल टैंकरों ने ट्रैकर स्विच-आफ कर दिया, जिससे वे ईरानी हमलों से बच सकें।

लेबनान की गुहार, इजरायल को रोके अमेरिका : लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिका से इजरायल पर हमले रोकने के लिए दबाव डालने की अपील की है। शनिवार के बाद से इजरायली हमलों में 74 लोगों की मौत हुई है।

अमेरिकी सैन्य समर्थन पर निर्भरता खत्म करना चाहता है इजरायल

न्यूयार्क, रायटर : इजरायल सैन्य मदद के लिए अमेरिकी वित्तीय निर्भरता खत्म करना चाहता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को प्रसारित एक साक्षात्कार में उम्मीद जताई कि एक दशक में इजरायल की अमेरिकी सैन्य समर्थन पर निर्भरता नहीं रहेगी। इजरायल खाड़ी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयास कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान में नेतृत्व परिवर्तन संभव है, लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है। नेतन्याहू ने सीबीएस न्यूज के '60 मिनट्स' कार्यक्रम में कहा, मैं हमारे सैन्य सहयोग के तहत मिलने वाली अमेरिकी वित्तीय सहायता को शून्य तक कम करना चाहता हूं। इजरायल को प्रति वर्ष लगभग 3.8 अरब डालर की अमेरिकी सैन्य सहायता मिलती है। अमेरिका ने 2018 से 2028 तक इजरायल को कुल 38 अरब डालर की सैन्य सहायता प्रदान करने पर सहमति जताई है।

छात्र वीजा पर रह रहा भारतीय मूल का ट्रांसजेंडर बना स्काटिश संसद सदस्य

लंदन, प्रेट्र : एक भारतीय छात्र स्काटिश संसद सदस्य (एमएसपी) के रूप में चुना गया है। तमिलनाडु में जन्मे क्यू मणिवन्नन ट्रांसजेंडर हैं और 2021 में छात्र वीजा पर स्काटलैंड आए थे। वह ऐसे व्यक्ति हैं, जो विदेशी नागरिक होने के बावजूद ब्रिटेन में रहने के लिए स्थायी वीजा नहीं रखते।

उन्हें स्काटिश ग्रीन्स की एडिनबर्ग और लोथियंस ईस्ट क्षेत्रीय सूची से स्काटलैंड की संसद के लिए चुना गया। पिछले सप्ताह हुए चुनावों के परिणाम नौ मई को घोषित किए गए। यह एक नियम में बदलाव के कारण संभव हो पाया। उनकी एमएसपी (स्काटिश संसद सदस्य) उम्मीदवारी एक राष्ट्रमंडल नागरिक के रूप में संभव हुई, जिसके अनुसार अल्पकालिक वीजा पर रहने वाले और अनिश्चितकालीन निवास की अनुमति या स्थायी निवास वाले विदेशियों को भी स्काटलैंड में चुनाव लड़ने के लिए पात्र माना जाता है।

न्यूज गैलरी

'फुजैरा पोर्ट से भारतीयों की निकासी की खबर फर्जी'

नई दिल्ली : भारतीय विदेश मंत्रालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) फुजैरा पोर्ट के जरिये भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए समझौता कर रहे हैं। मंत्रालय ने इसे 'फर्जी और बेबुनियाद' खबर बताया है। मंत्रालय की फैक्ट चेक इकाई ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ऐसी किसी निकासी योजना पर काम नहीं हो रहा है। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित विदेश यात्रा के दौरान यूएई के फुजैरा में भारतीय कामगारों की निकासी को लेकर समझौता हो सकता है। इसी दावे को विदेश मंत्रालय ने गलत बताया। (एएनआइ)

भारत ने भगोड़े राणा के प्रत्यर्पण पर पुर्तगाल का आभार जताया

लंदन : भारत ने भगोड़े अभय राणा के प्रत्यर्पण में सहयोग के लिए पुर्तगाल का आभार व्यक्त किया। सरकार ने इस कदम को विदेशों में रह रहे वांछित अपराधियों को वापस लाने के अपने निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। राणा को इंटरपोल रेड नोटिस जारी होने के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण समझौते के तहत शनिवार को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया। यह हरियाणा में जबरन वसूली, धमकी और हत्या के प्रयास सहित कई आपराधिक मामलों में वांछित था। (प्रेट्र)

बलूचिस्तान में सीमा शुल्क गोदाम में आग से 35 घायल

क्वेटा : पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग इलाके में सीमा शुल्क गोदाम में आग लगने से 35 लोग झुलस गए। आग के कारण एलपीजी टैंकर में विस्फोट हो गया। डान के अनुसार, क्वेटा-कराची राजमार्ग पर स्थित लकपास इलाके में सीमा शुल्क सुविधा केंद्र में रविवार को आग लगी और तेजी से पार्किंग क्षेत्र में फैल गई। तभी एलपीजी ले जा रहे एक टैंकर में आग लग गई और सीमा शुल्क चौकी के पार्किंग क्षेत्र में उसमें विस्फोट हो गया, जिससे भारी तबाही हुई। (आइएएनएस)

जेल से रिहा हुए थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा

बैंकाक में सोमवार को जेल से पैरोल पर रिहा होने के बाद समर्थकों के बीच थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा। एपी

बैंकाक, रायटर : थाईलैंड के प्रभावशाली पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को सोमवार को जेल से रिहा कर दिया गया। उन्हें पैरोल पर अपनी एक साल की सजा के शेष चार महीने पूरे करने की अनुमति दी गई है। अदालत के उस फैसले के बाद थाकसिन को आठ महीने जेल में बिताने पड़े, जिसमें कहा गया था कि जेल से बचने के लिए उन्होंने गलत तरीके से अस्पताल में रहने का बहाना बनाया था। 76 वर्षीय अरबपति ने थाई राजनीति को नया रूप दिया और उस पर अपना दबदबा बनाए रखा, लेकिन हाल ही में जेल जाने और उनकी कभी शक्तिशाली रही फेउ थाई पार्टी के इस साल की शुरुआत में हुए अब तक के सबसे खराब चुनावी प्रदर्शन के बाद उनका प्रभाव कम हो गया है। थाकसिन स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7:40 बजे जेल से बाहर निकले। जेल के बाहर सोमवार तड़के से ही सैकड़ों समर्थक जमा थे।

काठमांडू में टर्किश एयरलाइंस के विमान में लगी आग, बाल-बाल बचे 288 यात्री

काठमांडू, प्रेट्र : नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सोमवार सुबह बड़ा विमान हादसा टल गया, जब इस्तांबुल से आ रही टर्किश एयरलाइंस की फ्लाइट टीके-726 के लैंडिंग के दौरान पिछले पहिये में आग लग गई। विमान में सवार सभी 277 यात्रियों और 11 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह घटना सुबह हुई, जब एयरबस ए330 विमान रनवे पर उतर रहा था और उसके दाहिने पिछले टायर में आग भड़क उठी। आग लगते ही एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत उड़ान संचालन रोक दिया और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया, लेकिन विमान को मुख्य रनवे पर ही रोकना पड़ा, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। यात्रियों को इमरजेंसी एग्जिट के जरिए बाहर निकाला गया।

ईरान से तनातनी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कल से चीन की यात्रा पर

- नौ साल में किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पहली चीन यात्रा
- चिनफिंग से ईरान, ताइवान और परमाणु हथियार जैसे मुद्दों पर वार्ता संभव

बीजिंग, प्रेट्र : ईरान से जारी तनातनी के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की यात्रा करने जा रहे हैं। वह चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के आमंत्रण पर 13 से 15 मई तक बीजिंग का दौरा करेंगे। इस दौरान ट्रंप और चिनफिंग के बीच ईरान, ताइवान और व्यापार से लेकर एआइ व परमाणु हथियार जैसे मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है। करीब नौ वर्ष बाद किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा होगी। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में 2017 में बीजिंग का दौरा करने वाले अंतिम अमेरिकी राष्ट्रपति थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल के युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी के चलते वैश्विक ऊर्जा संकट उत्पन्न है और ताइवान समेत कई मुद्दों पर दोनों देशों के बीच तनाव का माहौल है। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति के चीन दौरे की यह घोषणा की। जबकि हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट के अनुसार, अमेरिकी प्रधान उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने रविवार को बताया कि ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे। वह गुरुवार को एक स्वागत समारोह और राष्ट्रपति चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होंगे। दोनों नेता शुक्रवार को फिर मुलाकात करेंगे।

इन मुद्दों पर दोनों देशों के बीच तनाव : अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, चिप और रेयर अर्थ मिनिरल्स समेत कई मुद्दों पर तनाव है। इनमें सबसे प्रमुख ताइवान है। चीन इस द्वीपीय क्षेत्र को अपना मानता है। अमेरिका की तरफ से इसे सैन्य साजो-सामान मुहैया कराए जाने पर वह कई बार नाराजगी जता चुका है।

ओसाका में 29 जून 2019 को जी20 बैठक के दौरान शी चिनफिंग और डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

दैनिक जागरण

समय और अवसर किसी की प्रतीक्षा नहीं करते

उचित अपील पर आपत्ति

प्रतिकूल परिस्थितियों में बचत का सुझाव देना अथवा किफायत बरतने की अपील करना कभी भी अनावश्यक नहीं हो सकता, लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि विपक्ष को प्रधानमंत्री की इस सलाह पर आपत्ति है कि मौजूदा हालात में लोग पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में संयम बरतें, वर्क फ्राम होम की संस्कृति अपनाएं, विदेश यात्रा से बचें, सोना न खरीदें और देश में ही विवाह समारोह आयोजित करें। आखिर उन संसाधनों के उपयोग में किफायत क्यों नहीं बरती जानी चाहिए, जिनके आयात में विदेशी मुद्रा खर्च होती है? क्या यह किसी से छिपा है कि पश्चिम एशिया संकट के चलते भारत समेत अधिकांश देशों के आयात बिल बढ़ रहे हैं और इसका बुरा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है? हर किसी को इससे परिचित होना चाहिए कि डालर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से अर्थव्यवस्था को दोहरा नुकसान हो रहा है। यह नुकसान न बढ़ने पाए, इसके लिए प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संसाधनों के संयमित उपयोग की जो सीख दी, वह सही समय पर दी गई एक उचित सलाह है। जब विपक्ष को इस पर आपत्तियां खड़ी करने के स्थान पर मौके की नजाकत समझनी चाहिए, तब वह ऐसी प्रतीति करा रहा है, जैसे प्रधानमंत्री लोगों को डरा रहे हैं या फिर अपनी असमर्थता बयान कर रहे हैं।

राहुल गांधी समेत जो विपक्षी नेता प्रधानमंत्री की सही सलाह को उनकी नाकामी बता रहे हैं, उन्हें इससे परिचित होना चाहिए कि गाढ़े वक्त में जनता से संसाधनों के उपयोग में संयम बरतने का आग्रह पहले भी अनेक बार किया जा चुका है? उन्हें इससे भी अवगत होना चाहिए कि अमेरिका और ईरान में टकराव के चलते होर्मुज समुद्री मार्ग बंद होने से जो ऊर्जा संकट उपजा है, उसके नतीजे में पड़ोसी देशों समेत अधिकांश देशों में पेट्रोल और डीजल के मूल्य बढ़ाने पड़े हैं। क्या यह उल्लेखनीय नहीं कि भारत में अभी तक ऐसा करने की नौबत नहीं आई है? इसकी भी अनदेखी न की जाए कि कहीं-कहीं गैस की थोड़ी किल्लत अवश्य देखने को मिल रही है, लेकिन पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में कहीं कोई बाधा इसके बाद भी देखने को नहीं मिली है कि भारत में पेट्रो उत्पादों की खपत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ रही है। इससे यही पता चलता है कि तमाम चुनौतियों के बाद भी हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है। यह विचित्र है कि जनता को वस्तुस्थिति से अवगत कराने वाली प्रधानमंत्री की जिस अपील को औद्योगिक जगत सही मान रहा है, उसमें विपक्ष को खामी दिख रही है? इसे उसके दृष्टि दोष के अतिरिक्त और कुछ नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को यह आभास होना चाहिए कि ऐसी अपील के केंद्र में आम लोगों के स्थान पर वे सक्षम लोग अधिक होते हैं, जो अपनी आर्थिक संपन्नता के चलते कई बार किफायत की चिंता नहीं करते?

प्रमाणपत्रों में फर्जीवाड़ा

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों का जो प्रकरण संज्ञान में आया है, वह पारदर्शी व्यवस्था लागू करने के लिए डिजिटलीकरण का सहारा लेने और उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल है। बाराबंकी जिले के एक ऐसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से दो जन्म प्रमाणपत्र जारी हो गए जहां कभी प्रसव हुआ ही नहीं। इसके आधार पर आधार कार्ड में उम्र बदलवा ली गई। साफ है कि यह सरकारी मशीनरी के अंदर बैठे कुछ तत्वों और जनसेवा केंद्रों की मिलीभगत से चल रहा संगठित फर्जीवाड़ा है। यह प्रदेश में पहला फर्जीवाड़ा नहीं है। सबसे पहले रायबरेली जिले के सलोन में फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों को जारी करने का मामला सामने आया था, जहां कुल आबादी से अधिक जन्म प्रमाणपत्र जारी कर दिए गए, तब इस पर सवाल उठे। फर्जी प्रमाणपत्रों को लेकर कुछ कार्रवाइयां हुई हैं, लेकिन बड़ी मछलियां अभी तक पकड़ से बाहर हैं। यह केवल व्यक्तिगत धोखाधड़ी नहीं है। इससे सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग हो रहा है, पात्रता की जांच प्रक्रिया बेकार हो रही है और वास्तविक जरूरतमंदों का हक मारा जा रहा है। ऐसे प्रकरणों की एकमुश्त जांच करने और उदाहरण बनने योग्य कार्रवाई की आवश्यकता है, अन्यथा सुधार के अनेक प्रयास निरर्थक ही साबित होंगे। सुशासन तभी सार्थक होगा जब कागजी और डिजिटल दोनों व्यवस्थाएं भ्रष्टाचार मुक्त हों।

> ऐसे प्रकरणों की एकमुश्त जांच करने और उदाहरण बनने योग्य कार्रवाई की आवश्यकता है

नई रक्षा तकनीक अपनाए भारत

शिवकांत शर्मा

भारत के लिए स्वायत्त रोबोट और ड्रोन तकनीक में बढ़त पड़ोसी देशों में आतंकी अड्डों से निपटने में भी मददगार बनेगी

रूस यूक्रेन से दस गुना शक्तिशाली परमाणु महाशक्ति है, लेकिन चार साल लंबी लड़ाई के बावजूद यूक्रेन को नहीं झुका पाया है। अमेरिका ईरान से सौ गुना शक्तिशाली परमाणु महाशक्ति है, मगर दो महीनों के विनाशकारी हमलों के बावजूद ईरान को नहीं झुका पाया है। कारण शायद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के गत माह के उस दावे में छिपा है कि उनकी सेना के स्वायत्त रूप से काम करने वाले रोबोट वाहनों और ड्रोन प्रणाली ने एक रूसी मोर्चे पर कब्जा कर लिया और तीन रूसी सैनिकों को बंदी बना लिया। लगता है दुनिया फिर उस युग में प्रवेश कर रही है, जहां सेनाओं की जगह उनके शस्त्रास्त्रों का आपस में संग्राम हुआ करेगा। यूक्रेन इस समय रूसी सैनिकों, वाहनों और ठिकानों को नष्ट करने, युद्ध में फंसे सैनिकों को रसद पहुंचाने और घायल सैनिकों को निकालने के लिए स्वायत्त रूप से काम करने वाली रोबोट प्रणाली का प्रयोग कर रहा है। चार साल से चल रही लड़ाई में यूक्रेन के लगभग डेढ़ लाख सैनिक मारे जा चुके हैं, इसलिए वह रूस की सीमा पर 30 से 40 किमी चौड़ी पट्टी को ऐसे क्षेत्र में बदलना चाहता है, जहां स्वायत्त रोबोट और ड्रोन दुश्मन को देखते ही मार दें। पिछले साल जून में उसने सौ से अधिक ड्रोन के जरिये रूस में चार हजार किमी भीतर तक हवाई ठिकानों के एक तिहाई विमानों को नष्ट कर दिया था। ऐसे शस्त्रास्त्रों के विकास में रूस भी पीछे नहीं है।

यूक्रेन ने पिछले साल रूस का एक ऐसा ड्रोन पकड़ा था जो एआइ से चलने के कारण दुश्मन के ठिकानों की खुद टोह लगाकर नष्ट करने की क्षमता रखता था। इसे सामान्य ड्रोन की तरह संकेत लेने और भेजने की जरूरत नहीं थी, इसलिए उसे जाम भी नहीं किया जा सकता था। रूस के रक्षा उद्योग के बारे में यह धारणा रही है कि वह केंद्रीय नियंत्रण और सेना की संस्थागत परंपराओं की जकड़न में बंधा है, जहां कोई व्यापक परिवर्तन बड़ी मुश्किल से होता है। हालांकि यूक्रेन युद्ध की चोट ने उसके पारंपरिक सोच को बदल दिया है। इस क्रम में रूस ने शुरुआत ईरान के शाहीन ड्रोन से की थी, जिनमें परिष्कार करते हुए वह स्वायत्त रूप से काम कर सकने वाले ड्रोनों तक पहुंचा है। उसने एआइ और स्वायत्त शस्त्रास्त्रों के विकास के लिए अपने रक्षा अनुसंधान क्षेत्र को पूरी तरह खोल दिया है। निजी क्षेत्र के स्टार्टअप, प्रयोगशालाएं और यहां तक कि कुछ स्कूल भी ड्रोन और रक्षा उपकरणों में एआइ से स्वायत्त क्षमता के विकास में लगे हैं।

अवधेश राजपूत

युद्ध के मैदान से हर रोज हजारों वीडियो आते हैं, जिनका आकलन कर उनकी जानकारी को ड्रोन और स्वायत्त वाहनों में भरा जाता है। स्वायत्त ड्रोनों और रोबोट वाहनों को मानवाधिकार कार्यकर्ता 21वीं सदी का परमाणु बम बताते हैं। इन स्वायत्त प्रणालियों के प्रयोग से जहां सैनिकों की जान का जोखिम कम होगा, वहीं आम नागरिकों की जान का जोखिम बढ़ सकता है, क्योंकि एआइ से काम कर रहा ड्रोन सैनिक और नागरिक में कैसे भेद कर पाएगा? लड़ रहे सैनिक और समर्पण कर रहे सैनिक में कैसे भेद कर पाएगा? रूस तो यह सब चार साल से चल रही लड़ाई जीतने के लिए बना रहा है, क्योंकि उसे यूक्रेन के नागरिकों को होने वाले नुकसान की परवाह नहीं है, लेकिन यूरोप, अमेरिका और भारत जैसे देशों को स्वायत्त प्रणालियों के जोखिम पर भी विचार करना होगा। इसके बावजूद अमेरिका पूरे जोश के साथ स्वायत्त रक्षा प्रणालियों के विकास में जुटा है। चूंकि उसने ईरान के साथ हुए युद्ध में ड्रोन की मारक क्षमता देख ली है, इसीलिए युद्ध मंत्री पीटर हेगसेथ का कहना है कि अमेरिका को एआइ की सबसे बड़ी सामरिक शक्ति बनना है। पेंटागन ने एआइ विकास में अग्रणी गूगल, ओपनएआइ, एमेजान, माइक्रोसाफ्ट, स्पेसएक्स, ओरेकल और एनवीडिया जैसी कंपनियों के साथ कदमताल शुरू की है। ड्रोन विकास के लिए उसे यूक्रेन से ही मदद लेनी होगी, जो इस समय ड्रोन विकास के मोर्चे पर बहुत ऊंचे पायदान पर है। हाल में उसने मार्शियन नाम के स्वायत्त ड्रोन का परीक्षण शुरू किया है, जो 300 किमी प्रति घंटे की गति से उड़ता है और ड्रोन टोही रडारों की पकड़ में भी नहीं आता।

भारत का रक्षा तंत्र भी शस्त्रास्त्र खरीद या विकास की संस्थागत परंपराओं से बंधा है। नए शस्त्रास्त्रों का परीक्षण कर सेना के सभी अंगों से सामंजस्य बिठाने में समय लगता है, जबकि स्वायत्त रोबोट और ड्रोन प्रणालियों का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि कुछ महीनों के भीतर ही उनकी काट तैयार हो जाती है और उनके नए परिष्कृत रूपों का विकास करना पड़ता है। इसलिए इस होड़ में आगे बने रहने के लिए रक्षा कंपनियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र और स्टार्टअप की प्रतिभाओं का सहयोग लेना भी जरूरी है। उनके सहयोग से ही चीन रोबोट मानवों के विकास में दुनिया में सबसे आगे निकल गया है। पिछले महीने बीजिंग में हुई मानव और रोबोट धावकों की 21 किमी लंबी मैराथन दौड़ में चीनी मोबाइल कंपनी के रोबोट मानव लाइटनिंग ने विश्व रिकार्ड सात मिनट से तोड़ दिया।

भारत के लिए स्वायत्त रोबोट और ड्रोन तकनीक में बढ़त पड़ोसी देशों में आतंकवाद के अड्डों से निपटने में भी मददगार बनेगी। जरूरत पड़ने पर स्वायत्त रोबोट और ड्रोन प्रणाली की मदद से करोड़ों डालर के लड़ाकू विमानों और प्रशिक्षित पायलटों को जोखिम में डाले बिना आपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी भी देते हैं कि यदि इस तरह के स्वायत्त ड्रोन और रोबोट आतंकी संगठनों के हाथ पड़ जाएं तो ये गंभीर समस्या भी बन सकते हैं। इसलिए इनसे बचाव के लिए तैयार हो रहे अस्त्रों के विकास पर भी उतना ही ध्यान देने की जरूरत है। इजरायल, ब्रिटेन और अमेरिका ने ऐसी लेजर गन का विकास किया है जो एक किमी की दूरी से ही ड्रोन को मार गिरा सकती हैं और वे पेट्रियट और एस-400 जैसी मिसाइल रक्षा प्रणालियों की तुलना में बेहद सस्ती हैं, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है कि एक तो ये कोहरे और बरसात में उतनी कारगर नहीं रहतीं, दूसरे निशाना चूकने या छिटकने पर विमानों और उपग्रहों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए ड्रोन रक्षा पर अभी और बहुत काम होना बाकी है।

(लेखक बीबीसी हिंदी के पूर्व संपादक हैं)
response@jagran.com

कृषि को संकट से बचाने की चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

पश्चिम एशिया में छाए संकट और कमजोर मानसून की आशंका ने खेती-किसानी और अर्थव्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है

इन्वेस्टमेंट इन्फोर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (आइसीआरए) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक कमजोर मानसून, अल नीनो के प्रभाव और पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए मुश्किलें दिखाई दे रही हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी कहा गया है कि इस वर्ष कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने और विकास दर में कमी की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग ने भी अल नीनो के कारण इस साल सामान्य से कम मानसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट की रिपोर्ट में भी इसी तरह का पूर्वानुमान जारी किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मानसून (जून से सितंबर) में 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है।

आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मानसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा, तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई, किंतु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम पैदा हुआ। दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य महंगाई पर असर डाल सकता है। एक ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल किसानों और कृषि पर, वरन आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। इससे पेयजल समस्या की चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं।

गत वर्ष के मानसून सीजन में अच्छी बारिश के कारण जलाशयों में पर्याप्त पानी है, लेकिन अब इस साल अल नीनो के खतरे और कमजोर मानसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है,

आवश्यक है खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना। फाइल

क्योंकि पानी का स्टाक जल्दी खत्म हो सकता है। नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 प्रतिशत ही सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। यह परिदृश्य देश में अभी सहज स्थिति वाले कृषि क्षेत्र के समक्ष एक नई चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। इस वर्ष सामान्य से कम मानसून और खेती की बढ़ती लागत को देखते हुए कई बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। अभी से ही जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए।

देश के विभिन्न हिस्सों में विविधतापूर्ण जलवायु है। देश कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में समृद्ध है। अतः भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। देश में अभी भी अनाज, दलहन तथा तिलहन का उत्पादन मौसम पर निर्भर होता है। ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार स्थितियों का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करनी चाहिए। हमें कमजोर मानसून के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण मजबूत करना चाहिए। वर्ष 2025-26 के लिए खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 17.41 करोड़ टन और रबी खाद्यान्न उत्पादन 17.45 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष 2024-25 की तुलना में एक बड़ी छलांग है। पिछले वर्ष खरीफ उत्पादन 16.94 करोड़ टन था, जिसमें इस बार लगभग 2.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं रबी उत्पादन पिछले वर्ष 16.91 करोड़ टन था, जिसमें इस बार 3.2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच भारत में अनाज का यह रिकार्ड उत्पादन एक सुरक्षा कवच की तरह है। 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण ही बहुत कम प्रभावित हुई थी। कोविड से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए बड़ा सहारा बन गए थे।

पिछले महीने अधिसूचित किए गए 50 लाख टन गेहूं के निर्यात आदेशों की पूर्ति अवश्य की जाए, लेकिन आगामी निर्यात आदेशों के लिए सजगता रखी जाए। हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि देश ने वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा था। ऐसे में अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कृषि में भी प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास पर जोर दिया जाना चाहिए। भंडारण अभियान और कृषि-वित्तीय प्रौद्योगिकी तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार को बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इससे किसानों और कृषि क्षेत्र को मुश्किलों से बचाते हुए आम आदमी एवं अर्थव्यवस्था की चिंताएं भी कम की जा सकती हैं।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

वास्तविक स्वतंत्रता

मनुष्य सदैव स्वतंत्रता की खोज में रहा है। वह बंधनों से मुक्त होकर अपने अनुसार जीवन जीना चाहता है। प्रायः लोग स्वतंत्रता का अर्थ यह समझ लेते हैं कि मन जो चाहे वही किया जाए, किसी नियम या अनुशासन को स्वीकार न किया जाए। किंतु यह स्वतंत्रता नहीं, बल्कि मन की दासता है। मन अत्यंत चंचल होता है। वह कभी इच्छाओं, कभी भय, कभी मोह और कभी अहंकार के प्रभाव में निर्णय लेता है। यदि मनुष्य केवल मन के पीछे चलता रहे, तो उसका जीवन दिशाहीन हो जाता है। वास्तविक स्वतंत्रता तब प्राप्त होती है, जब मनुष्य अपने विवेक को जागृत कर मन को नियंत्रित करना सीखता है। यही आत्मबोध की शुरुआत है।

आध्यात्मिक परंपराओं में कहा गया है कि मनुष्य का जीवन केवल भौतिक सुख प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति के लिए भी है। जब व्यक्ति अपने भीतर झांकता है, तब उसे अनुभव होता है कि बाहरी स्वतंत्रता से अधिक महत्वपूर्ण आंतरिक स्वतंत्रता है। बाहरी परिस्थितियां कभी भी पूर्णतः हमारे अनुकूल नहीं हो सकतीं, लेकिन जो व्यक्ति अपने विचारों, इच्छाओं और प्रतिक्रियाओं पर नियंत्रण प्राप्त कर लेता है, वही सच्चे अर्थों में स्वतंत्र कहलाता है। वास्तविक स्वतंत्रता अनुशासन, धैर्य और आत्मसंयम से जन्म लेती है। यह हमें अपने जीवन के उद्देश्य को समझने और उसी दिशा में स्थिर रहने की शक्ति देती है। ईश्वर के प्रति समर्पण, विचारों की पवित्रता और सकारात्मक दृष्टिकोण मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाते हैं।

अंततः स्वतंत्रता का अर्थ मन की प्रत्येक इच्छा को पूरा करना नहीं, बल्कि मन को सत्य, विवेक और आत्मिक चेतना के अनुरूप ढालना है। जब मनुष्य इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है, तभी उसका जीवन शांति, संतुलन और आत्मिक आनंद से भर उठता है।

आदित्य नारायण अवस्थी

खत्म होती सहज संवाद की संस्कृति

डा. मोनिका शर्मा

> तकनीक के जरिये दुनियाभर से जुड़े होने के बावजूद भावनात्मक अकेलापन आज एक कटु हकीकत है

मन के बिगड़ते मौसम की बात हो या आक्रोश में अपराध कर बैठने की। करीबी संबंधों में आई दूरी हों या अलगाव चुन लेने की मजबूरी। बहुत-सी पीड़ादायी स्थितियों के लिए संवाद की कमी ही जिम्मेदार है। समाज एवं परिवार में पसारती चुप्पी महामारी बन रही है। सहज बोलचाल की कमी अवसाद और अकेलेपन का धरातल तैयार कर रही है। आखिर एक दूजे के मन की सुनने वाला समाज इतना कैसे बदल गया? कहां गए वे लोग जो अपरिचितों से भी हालचाल पूछ लिया करते थे।

हाल में तयशुदा फीस लेकर लोगों का दुख सुनने से जुड़ा मुंबई के युवक का वीडियो वायरल हुआ। यह वाकया क्या सचमुच इतना ही सहज है? ज्ञात हो कि मुंबई के जुहू बीच पर एक युवक इन दिनों पैसे लेकर लोगों के दुख-दर्द सुन रहा है। उसने इसका रेट कार्ड भी तय किया है। वह युवा मामूली परेशानी के लिए 250 रुपये, बड़ी समस्या के लिए 500 रुपये, साथ बैठकर रोने यानी मन हल्का करने के लिए 1000 रुपये की फीस ले रहा है। देखा जाए तो यह सीधे-सीधे किसी को भावनात्मक सहायता देने के मानवीय भाव को एक व्यवसाय बना देने जैसा है। हालांकि यह भी कटु सच है कि उसके द्वारा दी जा रहीं सेवाएं अकेलेपन के परिवेश में इंसानों के सचमुच अकेले पड़ जाने के हालात को भी दर्शाती हैं। यूं तो पेशेवर डिग्रीधारी लोग उलझन के शिकार इंसान के मन की सुनने और सलाह देने की सेवाएं देते ही हैं, पर उस युवक का यह कदम समग्र समाज के समक्ष एक बड़ा प्रश्न उठाता है।

निस्संदेह, यह पहल अनोखी भी और आश्चर्यजनक भी। बावजूद इसके इसे केवल कौतुक भरा बर्ताव भर नहीं माना जा सकता। इसे बहुत संवेदनशीलता से देखा-समझा जाना आवश्यक है, क्योंकि आत्म-केंद्रित होते समाज में अकेले पड़ते लोगों की पीड़ा और परेशानियों से जुड़ा कितना कुछ अनसुना रह जाता है। युवा, बुजुर्ग, महिलाएं, पुरुष, बच्चे सभी के भीतर संवेदनाओं के मोर्चे पर बहुत कुछ दबा-सा ही रहता है। समस्याएं भले अलग हों, पर न सुने जाने की टीस तो हर किसी के मन में है।

तकनीक के जरिये दुनियाभर से जुड़े होने के बावजूद भावनात्मक अकेलापन आज एक कटु हकीकत है। शोध बताते हैं कि हमारे देश के शहरी इलाकों में 43 प्रतिशत लोग अक्सर अकेलापन महसूस करते हैं। उनके पास अपनी बात साझा करने का कोई कोना नहीं। दुख-तकलीफ को भीतर ही दबाकर जीने की स्थितियां मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी चिंतनीय हैं। साथ ही समाज में आते बिखराव की ओर भी इशारा करती हैं। समझना जरूरी है कि मोल चुकाकर समय लिया जा सकता है, पर अपनापन नहीं। मन-मस्तिष्क में उमड़ती बातें तो कही जा सकती हैं, पर समझने और उचित सलाह मिलने की आशा नहीं की जा सकती।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

उत्तरदायी नेतृत्व भी जरूरी

डा. ऋतु सारस्वत का आलेख 'भारतीय राजनीति का बदलता चेहरा' बंगाल विधानसभा चुनाव के उदाहरणों के माध्यम से भारतीय राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनकी बदलती भूमिका को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। अब महिलाएं केवल मतदान तक सीमित नहीं, बल्कि वे राजनीतिक विमर्श और नेतृत्व का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। आज शिक्षा, जागरूकता और आर्थिक आत्मनिर्भरता के कारण महिलाएं अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। पंचायतों से लेकर संसद तक उनकी भागीदारी निरंतर बढ़ रही है, जो लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है। बालिका शिक्षा, महिला स्वास्थ्य, आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने महिलाओं में आत्मविश्वास और सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। महिला आरक्षण से जुड़ा वर्तमान विमर्श भी इसी परिवर्तन की महत्वपूर्ण कड़ी है। राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति अब अपवाद नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आवश्यकता बनती जा रही है। यह तथ्य भी विचारणीय है कि राजनीति में केवल महिलाओं की संख्या बढ़ जाना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह पुरुष हो या महिला, से नैतिकता, संवेदनशीलता और जनउत्तरदायित्व की अपेक्षा की जाती है। कुछ अवसरों पर राजनीतिक कटुता, व्यक्तिगत स्वार्थ अथवा सत्ता-केंद्रित व्यवहार के उदाहरण ऐसे भी सामने आते हैं, जो लोकतांत्रिक आदर्शों को कमजोर करते हैं और महिला नेतृत्व से जुड़ी अपेक्षाओं पर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं। अतः आवश्यकता केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाने की नहीं, बल्कि ऐसे उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ नेतृत्व को प्रोत्साहित करने की है, जो समाज में विश्वास और प्रेरणा दोनों उत्पन्न कर सके।

pramodkgoelpnb2014@gmail.com

मितव्ययिता का संकल्प

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष बहुत बड़ा संकट बनकर सामने आया है। इससे होर्मुज जलमार्ग बाधित होने से तेल और गैस की आपूर्ति ठीक से नहीं हो पा रही है। इससे इसकी किल्लत बढ़ने के साथ कीमत भी बढ़ गई है। वैश्विक ऊर्जा इस संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल और गैस के उपयोग में संयम बरतने, विदेश यात्राओं और अनावश्यक खर्चों से बचने का आह्वान समय की आवश्यकता है। देशवासी निश्चित रूप से इस संकल्प में सहभागी बनने को तैयार हैं, क्योंकि भारत ने हर संकट में सामूहिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है। किंतु केवल आम नागरिकों से मितव्ययिता की अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं होगा। यदि केंद्र और राज्य सरकारें तथा पूरा शासकीय तंत्र भी इसी भावना को व्यवहार में उतारे, तब यह अभियान अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकेगा। आज भी मंत्रियों और उच्च पदस्थ जनप्रतिनिधियों के भारी-भरकम काफिले, छोटी-छोटी दूरियों के लिए हेलिकाप्टर और चार्टर्ड विमानों का उपयोग, सरकारी आयोजनों पर अनावश्यक व्यय तथा सुविधाओं की निरंतर बढ़ती संस्कृति जनता के मन में प्रश्न खड़े करती है। जब आम नागरिक से ईंधन बचाने और खर्च घटाने की अपील की जा रही हो, तब सत्ता और प्रशासन को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। लोकतंत्र में नेतृत्व का सबसे बड़ा प्रभाव उसके आचरण से पड़ता है। सबसे अधिक पुनर्विचार की आवश्यकता जनप्रतिनिधियों को दी जाने वाली आजीवन पेंशन और विभिन्न प्रकार के भत्तों पर है। एक कार्यकाल पूरा होते ही पेंशन की पात्रता, जबकि देश का बड़ा वर्ग न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा से भी वंचित हो, आर्थिक न्याय की भावना के अनुकूल नहीं कही जा सकती। संकट के समय इन सुविधाओं में कटौती या अस्थायी रोक से सरकारें जनता के बीच सकारात्मक संदेश दे सकती हैं। ऊर्जा और आर्थिक संकट में यदि नागरिकों के साथ-साथ सरकारें, जनप्रतिनिधि भी मितव्ययिता का पालन करें, तो यह त्याग एकतरफा न होकर राष्ट्रीय संकल्प बन जाएगा।

खुमानसिंह चुंडावत, मंदसौर

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : response@jagran.com

संस्थापक- स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक- स्व. नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन- महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

25 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है वैश्विक शोध प्रकाशनों में चीन की हिस्सेदारी, जो इस सदी के आरंभ में केवल पांच प्रतिशत थी। शोध और विकास पर चीन वार्षिक रूप से 500 डालर से भी अधिक खर्च करता है।

डा. संजय वर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, बेनेट यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा

आजकल

रणभूमि में 'सूचना युद्ध' की आधुनिक रणनीति

अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्ष केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि बहुआयामी (मल्टी-डोमेन) है, जिसमें सूचना, मीडिया और नैरेटिव कंट्रोल की बड़ी भूमिका है। असल में, 21वीं सदी के भू-राजनीतिक संघर्षों में युद्ध केवल सरहदों पर नहीं लड़े जा रहे हैं। बल्कि मोबाइल स्क्रीन, इंटरनेट मीडिया पोस्ट, टीवी स्टूडियो, मीम्स, हैशटैग्स और राजनीतिक भाषणों के जरिये शब्दों-छवियों के बाण चलाए जा रहे हैं। यहां 'सूचना' की एक अहम भूमिका बन गई है। कुल मिलाकर युद्ध के संदर्भ में नैरेटिव गढ़े जाने के तरीके बिल्कुल बदल गए हैं, जिसे बीते वर्षों में हुए कुछ युद्धों-संघर्षों में देखा-समझा गया है

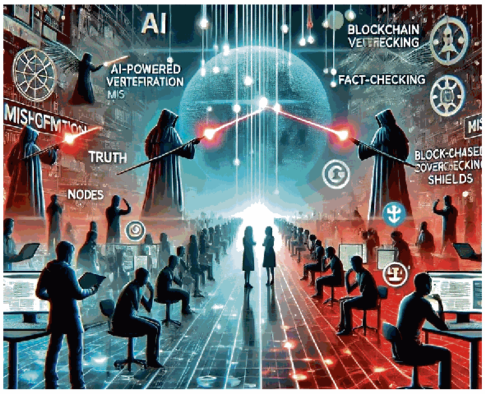

प्रतीकात्मक

युद्ध के दौरान या उससे पहले और उसके बाद भी, नैरेटिव गढ़ने के मामले पहले से काफी बदल गए हैं। बीते साल 'आपरेशन सिंदूर' में बुरी तरह पटखनी खाने के बाद पाकिस्तान ने मीडिया पर जैसा नैरेटिव गढ़ा, उससे दुनिया में ऐसा मानने वालों की संख्या बढ़ गई कि भारत ने भले ही ब्रह्मोस मिसाइलों के जरिये उसके दर्जनों ठिकाने तबाह कर दिए, लेकिन मीडिया की जंग में पाकिस्तान जीत गया।

पारंपरिक युद्धों में गोलियां, मिसाइलें और टैंक निर्णायक माने जाते हैं, लेकिन अतीत के संदर्भ भी यह गवाही देते रहे हैं कि किसी संघर्ष में सूचनाएं कैसे असरदार हथियार बन जाती हैं। इसकी मिसालें भारत के महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों में भी मिलती हैं। महाभारत में सूचना युद्ध का सबसे प्रमुख उदाहरण अपने गुरु द्रोणाचार्य के सामने युधिष्ठिर का "अश्वत्थामा हतो हतः" (अश्वत्थामा मारा गया) बयान था। यह एक सोची-समझी मनोवैज्ञानिक चाल थी, जिसमें एक सच (हाथी मारा गया) को छिपाकर, एक झूठ (द्रोणाचार्य के पुत्र- अश्वत्थामा की मृत्यु) फैलाकर द्रोणाचार्य का मनोबल तोड़ा गया था।

सूचना युद्ध कोई नई घटना नहीं है। प्राचीन काल से ही राजा-महाराजा शत्रु के मनोबल को तोड़ने के लिए अफवाहें फैलाते थे। द्वितीय विश्व युद्ध में प्रचार मंत्रालयों ने फिल्मों, पोस्टरों और रेडियो का इस्तेमाल किया था। खास तौर से हिटलर ने इसके लिए बाकायदा प्रोपेगंडा मंत्री तक नियुक्त किया। 21वीं सदी में इंटरनेट मीडिया, एआइ-जेनरेटेड वीडियो और चौबीसों घंटे वैश्विक न्यूज साइकिल ने इस सूचना-युद्ध को बहुआयामी बना दिया है। इस इंफोर्मेशन वारफेयर का सबसे ताजा उदाहरण हाल के तनावों के दौरान ईरानी पक्ष की ओर से आया यह बयान है, जिसमें अमेरिका को चेताते हुए कहा गया- 'अगर तुम शेर के बाहर निकले हुए दांत देखो, तो यह मत समझो कि शेर मुस्कुरा रहा है।'

यह केवल एक चेतावनी नहीं है, यह मनोवैज्ञानिक युद्ध का हिस्सा है। इस एक वाक्य में भय, शक्ति, प्रतीक और संदेश- चारों तत्व मौजूद हैं। आधुनिक कूटनीति में अब शब्द भी मिसाइल की तरह दागे जाते हैं। जब दो शक्तियां एक- दूसरे पर आरोप लगाती हैं, तो वे भाषा को निशाना बनाती हैं, और शब्दों को गोला-बारूद जैसा हथियार बना लेती हैं।

युद्ध का नया चेहरा : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव नया नहीं है। दोनों के बीच बीते कई दशकों से तनाव कायम रहा है। अमेरिका ईरान के परमाणु हथियारों के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है। इसे लेकर वर्ष 2025 में भी ईरान पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई हुई थी। लेकिन हालिया वर्षों में यह संघर्ष केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं रहा। दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ नैरेटिव गढ़ने में जुटे हैं। पिछले लंबे समय से अमेरिका ईरान को 'दुनिया का सबसे बड़ा आतंक का प्रायोजक' बताता है, जबकि ईरान अमेरिका को 'ग्लोबल बुली' और 'साम्राज्यवादी ताकत' कहता है।

इस तरह की शब्दावली का इस्तेमाल महज संयोग नहीं है। यह एक सोची-समझी रणनीति है। सूचना युद्ध (इंफोर्मेशन वारफेयर) का उद्देश्य केवल विरोधी देश को बदनाम करना नहीं होता, बल्कि अपने नागरिकों, सहयोगी देशों और वैश्विक जनमत को प्रभावित करना भी होता है। इसलिए हर बयान, हर पोस्ट, हर वीडियो और हर फोटो एक 'संदेश' बन जाता है।

इसके लिए आधुनिक युद्धों में सैन्य अभियानों के नामकरण भी किए जाते हैं और उनसे स्पष्ट संदेश और संकेत दिए जाते हैं। जैसे अमेरिका ने ईरान के खिलाफ छेड़े संघर्ष में 'आपरेशन रोअरिंग लायन', 'एपिक फ्यूरी' जैसे नामों का इस्तेमाल किया। इन नामों में आक्रामकता, शक्ति और भय का मनोवैज्ञानिक असर छिपा है।

भाषाई अंतर बनाम वैचारिक युद्ध : आज की कूटनीति में भाषा सैन्य हथियार बन चुकी है। अमेरिका फ्रीडम, डेमोक्रेसी, ग्लोबल सिक्योरिटी जैसे शब्दों का इस्तेमाल करता है। दूसरी ओर ईरान रेजिस्टेंस, शहादत, इस्लामिक गरिमा और साम्राज्यवाद विरोध जैसी शब्दावली अपनाता है। यह केवल भाषाई अंतर नहीं, बल्कि वैचारिक युद्ध है। जब अमेरिकी राष्ट्रपति किसी सैन्य कार्रवाई को 'फ्रीडम आपरेशन' कहते हैं, तो उसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नैतिक वैधता हासिल करना होता है।

वहीं ईरान उसी कार्रवाई को 'आक्रमण' और 'औपनिवेशिक हिंसा' बताता है। इस तरह एक ही घटनाक्रम के दो अलग-अलग नैरेटिव सामने आते हैं। फरवरी 2026 के अंत में शुरू हुए संघर्ष को ट्रंप प्रशासन ने एक "सैन्य अभियान" कहते हुए पूर्ण युद्ध से इन्कार किया है, जबकि ईरान ने इसे अमेरिका की ओर से छेड़ा गया "आक्रामक साम्राज्यवाद" कहा है। हालांकि ऐसा करते हुए भी ट्रंप की भाषा अतिरंजित है।

हालांकि इन बयानों की वैश्विक स्तर पर आलोचना भी हुई। मानवाधिकार संगठनों ने कहा कि ऐसी भाषा के इस्तेमाल से ट्रंप और अमेरिका "युद्ध अपराधों" की धमकी दे रहे हैं। इसके मुकाबले ईरानी पक्ष की भाषा अधिक सूक्ष्म और धार्मिक रंग में रंगी दिखाई दी। ईरानी नेतृत्व ने चतुराई के साथ "प्रतिरोध की धुरी" (एक्सिस आफ रेजिस्टेंस), "इस्लामी गणतंत्र की अजेयता" और "शहीदों का खून" जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

ईरान की सूचना रणनीति में धार्मिक भाषा की भी बड़ी भूमिका नजर आई। ईरान के सर्वोच्च नेता और आइआरजीसी से जुड़े वक्ता कुरान, शहादत और इस्लामी प्रतिरोध की शब्दावली का उपयोग करते रहे।

इंटरनेट मीडिया का नया युद्धक्षेत्र : सूचना युद्ध का इतिहास देखें, तो एक समय युद्ध के दौरान रेडियो और अखबार महत्वपूर्ण थे। लेकिन अब ट्विटर (एक्स), इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और यूट्यूब इसके सबसे प्रभावशाली हथियार हैं। दावे हैं कि अमेरिका से संघर्ष के दौरान, ईरान ने इंटरनेट मीडिया पर एआइ-जनित तस्वीरों, वीडियो और मीम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया। इंटरनेट मीडिया पर डाली गई कई पोस्टों में अमेरिकी हमलों की विफलता का दावा किया या फिर अमेरिकी खेमे को हुए नुकसान को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। दूसरी ओर अमेरिकी और पश्चिमी मीडिया ने ईरानी दावों को 'डिसइंफोर्मेशन' (जानबूझकर फैलाई गई झूठी, भ्रामक या तोड़-मरोड़ कर पेश की गई जानकारी) करार दिया।

अमेरिकी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने आरोप लगाया कि ईरान एआइ की मदद से 'फर्जी वैश्विक नैरेटिव' बना रहा है। पहले प्रचार सामग्री बनाने में समय लगता था। अब एआइ कुछ मिनटों में युद्ध का नकली वीडियो बना सकता है। किसी विस्फोट की नकली तस्वीर वायरल की जा सकती है। केवल ईरान ही नहीं, दुनिया के कई देश आजकल एआइ-संचालित नैरेटिव युद्ध को आजमा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा खतरा यह है कि अब 'सच' और 'झूठ' के बीच अंतर करना कठिन होता जा रहा है। यदि कोई वास्तविक तस्वीर भी सामने आती है, तो लोग उसे 'एआइ-जनित' कहकर खारिज कर दिया जाता है। ऐसा आजकल बहुत सारे मामलों में देखा जा रहा है। यानी सूचना युद्ध का अगला चरण 'विश्वास का संकट' है।

तकनीक के युग में युद्ध की बदलती भाषा

सूचना के युद्ध में एआइ-जनित झूठ, शब्दावली, धमकियों और गंभीर भाषणों से आगे मीम्स और ट्रोल आर्मी की भी बड़ी भूमिका है। ईरानी समर्थक अकाउंट अमेरिकी नेताओं का मजाक उड़ा रहे हैं, तो अमेरिकी समर्थक अकाउंट ईरानी शासन को पिछड़ा और दमनकारी बता रहे हैं। राजनीतिक मीम अब 'डिजिटल पोस्टर' बन चुके हैं। अमेरिका-ईरान तनाव के दौरान इंटरनेट मीडिया के हजारों अकाउंट एक ही प्रकार के संदेश फैलाते दिखाई दिए। शोध रिपोर्ट्स में बताया गया है कि फारसी ट्विटर (एक्स) स्पेस में 'इनआथेंटिक अकाउंट्स' यानी नकली या समन्वित अकाउंट्स ने बड़े पैमाने पर नैरेटिव गढ़ने का काम किया। सूचना युद्ध का सबसे दिलचस्प पहलू 'फ्रेमिंग' है। मिसाल के तौर पर यदि कोई हमला अमेरिका करे, तो पश्चिमी मीडिया उसे 'सर्जिकल स्ट्राइक' कह सकता है। वही हमला विरोधी देश करे, तो उसे 'आतंकी कार्रवाई' कहा जा सकता है। ईरान अपने क्षेत्रीय सहयोगियों को 'रेजिस्टेंस फोर्स' कहता है, जबकि पश्चिमी देश उन्हें 'प्राक्सी मिलिशिया' बताते हैं।

असल में, मीडिया की भाषा जनता की धारणा बदल देती है। यही वजह है कि युद्ध के समय शब्दों का चयन बेहद रणनीतिक होता है। साथ ही, सूचना युद्ध में केवल संदेश फैलाना ही महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि विरोधी संदेश रोकना भी उतना ही अहम है। ईरान पर लंबे समय से इंटरनेट सेंसरशिप और नेटवर्क कंट्रोल के आरोप लगते रहे हैं। ध्यान रहे कि संघर्ष में शामिल हर देश युद्ध में खुद को 'पीड़ित' साबित करना चाहता है। क्योंकि वैश्विक सहानुभूति एक रणनीतिक पूंजी है। ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों, हमलों और पश्चिमी दबाव को 'अन्याय' बताता है। वहीं अमेरिका ईरान की मिसाइल नीति और क्षेत्रीय नेटवर्क को वैश्विक खतरा बताता है। अमेरिका की ओर से इंटरनेट मीडिया पर घायल बच्चों, तबाह इमारतों और रोती महिलाओं की तस्वीरें तेजी से फैलाई जाती हैं। 'इमोशनल प्रोपेगंडा' कहलाने वाली हालीवुड शैली की इस दृश्य राजनीति में अमेरिका लंबे समय से आगे रहा है। प्रेस कान्फ्रेंस, सैन्य वीडियो, ड्रोन फुटेज और हाइ-टेक ग्राफिक्स उसके नैरेटिव को प्रभावशाली बनाते हैं। इसका मुकाबला ईरान भी सिनेमाई शैली में कर रहा है। इसके लिए वह 'विजुअल वारफेयर' का चुनाव करते हुए वीडियो जारी करता है, जिसमें बैकग्राउंड संगीत, धार्मिक नारों और सैनिकों की भावनात्मक तस्वीरों के साथ धीमी गति में उड़ती मिसाइलें दिखाई जाती है। चूंकि आज की पीढ़ी लंबा भाषण नहीं सुनती, वह 20 सेकेंड का वीडियो देखती है। इसलिए युद्ध की भाषा भी बदल गई है।

(डा. संजय वर्मा)

खरी-खरी

इंटरनेट मीडिया पर कुश्ती

विनय कुमार पाठक

कुश्ती की जब बात आती है तो कई बातें ध्यान में आती हैं। मसलन भारत में कुश्ती की शुरुआत एक व्यायाम के रूप में हुई थी। शाही परिवारों के लिए यह मनोरंजन का जरिया था। अब यह पेशेवर खेल के रूप में उभर गया है। गामा पहलवान के नाम से तो अब एक महत्वपूर्ण प्रश्न बन चुका है कि क्या खुद को गामा पहलवान समझते हो?

कुश्ती में भिड़ने वालों की अपेक्षा कुश्ती देखने वाले ज्यादा आनंद लेते हैं। पर अब कुश्ती सिर्फ खेल के रूप में नहीं रह गया है। एक पहलवान तो दुनिया में मुकाम हासिल करने के बाद कारागार की शोभा बढ़ा रहे हैं।

गोंडा में चल रहे नेशनल ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट ने साबित कर दिया है कि भारतीय कुश्ती में मुकाबले केवल अखाड़े तक सीमित नहीं हैं। जितने मुकाबले अखाड़े में होते हैं, उससे अधिक मुकाबले इंटरनेट मीडिया पर होते हैं। अब यह दर्शक की अपनी रुचि है कि वह अखाड़े में होने वाली प्रतिद्वंद्विता को पसंद करता है या इंटरनेट मीडिया पर होने वाले जुबानी जंग को। अभी इंटरनेट मीडिया पर होने वाले जिस जुबानी जंग की बात हो रही है उसमें अभूतपूर्व पहलवान शामिल हैं, जो अपने नाम के साथ पूर्व शब्द हटाने की फिराक में हैं तो कुश्ती संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष भी शामिल हैं, जिनका दावा है कि दबदबा रहेगा।

हुआ दरअसल यह है कि पहलवान ने कुश्ती के दांव के स्थान पर इंटरनेट मीडिया में एक शायरी चेंप दी। इस शायरी का जवाब शायरी में ही तंज करके दिया जा रहा है। अब चौदह सौ पहलवान जो कुश्ती लड़ रहे हैं, उनसे ज्यादा चर्चा उस पहलवान की हो रही है, जो अभी कुश्ती नहीं लड़ रहा है। जो पहलवान अखाड़े में मौजूद न हो और जो व्यक्ति कुश्ती संघ से संबंधित नहीं हो, उनके बीच जुबानी दांव पेंच चलना भी कुश्ती के दांव पेंच से कम मनोरंजक नहीं होता। अभी सारे समाचार पत्रों को ले लें, सभी टीवी चैनल को ले लें, सभी पर इस दंगल की चर्चा है। देखें इंटरनेट मीडिया पर चल रही यह कुश्ती कुश्तीप्रेमियों को कितना पसंद आती है और इसका परिणाम क्या निकलता है।

पोस्ट

भाजपा ने चुनाव में अन्नामलाई को जिस तरह किनारे किया, उसकी तमिलनाडु में उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी।
प्रकाश सिंह@singh_prakash

केरलम को लेकर जारी कशमकश बताती है कि कांग्रेस पार्टी के साथ क्या गड़बड़ है?
हैप्पीमोन जैकब@HappymonJacob

तमिलनाडु के जिस गठबंधन में कांग्रेस के महज पांच विधायक हैं, उसकी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में तो राहुल गांधी हाजिरी लगा चुके, लेकिन जिस केरलम में उनकी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला, उसकी कमान के लिए वे आम राय से अभी तक कोई नाम तय नहीं कर पाए हैं।
पोलोमी साहा@PoulomiMSaha

जनता पेट्रोल- डीजल का प्रयोग कम कर देगी। वर्क फ्राम होम भी कर लेगी, लेकिन तमाम नेताजी लोगों के साथ पचासों गाड़ियों का चलता कारवां भी बंद होना चाहिए। रोडशो टाइप शक्ति प्रदर्शन पर विराम लगना चाहिए। अनुशासन का उदाहरण ऊपर से आए तो ज्यादा प्रभावी होता है, वरना बस भाषण ही बन जाता है।
अतुल कुमार राय@AuthorAtul

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या द्रमुक और कांग्रेस के रिश्तों में खटास आइएनडीआइए की स्थिति को कमजोर करेगी?

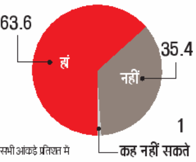

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या विदेशी मुद्रा की बचत और ईंधन के किफायती उपयोग की प्रधानमंत्री की अपील पर विपक्ष की आपत्ति सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

सोना तो छह माह से खूब चल रहा तेज,
बेहतर हो, कुछ दिन करें लेने से परहेज।
लेने से परहेज न लेंगे सोना-चांदी,
तो बंधू किस ओर हो रही सेहत आधी!
राहुल और अखिलेश शुरू कर बैठे रोना,
जिन्हें इलेक्शन बीच बहुत भाता है सोना!!
-ओम प्रकाश तिवारी

डा. सुनील गुप्ता
संपादकीय प्रभारी, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ डायरी

धरातल पर सुशासन की वास्तविक पड़ताल

छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार का दौर चल रहा है। इसका जिक्र इसलिए, क्योंकि राज्य सरकार इसके जरिये केंद्र व राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की ग्राउंड जीरो पर जाकर पड़ताल कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं जिलों के दौरे कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं और इसके क्रियान्वयन की जिन अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे हकीकत से सीधे तौर पर दो-चार हो रहे हैं या नहीं, गांवों में पहुंचकर इसे देख रहे हैं।

सुशासन तिहार के दौर में सबसे ज्यादा चर्चा रिफार्म को लेकर हो रही है। राज्य सरकार ने हाल के दिनों में एक साथ 42 आइएएस अफसरों के प्रभार में बदलाव किया है। भाजपा के सत्ता में आने के ढाई साल बाद इसे बड़ी सर्जरी माना जा रहा है। मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री के कार्यालयों में पदस्थ आइएएस अफसरों के प्रभार में भी बड़ा बदलाव किया गया है। सुशासन तिहार में सरकार के इस रिफार्म की चर्चा इसलिए भी जरूरी हो जाती है, क्योंकि यही अफसर सरकार के असली चेहरे हैं। सरकार के कामकाज को धरातल पर ले जाना, अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना और इसके जरिये सरकार की छवि चमकाने का काम करना इन्हीं जिम्मेदार अफसरों का काम है। यही सरकार के आंख, कान और चेहरा हैं।

जिन अफसरों के कार्यभार में बदलाव कर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, उनमें से आधे से अधिक के बारे में यह कहा जाता है कि ये सभी परिणाम देने में भरोसा करने वाले अफसर हैं। तभी तो मुख्यमंत्री और राज्य सरकार ने इन पर भरोसा जताते हुए अहम जिम्मेदारी सौंपी है। अब इनकी जिम्मेदारी होगी कि वे सुशासन तिहार के निपटते ही सरकारी कामकाज को गति दें, और लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। जिले में जिन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है

कबीरधाम में राजमिस्त्री एवं महिलाओं से चर्चा करते हुए विष्णु देव साय। डीपीआर

उनके कामकाज की समीक्षा भी दो माह बाद होगी। सरकार के मापदंड में खरे नहीं उतरने वाले अफसरों की विदाई भी तय है। ऐसे में जहां इन अफसरों के लिए यह परीक्षा की घड़ी होगी, वहीं प्रदेश की जनता के लिए भी बड़ा अवसर होगा। धरातल पर बेहतर कामकाज होने से उनकी समस्याओं का त्वरित निदान होगा, जो कि सही मायने में सुशासन है।

सीएम के तेवर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की छवि एक सौम्य नेता के रूप में है। प्रायः शांत भाव से कामकाज को परखने और अफसरों को निर्देश देने में भरोसा रखते हैं। हाल के दिनों में बलरामपुर में संभागीय बैठक के दौरान उनका कड़क रूप देखने को मिला। राज्य की सड़कों को लेकर जनता बेहद परेशान है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में जनहित याचिका चल रही है सो अलग। लिहाजा संभागीय बैठक के दौरान बलरामपुर की सड़कों को लेकर पीडब्ल्यूडी के अफसर के जवाब से वे उखड़ गए और मीटिंग से अफसर को सीधे आउट कर दिया। उनके इस स्वभाव को देखकर अफसर पूरे समय सहमे रहे। कलेक्टर के कामकाज को लेकर भी नाराजगी जताई। सरगुजा से राजधानी लौटने के तीसरे दिन बलरामपुर कलेक्टर की विदाई हो गई। बलरामपुर के अलावा चार जिले के कलेक्टर बदल गए। सरकारी योजनाओं की रफ्तार अपने आप बढ़ती दिखाई दे रही है।

योजनाओं की पड़ताल : मुख्यमंत्री अपने औचक निरीक्षण के दौरान हर जगह ग्राउंड जीरो पर पहुंच रहे हैं और योजनाओं की बारीकी से पड़ताल कर रहे हैं। हाल के दिनों में मुख्यमंत्री अंबिकापुर, बलरामपुर और कबीरधाम जिलों में पहुंचे। उनका हेलिकाप्टर कबीरधाम जिले के एक गांव में उतरा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाएं मकान बनाने का काम कर रही थीं। वहां उनका काफिला रुक गया। सीएम कार से उतरे और सीधे महिलाओं की ओर रुख किया। सीएम को आते देख महिलाएं अपनी जगह पर ठिठक गईं। तब महिलाएं दोपहर भोजन के लिए हाथ में टिफिन लिए छांव की तलाश में थीं। मुख्यमंत्री उनके पास पहुंचे, अपना परिचय दिया और पेड़ की छांव पर उनके साथ बैठ गए। भोजन करतीं महिलाओं से योजनाओं के बारे में पूछना शुरू किया। पीएम आवास को लेकर पूछा, सहजता से मिल जा रहा है या फिर अधिकारी रिश्वत की मांग करते हैं। समय पर राशन मिल रहा है या नहीं और महतारी वंदन योजना को लेकर सीएम ने सीधे सवाल किया। यानी ग्रामीणों के साथ भोजन करना और इस बहाने धरातल पर जाकर योजनाओं की जानकारी लेने का काम सीएम स्वयं ही कर रहे हैं।

मंथन

गजेंद्र सिंह
लोक नीति विश्लेषक

शिक्षा-शोध की हो स्पष्ट नीति

हमारे देश को एक ऐसा मजबूत तंत्र खड़ा करने की आवश्यकता है, जहां सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भविष्य में वैश्विक स्तर के शोध में अपना योगदान दे सके

प्रतीकात्मक

हार्वर्ड विश्वविद्यालय बीती एक सदी से वैश्विक शोध का प्रतीक रहा है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं की लंबी सूची, अरबों डालर का कोष और बौद्धिक प्रभाव इसके साथ जुड़ा रहा है। ऐसे में 2026 में जारी सीडब्ल्यूटीएस लीडेन रैंकिंग 2025 में झेजियांग विश्वविद्यालय का शोध उत्पादन और प्रभाव के मामले में शीर्ष पर पहुंचना केवल एक रैंकिंग का बदलाव नहीं, बल्कि दुनिया में ज्ञान और शोध की बदलती धुरी का संकेत है। इस रैंकिंग की एक खास बात यह भी है कि शीर्ष 10 में से आठ विवि चीन के हैं। यह रैंकिंग वेब आफ साइंस डाटाबेस पर आधारित है, जिसमें मुख्य जोर शोध प्रकाशन की संख्या और उनके प्रभाव पर है। यहां महत्व इस बात को दिया जाता है कि आज कितना प्रभावशाली और प्रासंगिक शोध किया जा रहा है।

चीन ने यह बदलाव सोची-समझी रणनीति के तहत हासिल किया है। साल 2000 में वैश्विक शोध प्रकाशनों में उसकी हिस्सेदारी लगभग पांच प्रतिशत थी, जो आज बढ़कर 25 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गई है। शोध और विकास पर उसका खर्च भी सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2.4 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जो सालाना 500 अरब डालर से अधिक बैठता है। सबसे अहम बात यह है कि चीन ने अपने विश्वविद्यालयों को सीधे राष्ट्रीय औद्योगिक लक्ष्यों से जोड़ दिया है। उदाहरण के तौर पर, इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में विश्वविद्यालयों का शोध सीधे उद्योग के काम आता है, और इसी तालमेल से सीएटीएल जैसी कंपनियां आज वैश्विक बाजार में अग्रणी बन गई हैं। शैक्षणिक संस्थानों के पास साइंस सिटी विकसित करके ऐसा तंत्र खड़ा किया गया, जिसने अनुसंधान को सीधे व्यावसायिक उत्पादन से जोड़ते हुए प्रक्रिया को तेज व सुगम बना दिया।

भारत की कमजोर नींव : भारत की स्थिति इससे काफी अलग और कुछ हद तक विरोधाभासी दिखाई देती है। एक ओर भारत आज दुनिया में वैज्ञानिक शोध पत्रों का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और उसके पास 1100 से अधिक विश्वविद्यालय तथा 40 हजार से ज्यादा कालेज हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसी नीतियां शिक्षा सुधार की दिशा में स्पष्ट दृष्टि देती हैं, और अपार आइडी जैसे डिजिटल प्रयास 33 करोड़ से अधिक छात्रों को जोड़ चुके हैं। लेकिन दूसरी ओर, जमीनी हकीकत चिंता पैदा करती है। 14-18 वर्ष के लगभग 25 प्रतिशत छात्र कक्षा दो के स्तर का पाठ ठीक से नहीं पढ़ पाते। दस लाख सरकारी स्कूलों में केवल एक शिक्षक हैं। केवल 54 प्रतिशत स्नातक ही रोजगार के लिए तैयार माने जाते हैं। यानी भारत में एक तरफ तेजी से बढ़ती ऊपरी संरचना है, लेकिन नींव अभी कमजोर है।

बजट के स्तर पर भी एक स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। केंद्रीय बजट 2026 में स्कूली शिक्षा के लिए लगभग 83 हजार करोड़ और उच्च शिक्षा के लिए करीब 55 हजार करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है, जो जीडीपी का लगभग चार प्रतिशत ही है, जबकि लंबे समय से इसे छह प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। केवल तीन प्रतिशत छात्रों को शिक्षित करने वाले आइआइटी, एनआइटी व आइआइएम जैसे संस्थान उच्च शिक्षा बजट का लगभग आधा हिस्सा प्राप्त कर रहे हैं, जबकि अधिकांश छात्र संसाधन-संकट से जूझ रहे राज्य विश्वविद्यालयों और कालेजों में पढ़ते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि सामाजिक कल्याण पर खर्च गलत है, यह आवश्यक जिम्मेदारी है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह खर्च लंबे समय में लोगों को सक्षम बना रहा है? चुनौती यह है कि सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा-शोध में निवेश के बीच बेहतर संतुलन बनाया जाए, ताकि आज का खर्च कल की मजबूत मानव पूंजी में बदल सके और देश की शिक्षा व शोध क्षमता वास्तव में बढ़ सके।

वहीं भारतीय परिवार हर साल लगभग ढाई से तीन लाख करोड़ रुपये तक विदेश में शिक्षा पर खर्च कर रहे हैं। यह केवल प्रतिभा पलायन नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था में अवसर, गुणवत्ता और भरोसे की कमी का संकेत भी है। उच्च अंक प्राप्त करने वाला अभ्यर्थी भी कई बार केवल इस कारण दाखिले से वंचित रह जाता है कि उसका जन्म किसी विशेष जाति या धर्म में नहीं हुआ। निजी क्षेत्र का शोध और विकास में योगदान अभी 40 प्रतिशत से भी कम है, जबकि विकसित देशों में यही हिस्सा 70 प्रतिशत से अधिक होता है। इसका असर यह होता है कि हमारा शोध कई बार जमीन से जुड़ी समस्याओं को हल करने के बजाय केवल शोध पत्रों तक सीमित रह जाता है। यानी ज्ञान तो बनता है, लेकिन उसका उपयोग कम हो पाता है।

भारत के पास भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन उसकी चुनौतियां भी उतनी ही गहरी और जटिल हैं। असल सवाल यह नहीं है कि भारत हार्वर्ड या झेजियांग जैसे विवि बना सकता है या नहीं। असली सवाल यह है कि क्या भारत ऐसा मजबूत तंत्र खड़ा कर सकता है, जहां एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला बच्चा, जो आज बुनियादी पढ़ाई में संघर्ष कर रहा है, कल वैश्विक स्तर के शोध में योगदान दे सके। जब तक यह कड़ी मजबूत नहीं होगी, तब तक भारत की प्रगति समग्रता में संभव नहीं है।

दिल्ली के काम आई मिलर की वापसी

अक्षर और मिलर के अर्धशतक की बदौलत दिल्ली ने लगभग हारे हुए मैच में पंजाब किंग्स को तीन विकेट से किया पराजित

नीरज व्यास • जागरण

धर्मशाला: जब टीम मैच विनर खिलाड़ी को बाहर करती है तो जीत उसके हाथों से फिसलने लगती है और जब वह खिलाड़ी वापस आता है तो सबकुछ बदल जाता है। कुछ ऐसा ही दिल्ली कैपिटल्स के साथ हो रहा था। पथुम निसंका, ट्रिस्टन स्टब्स, लुंगी नगिदी और मिशेल स्टार्क को खिलाने के कारण कप्तान अक्षर पटेल पिछले तीन मैचों से डेविड मिलर को अंतिम एकादश में नहीं रख रहे थे क्योंकि आइपीएल में एक टीम चार ही विदेशी खिलाड़ी उतार सकती है।

पिछले तीनों मैचों में दिल्ली को बुरी तरह हार मिली। इसके बाद दिल्ली के टीम प्रबंधन ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स के विरुद्ध मैच में ओपनर निसंका की जगह मध्यक्रम के डेविड मिलर को मौका दिया। मिलर ने छठे नंबर पर उतरते हुए 51 रनों की ऐसी शानदार पारी खेली जिससे एक समय हार की कगार पर पहुंच गई दिल्ली कैपिटल्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत हासिल की। 33 रनों पर तीन विकेट गंवाने वाली दिल्ली ने 19वें ओवर में ही पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हरा दिया। एक समय असंभव से दिख रहे 211 रनों के लक्ष्य को मिलर और अक्षर ने संभव कर दिखाया। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर ने भी शानदार अर्धशतक लगाया। 2025 के बाद दिल्ली के लिए पहला मैच खेल रहे माधव तिवारी ने भी गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में कमाल किया। उन्होंने दो विकेट लेने के साथ आठ गेंद पर नाबाद 18 रन बनाकर जीत में अहम योगदान दिया। और इंपैक्ट प्लेयर आशुतोष के तो कहने ही क्या। उनकी 10 गेंद पर 24 रन की पारी ने असली इंपैक्ट डाल दिया।

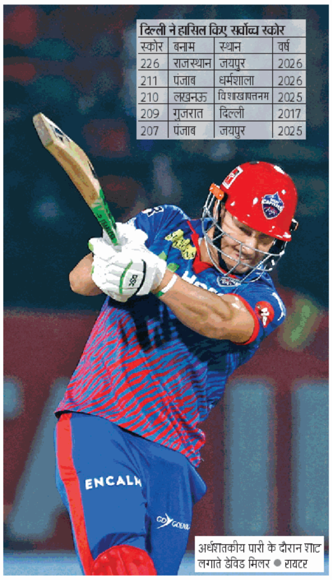

दिल्ली ने हासिल किए सर्वोच्च स्कोर

स्कोर	बनाम	स्थान	वर्ष
226	राजस्थान	जयपुर	2026
211	पंजाब	धर्मशाला	2026
210	लखनऊ	विशाखापत्तनम	2025
209	गुजरात	दिल्ली	2017
207	पंजाब	जयपुर	2025

अर्धशतकीय पारी के दौरान शाट लगाते डेविड मिलर • रायटर

श्रेयस की खराब रणनीति: पिछली बार की उपविजेता पंजाब ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 210 रन बनाए। दिल्ली की जीत ने उसकी प्लेआफ की राह कठिन कर दी है। पंजाब की इस सत्र में यह लगातार चौथी हार है और उसे अब बचे तीनों मैच जीतने होंगे। हालांकि दिल्ली की प्लेआफ में पहुंचने की संभावना न के बराबर है। इस हार में पंजाब के कप्तान श्रेयस की खराब रणनीति का भी बहुत योगदान रहा। उन्होंने विकेट टेकर स्पिनर युजवेंद्र सिंह चहल से कोई ओवर नहीं कराया। विकेट लेने के चक्कर में उन्होंने अपने मुख्य तेज गेंदबाजों मार्को जेनसेन और अर्शदीप के ओवर 16 ओवर तक ही पूरे करवा दिए। जिसके कारण डेथ ओवर में बेन ड्वारशुइस, स्टोइनिस और यश ठाकुर को ओवर देने पड़े जिनको कूटना काफी आसान काम था। दोनों टीमों ने यहां पर स्पिनरों से एक भी ओवर नहीं कराया।

प्रियांश की शानदार बल्लेबाजी: दिल्ली ने टास जीतकर पंजाब को बल्लेबाजी के लिए बुलाया तो प्रियांश ने चौकों-छक्कों की बारिश कर दी। उनके 56 और अय्यर के 59 रनों की बदौलत पंजाब ने 200 का आंकड़ा पार किया। हालांकि तेज शुरुआत के बाद पंजाब ने अपेक्षाकृत धीमी बल्लेबाजी की। प्रियांश और प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। पंजाब किंग्स ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 72 रन बनाए तो ऐसा लग रहा था कि टीम 230 के पार पहुंचेगी लेकिन ऐसा हो नहीं सका।

9 वीं बार पंजाब की टीम 200 या उससे ज्यादा के स्कोर का बचाव करने में असफल रही, रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु सात और चेन्नई सुपर किंग्स छह बार इस मामले में विफल रही है

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स: 210/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
प्रियांश का. साहिल बो. माधव	56	33	2/6
प्रभसिमरन का. आकिब बो. मुकेश	18	15	3/0
श्रेयस अविजित	59	36	5/3
कोनोली का. मिलर बो. माधव	38	27	3/2
स्टोइनिस का. माधव बो. स्टार्क	1	2	0/0
शशांक का. अक्षर बो. स्टार्क	0	1	0/0
सूर्यांश अविजित	21	8	2/2

अतिरिक्त: 17 (बा: 4, नोबा: 2, वा: 11), विकेटपतन: 1-78 (प्रभसिमरन, 6.5), 2-97 (प्रियांश, 8.6), 3-180 (कोनोली, 17.4), 4-187 (स्टोइनिस, 18.1), 5-187 (शशांक, 18.2), गेंदबाजी: स्टार्क 4-0-57-2, आकिब 4-0-32-0, नगिदी 4-0-46-0, मुकेश 4-0-31-1, माधव 4-0-40-2

दिल्ली कैपिटल्स: 216/7 (19 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
राहुल का. जेनसेन बो. अर्शदीप	9	8	2/0
अभिषेक बो. यश	5	6	1/0
साहिल का. चहल बो. अर्शदीप	13	6	1/1
स्टब्स रन आउट	12	17	1/0
अक्षर का. ड्वारशुइस बो. स्टोइनिस	56	30	8/2
मिलर का. प्रभसिमरन बो. ड्वारशुइस	51	28	3/4
आशुतोष का. सब बो. यश	24	10	2/2
माधव अविजित	18	8	2/1
आकिब अविजित	10	2	1/1

अतिरिक्त: 18 (नोबा: 1, वा: 17) विकेटपतन: 1-10 (अभिषेक, 1.5), 2-14 (राहुल, 2.3), 3-33 (साहिल, 4.3), 4-74 (स्टब्स, 8.2), 5-138 (अक्षर, 13.6), 6-170 (मिलर, 16.3), 7-205 (आशुतोष, 18.5), गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-21-2, यश 4-0-55-2, जेनसेन 4-0-45-0, ड्वारशुइस 4-0-51-1, स्टोइनिस 3-0-44-1

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	आरसीबी	11	7	4	0	+1.103	14
2	हैदराबाद	11	7	4	0	+0.737	14
3	गुजरात	11	7	4	0	+0.228	14
4	पंजाब	11	6	4	1	+0.428	13
5	चेन्नई	11	6	5	0	+0.185	12
6	राजस्थान	11	6	5	0	+0.082	12
7	दिल्ली	12	5	7	0	-0.993	10
8	कोलकाता	10	4	5	1	-0.169	9
9	मुंबई (E)	11	3	8	0	-0.585	6
10	लखनऊ (E)	11	3	8	0	-0.907	6

सनराइजर्स और टाइटंस के बीच आज होगी भिड़ंत

अहमदाबाद, प्रेट्र: आइपीएल अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है तब दूसरे स्थान पर काबिज सनराइजर्स हैदराबाद और तीसरे स्थान की टीम गुजरात टाइटंस के बीच मंगलवार को होने वाला मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है जो प्लेआफ की दौड़ को ध्यान में रखते हुए दोनों टीम के लिए महत्वपूर्ण होगा। शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात की टीम ने सत्र की खराब शुरुआत से उबरते हुए कई महत्वपूर्ण जीत हासिल की हैं। इनमें पिछले मैच में राजस्थान रायल्स पर 77 रन की जीत भी शामिल है, जिससे वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस जीत से गुजरात की स्थिति थोड़ी बेहतर नजर आ रही है। अभी रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स और टाइटंस सभी के समान 14 अंक हैं। ऐसे में नेट रन रेट प्लेआफ की दौड़ में निर्णायक कारक बन सकता है।

सनराइजर्स ने सही समय पर हासिल अपनी की लय: सनराइजर्स ने सही समय पर अपनी लय हासिल कर ली है। पंजाब किंग्स के विरुद्ध पिछले मैच में पर 33 रन की जीत में उसने अपनी बल्लेबाजी ताकत का शानदार नमूना पेश किया। उसने इस मैच में चार विकेट पर 235 रन बनाए लेकिन प्लेआफ की दौड़ काफी कड़ी है। इसलिए वह किसी तरह के मुगालते में नहीं रह सकता। जहां तक टाइटंस का सवाल है तो उसकी टीम बेहद संतुलित है। उसकी बल्लेबाजी कप्तान गिल और साई सुदर्शन के इर्द-गिर्द घूमती है। इन दोनों ने शीर्ष क्रम में मजबूती प्रदान की है और पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है। जोस बटलर और वाशिंगटन सुंदर बीच के ओवरों में अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। इससे उसकी टीम बड़ा स्कोर बनाने या बड़े लक्ष्य हासिल करने में सफल रही है।

शुभमन गिल

अभिषेक शर्मा

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, अरशद खान, अशोक शर्मा, जोस बटलर, कानर एस्टरहुइजन, गुरनूर बरार, जेसन होल्डर, कुलवंत खेजरोलिया, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबादा, राशिद खान, साई किशोर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, इशांत शर्मा, निशांत सिंधु, मानव, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन, वुड, जयंत।

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आरएस अंबरीश, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, गेराल्ड कोएत्जी, हर्ष दुबे, क्रेंस फुलेट्रा, ट्रेविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, इशान किशन, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, दिलशान मदुशंका, इशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश, हर्षल, साकिब, शिवांग, रविचंद्रन स्मरन, ओंकार तरमाले, उनादकट, अनिकेत, जीशान।

ऐंठन से रन लेना भारी हो रहा था: क्रुणाल

आइपीएल डायरी

रायपुर, प्रेट्र: आलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के विरुद्ध आइपीएल में अपनी जुझारू पारी के बाद रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की बल्लेबाजी में सुधार का श्रेय टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक को दिया। क्रुणाल ने पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद 46 गेंद में 73 रन बनाए जिससे आरसीबी अंतिम गेंद पर जीत हासिल करने में सफल रही। इससे उसकी टीम अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

क्रुणाल ने कहा कि मैं क्रीज पर पांव जमा चुका था और मुझे लगा कि ऐंठन के कारण मेरे लिए एक-दो रन लेना बहुत मुश्किल हो रहा था। इसलिए मैंने सोचाw, मैं बस खड़े रहकर सभी छह गेंदों का अच्छी तरह से सामना करता हूं और जितना संभव हो उसका फायदा उठाता हूं। इस आलराउंडर ने कहा कि कार्तिक प्रत्येक खिलाड़ी के साथ व्यक्तिगत रूप से काफी समय बिताया है। उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को समझा और उन पर काम किया। इसलिए हमारी बल्लेबाजी का बहुत बड़ा श्रेय डीके (कार्तिक) को जाता है। क्रुणाल ने कहा कि दबाव वाली परिस्थितियों में आरसीबी का स्पष्ट रवैया उसके लिए फायदेमंद साबित हुआ।

हमारे प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा: जयवर्धने

रायपुर: मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने आरसीबी से दो विकेट से मिली हार के बाद टीम के आइपीएल के प्लेआफ की दौड़ से बाहर होने के बाद स्वीकार किया कि उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। जयवर्धने ने कहा कि यह सत्र निराशाजनक रहा। हमें मौके मिले लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा पाए। हमारे प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे हमें हार का सामना करना पड़ा। बावा को आखिरी ओवर सौंपने के बारे में जयवर्धने ने कहा कि उस समय हमारे सभी गेंदबाजों के ओवरों का कोटा पूरा हो चुका था। हमारे पास कोई भी अनुभवी गेंदबाज नहीं बचा था। हमारे पास दो स्पिनर थे। उनमें से एक रघु शर्मा थे जिन्होंने गेंदबाजी नहीं की थी। दूसरा विकल्प शायद अल्लाह गजनफर होते।

मिडिल फिंगर दिखाने पर टिम पर लगा जुर्माना

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: मुंबई के विरुद्ध मुकाबले में मिडिल फिंगर दिखाने पर रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आलराउंडर टिम डेविड पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में दो डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं।

टिम डेविड को आइपीएल आचार संहिता के लेवल-1 और अनुच्छेद 2.6 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। यह अश्लील, आपत्तिजनक या अपमानजनक इशारे का इस्तेमाल करने से संबंधित है। वहीं, आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर मुंबई के विरुद्ध आइपीएल मैच के दौरान चौथे अंपायर के साथ बहस करने के कारण आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

एकजुट नहीं नजर आ रही पांच बार की चैंपियन मुंबई

दो ग्रुप में बंटी नजर आ रही टीम, कप्तान हार्दिक और मुंबई इंडियंस में भी सबकुछ ठीक नहीं, लीग चरण से बाहर हो चुकी है टीम

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: पांच बार की आइपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस में सबकुछ ठीक नजर नहीं आ रहा है। मुंबई ने आखिर बार 2020-21 में आइपीएल का खिताब जीता था और अब लगातार छह साल ऐसे हो जाएंगे जब वह इस ट्राफी से महरूम रहेगी। चेन्नई सुपर किंग्स ने भी पांच बार खिताब जीता है और वह अभी भी प्लेआफ की दौड़ में बनी हुई है। महेंद्र सिंह धौनी की टीम 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनी थी। अब धौनी कप्तान नहीं हैं और चोटिल होने के कारण एकादश का हिस्सा भी नहीं हैं। रविवार को रायपुर में आरसीबी के विरुद्ध हार के बाद मुंबई प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो गई है।

मुंबई को सबसे ज्यादा बार चैंपियन बनाने वाले रोहित भी टीम की कप्तानी नहीं कर रहे हैं और हार्दिक पांड्या जबसे कप्तान बने हैं तब से इस चैंपियन टीम का प्रदर्शन लगातार नीचे गिरा है। चेन्नई सुपर किंग्स को तो रुतुराज गायकवाड़ ने कुछ हद तक संभाल लिया है क्योंकि उन्हें टीम के साथियों और टीम प्रबंधन से भरपूर साथ मिल रहा है, लेकिन हार्दिक को टीम के कई खिलाड़ियों से वैसा सहयोग नहीं मिला जैसा एक कप्तान को चाहिए होता है। यही कारण है कि टीम दो ग्रुप में बंटी नजर आ रही है। एक ग्रुप रोहित शर्मा का है जिसमें जसप्रीत बुमराह, सूर्य कुमार यादव, तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी हैं, दूसरी तरफ बचे हुए खिलाड़ी हैं जो कप्तान हार्दिक के निर्देशों का पालन कर रहे हैं। लगातार मैच हारने के बाद हार्दिक पिछले दो मैचों में नहीं खेले थे। उनमें सूर्य कुमार ने कप्तानी की। उसमें से एक मैच में मुंबई ने लखनऊ को हराया तो दूसरे में आरसीबी से हार गई। हालांकि सूर्य कुमार प्रदर्शन भी शून्य ही है।

हार्दिक पांड्या

ऐसा लग रहा है कि मुंबई इंडियंस ने भी अब अपने कप्तान से अलग होने का मन बना लिया है और इसीलिए रविवार को इन दोनों के बीच 'डिजिटल ड्रामा' भी देखने को मिला। हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर मुंबई इंडियंस और साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा व सूर्य कुमार को अनफालो कर दिया। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने मुंबई को फिर फालो कर लिया। उन्होंने मुंबई इंडियंस की कई पोस्ट को भी डिलीट किया है। 2024 में मुंबई ने रोहित की जगह हार्दिक को कप्तान बनाया था। हार्दिक गुजरात टाइटंस की कप्तानी छोड़कर मुंबई आए थे। सूर्य, तिलक व बुमराह का झुकाव अभी रोहित की तरफ है। रोहित को लगता है कि उन्हें कप्तानी से नहीं हटाया जाना चाहिए था क्योंकि उन्होंने टीम को पांच बार चैंपियन बनाया। वहीं सूर्य और बुमराह को लगता है कि रोहित के बाद उन दोनों में से किसी एक को कप्तान बनना चाहिए था क्योंकि वे दोनों मुंबई इंडियंस को छोड़कर कहीं नहीं गए, जबकि हार्दिक गुजरात टाइटंस से जुड़ गए थे।

खेल डायरी

कमिंस-स्टार्क पाक-बांग्लादेश दौरे से बाहर

सिडनी, एपी: आस्ट्रेलिया ने अगले महीने के आखिर में पाकिस्तान और बांग्लादेश में होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को अपनी टीम में नहीं चुना है। ये तीनों खिलाड़ी पाकिस्तान के विरुद्ध 30 मई से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। आलराउंडर लियाम स्काट और आस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप टीम के कप्तान ओली पीक को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। युवा बल्लेबाज जोएल डेविस को जून में बांग्लादेश के विरुद्ध टी-20 सीरीज के लिए टीम में चुना गया है। उन्हें भी पहली बार मौका मिला है। ट्रेविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस और जेवियर बार्टलेट आइपीएल के बाद बांग्लादेश रवाना होंगे, जबकि अनुभवी आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को टीम से बाहर कर दिया गया है। अगले साल अक्टूबर में वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए मिशेल मार्श दोनों टीम की कप्तानी करेंगे।

कमिंस

स्टार्क

राहुल द्रविड़ बने डबलिन गार्डियंस के मालिक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) ने सोमवार को भारतीय क्रिकेट दिग्गज राहुल द्रविड़ को डबलिन गार्डियंस टीम का मालिक घोषित किया। इसके साथ ही लीग ने अपने छह फ्रेंचाइजी को 2026 में होने वाले बहुप्रतीक्षित लांच से पहले पूरा कर लिया। डबलिन में आयोजित कार्यक्रम में ईटीपीएल ने अपनी छह टीमों की फ्रेंचाइजी लाइनअप पूरी की, जहां राहुल द्रविड़ को आधिकारिक तौर पर डबलिन फ्रेंचाइजी के मालिक के रूप में पेश किया गया। कार्यक्रम में ग्लासगो फ्रेंचाइजी के विपुल अग्रवाल, राटरडैम फ्रेंचाइजी के जोंटी रोड्स, मधुकर श्री, ईटीपीएल के सह-संस्थापक अभिषेक बच्चन, सौरव बनर्जी आदि उपस्थित रहे।

लक्ष्य-सिंधू की नजरें थाईलैंड ओपन पर

बैंकाक, प्रेट्र: थामस कप में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें मंगलवार से शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन में व्यक्तिगत प्रदर्शन पर होगी, जिसमें लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य कोहनी की चोट के कारण डेनमार्क में फ्रांस के विरुद्ध सेमीफाइनल नहीं खेल सके थे। वह पहले मैच में सिंगापुर के जैसन तेह जिया हेंग से खेलेंगे जबकि आयुष शेट्टी का सामना जापान के छठी वरीयता प्राप्त विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता कोडाइ नाराओका से होगा। महिला सिंगल्स में छठी वरीयता प्राप्त सिंधू पहले दौर में चीनी ताइपै की तुंग सियू तोंग से खेलेंगी। हालांकि पीवी सिंधू को खिताब का सूखा खत्म करने के लिए प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू से होगा।

विनेश का नहीं हुआ पंजीकरण, फिर करेंगी प्रयास

जागरण संवाददाता, गोंडा: महिला पहलवान विनेश फोगाट को सीनियर नेशनल ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता के पहले दिन बिना पंजीकरण के वापस लौटना पड़ा। भारतीय कुश्ती संघ ने नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने का हवाला देते हुए उनके पंजीकरण पर रोक लगा दी है। विनेश ने मंगलवार को दोबारा आने की बात कही है।

नंदिनीनगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में विनेश फोगाट पंजीकरण केंद्र पर आवेदन का प्रयास किया तो संघ के पदाधिकारियों ने मना कर दिया। विनेश ने करीब 15 मिनट तक अपना पक्ष रखा, लेकिन सफलता नहीं मिली। अभ्यास के लिए ट्रेनिंग सेंटर गईं तो वहां भी ताला लटका मिला। विनेश ने संघ के अध्यक्ष संजय सिंह को फोन भी किया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। दैनिक जागरण से बातचीत में विनेश ने कहा कि वह केवल खेलने आई थीं, लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया जा रहा। जवाब देने के लिए 14 दिन का समय होने के बावजूद उन्हें पहले ही दोषी कैसे मान लिया गया। संजय सिंह और बृजभूषण शरण सिंह की टीम चाहती है कि मैं तंग होकर कुश्ती छोड़ दूं। मुझ पर अभद्र टिप्पणियां की जा रही हैं। मैं कुश्ती से संन्यास नहीं लूंगी।

नंदिनीनगर स्पोर्ट्स स्टेडियम से बाहर निकलतीं विनेश फोगाट • जागरण

" विनेश ने जारी किए गए कारण बताओ नोटिस का बिंदुवार जवाब नहीं दिया है। वह मंगलवार को प्रतियोगिता में नहीं लड़ पाएंगी, पर स्टेडियम में उनका स्वागत है।

-संजय सिंह, अध्यक्ष, भारतीय कुश्ती संघ

दीपक पूनिया ने 92 किग्रा भार वर्ग में जीता स्वर्ण पदक

गोंडा, एएनआइ: गोंडा में आयोजित सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में सोमवार को फ्रीस्टाइल वर्ग के अंतिम दिन के मुकाबलों में 92 किग्रा वर्ग में हरियाणा के दीपक पूनिया ने स्वर्ण जीतकर शीर्ष राष्ट्रीय रैंकिंग हासिल की। पूनिया ने फाइनल में हरियाणा के वंश को हराया। प्रतियोगिता में 593 पहलवानों ने हिस्सा लिया। 125 किग्रा हेवीवेट वर्ग में रोहित (हरियाणा) ने कांस्य जीता।

भारत पुरुष वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, प्रेट्र: भारत ने आइसीसी की पुरुषों की वनडे अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग के नवीनतम सालाना अपडेट के बाद अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर है।

सोमवार को जारी बयान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने कहा कि नवीनतम सालाना अपडेट के बाद आइसीसी की पुरुषों की वनडे अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में भारत शीर्ष पर बना हुआ है। वह दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड (113 अंक) से महज पांच अंक के मामूली अंतर से आगे है जबकि आस्ट्रेलिया (109 अंक) तीसरे स्थान पर बरकरार है और शीर्ष तीन टीम में शामिल है। भारत को एक रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है और उसके खाते में 118 अंक हैं। सालाना रैंकिंग अपडेट में मई 2025 के बाद खेले गए मुकाबलों को पूरा भार (100 प्रतिशत) दिया जाता है जबकि पिछले दो वर्षों के नतीजों को आधा भार (50 प्रतिशत) दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका 102 अंक के साथ पाकिस्तान (98) को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। शीर्ष 10 में बाकी टीम की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। श्रीलंका (96), अफगानिस्तान (93) और इंग्लैंड (89) शीर्ष आठ में शामिल अन्य टीम हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम • फाइल फोटो

नितिन अंपायरों के एलीट पैनल में एकमात्र भारतीय

दुबई, प्रेट्र: नितिन मेनन 2026-27 अंतरराष्ट्रीय सत्र के लिए आइसीसी के एलीट पैनल आफ अंपायर्स में शामिल एकमात्र भारतीय बने हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने सोमवार को अपने वार्षिक समीक्षा के बाद मैच अधिकारियों की टीम में कोई बदलाव नहीं किया। आइसीसी की अंपायर चयन समिति द्वारा व्यापक मूल्यांकन के बाद मौजूदा एलीट अंपायरों और मैच रेफरियों के पैनल को बरकरार रखा गया। मेनन 2020 से एलीट पैनल का हिस्सा हैं। वहीं, पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ एलीट पैनल आफ मैच रेफरीज में शामिल एकमात्र भारतीय बने हुए हैं।

मैड्रिड को हराकर 29वीं बार चैंपियन बना बार्सिलोना

फुटबाल डायरी

बार्सिलोना ने रीयल मैड्रिड को 2-0 से हराकर जीता ला लीगा का खिताब, मैड्रिड को खली स्टार खिलाड़ी काइलियन एमबापे की कमी

बार्सिलोना, एपी: बार्सिलोना ने रविवार को कैंप नोउ में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रीयल मैड्रिड को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी और कुल मिलाकर 29वीं बार स्पेनिश फुटबाल टूर्नामेंट ला लीगा का खिताब जीता। इस क्लासिको मुकाबले में मार्कस रैशफोर्ड के नौवें मिनट व फेरान टोरेस के 18वें मिनट में किए गए गोल ने बार्सिलोना की जीत सुनिश्चित की। इससे उसने ला लीगा के तीन दौर के मैच शेष रहते हुए मैड्रिड पर 14 अंकों की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक रविवार को खेले गए इस क्लासिको मैच में अपने पिता के निधन के बावजूद डगआउट में मौजूद थे। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने काली पट्टी बांधी। अगर यह मैच ड्रा भी हो जाता तो बार्सिलोना के लिए चैंपियन बनने के लिए पर्याप्त होता। रीयल मैड्रिड ने ला लीगा में रिकार्ड 36 खिताब जीते हैं, लेकिन वह कभी लगातार दूसरे साल यह बड़ी ट्राफी नहीं जीत पाया है। रैशफोर्ड ने फ्री किक पर बार्सिलोना के लिए पहला गोल किया, जबकि टोरेस ने डैनी ओल्मो के पास पर पेनाल्टी एरिया के अंदर से गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। रीयल मैड्रिड को अपने स्टार काइलिन एमबापे की कमी खली। वह चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाए। एमबाप्पे ने लीग में अभी तक सर्वाधिक 24 गोल किए हैं।

ला लीगा चैंपियन बनने के बाद ट्राफी के साथ बार्सिलोना टीम • एपी

पीएसजी का लीग-1 चैंपियन बनना लगभग तय: डेजायर डूए के देर से किए गए गोल की बदौलत पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रविवार को अपने घरेलू मैदान पर ब्रेस्ट को 1-0 से हराया और रिकार्ड तोड़ते हुए फ्रेंच फुटबाल टूर्नामेंट लीग-1 का अपना 14वां खिताब लगभग पक्का कर लिया। इस जीत से पीएसजी दूसरे स्थान पर मौजूद लेंस से छह अंकों से आगे हो गया है, जो अजेय बढ़त हो सकती है।

मैरी लुईस बुंडेसलीगा मैच जीतने वाली पहली महिला हेड कोच बनीं

बर्लिन, एपी: यूनियन बर्लिन की मैरी लुईस एटा यूरोपीय फुटबाल की टाप पांच पुरुषों की लीग में मैच जीतने वाली पहली महिला हेड कोच बन गईं। रविवार को जर्मन बुंडेसलीगा में मेंज के विरुद्ध 3-1 की जीत में उन्होंने युनियन बर्लिन टीम का नेतृत्व किया। 88वें मिनट में ओलिवर बर्क और स्टापेज टाइम में जोसिप जुरानोविक के देर से किए गए गोलों ने इस मैच को ड्रा से जीत में बदल दिया। मैरी लुईस एटा ने खिलाड़ियों के साथ मिलकर जश्न मनाया।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

भाला फेंक एथलीट सचिन यादव डायमंड लीग में करेंगे पदार्पण

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव चार जून को रोम में होने वाली डायमंड लीग में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। यह 2025 विश्व चैंपियनशिप में शानदार चौथा स्थान हासिल करने के बाद उनका पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। 26 वर्षीय सचिन प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के रोम चरण में हिस्सा लेने वाले आठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनके प्रतिद्वंद्वियों में पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर और थामस रोहलर, चेक गणराज्य के याकुब वाडलेज्च, अमेरिका के कर्टिस थांपसन, पोलैंड के डेविड वेगनर और श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिराजे शामिल हैं। पाथिराजे इस समय 89.37 मीटर के थ्रो के साथ सीजन लीडर हैं।

जीवन दर्शन

मोरारी बापू
कथावाचक

सुख-शांति के लिए समझें करुणा का मूल्य

संसार में हम जो भी अशांति, दुख और भय का वातावरण देखते हैं, वह करुणा के अभाव के कारण है। अत: सुख-शांति के लिए हमें अपने भीतर करुणा को जगाने की आवश्यकता है....

करुणा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। करुणा आज के समय की मांग है। मैं कथाओं में कहता रहता हूं कि करुणा की पुत्री का नाम अहिंसा है। सत्य का बेटा अभय है। प्रेम का एक पुत्र है, जिसका नाम त्याग है। सत्य से अभय आएगा और जो आदमी अभय है, वह शांत होगा ही। प्रेम से त्याग अवतरित होता है और श्रीमद्भगवद्गीता ने स्पष्ट कह दिया है कि त्याग से शांति की प्राप्ति होती है। करुणा से अहिंसा उत्पन्न होती है और अहिंसा जिस व्यक्ति में होगी, वह शांत ही होगा। इसलिए आज जब अशांति का वातावरण है, ऐसे समय में करुणा की सबसे अधिक आवश्यकता है।

जिसके हृदय में करुणा होगी, वह अहिंसक होगा, उसका मन शांत होगा। ● चित्र सौ.: जागरण आर्काइव

बुद्ध की करुणा ने अहिंसा दी। भगवान महावीर स्वामी तो अहिंसा का व्रत लिए बैठे हैं। गांधी ने भी अहिंसा की बात की। करुणा के बिना अहिंसा असंभव है। हिंसा क्रोध से होती है और क्रोध द्वैत से होता है। आपको कोई दूसरा मिले तो ही आप क्रोध कर सकते हैं।

रामचरित मानस के बालकांड की पंक्ति है :

जेहि जन पर ममता अति छोहू।
जेहिं करुना करि कीन्ह न कोहू।।

वह एक ऐसा परमतत्व है, जो जिस पर ममता और छोह उड़ेल देता है, उस पर फिर कभी क्रोध नहीं करता। करुणावान कभी क्रोध नहीं कर सकता, इसलिए हम अपने जीवन में करुणा को अवतरित होने दें। मैं अक्सर कहता हूं कि युद्ध के कगार पर बैठी मानव जाति को सत्य, प्रेम और करुणा से ही बचाया जा सकता है। इसके अलावा कोई उपाय नहीं है। हम जीव हैं। प्रेम को शायद पूरा निभा भी न पाएं। हमारा प्रेम भी धोखे का रूप धारण कर सकता है। प्रेम दंभी हो सकता है। हमारा सत्य कमजोर हो सकता है, लेकिन करुणा मां है। स्त्री है। इसलिए धूसरित बच्चों को करुणा गोद में ले लेती है। करुणा बचेगी तो सत्य फिर साफ-सुथरा हो जाएगा। प्रेम के फटे कपड़ों की करुणा सिलाई कर देगी, क्योंकि करुणा मां का प्रतीक है।

श्रीरामचरितमानस करुणा का ग्रंथ है। उसमें 18 बार करुणा शब्द का उपयोग हुआ है। करुणानिधान, करुणानिधि करुणापुंज, करुणासागर, करुणासिंधु, करुणाभवन जैसे शब्द आए हैं। अहिंसा शब्द केवल एक बार आया है। एक बार ही क्यों? तुलसी शायद कह रहे हैं कि व्यक्ति के जीवन में, परिवार के जीवन में, समाज के जीवन में, प्रांत के जीवन में, राष्ट्र के जीवन में, विश्व के जीवन में केवल एक बार अहिंसा की प्रतिष्ठा हो जाए तो बेड़ा पार हो जाता है। लेकिन इस अहिंसा का जन्म करुणा से ही संभव है। करुणा अहिंसा की मां है।

रामचरितमानस के प्रत्येक सोपान में करुणा शब्द और भाव के दर्शन होते हैं। प्रथम सोपान बालकांड मेरी समझ में आनंद प्रधान है और आनंद करुणा से ही आता है। अयोध्या कांड आक्रंद (रुदन-विलाप) प्रधान कांड है। इसमें आक्रंद है और करुणा का संबंध आक्रंद के साथ भी है। तीसरा सोपान अरण्यकांड है। अरण्यकांड में आश्रम की भरमार है और जो करुणा से जुड़ा न हो, वह आश्रम नहीं है। चौथा सोपान किष्किंधाकांड आश्रय का कांड है और आश्रय करुणा के बिना नहीं हो सकता। सुंदरकांड आशीष प्रधान कांड है। आशीर्वाद करुणा से ही दिया जाता है, कठोरता से नहीं। छठा कांड है लंका कांड, जो आतंक से भरा है। प्रभु ने भी कई राक्षसों को मारा है, लेकिन उसके पीछे करुणा जुड़ी है। उत्तरकांड आराम का कांड है- पायो परम विश्राम। आराम बिना करुणा के असंभव है।

मानस में करुणा को सागर कहा गया है: करुना सुखसागर सब गुन आगर जेहि गावहिं श्रुति संता। हम सब जानते हैं सागर रत्नाकर है। मंथन के माध्यम से भी 14 रत्नों की प्राप्ति हुई थी। हम भी करुणा सागर से कितने ही रत्न प्राप्त कर सकते हैं। उसकी कोई सीमा नहीं है, लेकिन कम से कम 14 रत्न तो प्राप्त करें। करुणा से पहला रत्न मिलता है- सुख। इस दुनिया में जिसको भी सुख मिला है, करुणा से ही मिला है। या तो स्वयं का हृदय करुणा से भरा हुआ या किसी की हम पर करुणा हुई हो। कठोरता से किसी को सुख नहीं मिलता। करुणा सिंधु से दूसरा रत्न निकलता है- निष्कामता। हमारे प्रयासों से कामना समाप्त नहीं होती। शंकर को करुनाअयन कहा गया है। करुनाअयन की कृपा हो जाए तो हम निष्काम हो सकते हैं। तीसरा रत्न है अतिशय प्रियता। जिन महापुरुषों ने करुणा का आश्रय लिया है, वे समाज में अतिप्रिय बने हैं। ईर्ष्या, निंदा, दंभ, पाखंड से किसी की प्रियता हासिल नहीं की जा सकती। प्रियता प्राप्त होती है करुणापूर्ण हृदय से।

करुणा का चौथा रत्न है निरहंकारिता। हमारे जीवन में निरहंकारिता आए, उसके लिए जिसकी करुणा ने काम किया, उसे याद रखना चाहिए। पांचवां रत्न है सुजानता। सुजानता यानी हर एक वस्तु को ठीक से जानने वाला- करुणा निधान सुजान सीलु सनेहु जानत रावरो...। एक और रत्न है, व्यक्ति पर किसी की करुणा हो जाए तो व्यक्ति में वचन कौशल्य आ जाता है। जिस व्यक्ति में करुणा होती है, उसके शब्दों में शालीनता भी होती है।

करुणासागर का एक रत्न है दोषदलन। दोषों का समाप्त होना। करुणासिंधु का एक रत्न है स्वभाव की कोमलता। जिसके जीवन का केंद्रबिंदु करुणा होगी, उसके स्वभाव में कोमलता बहुत होगी। मानस में दशरथ के लिए धर्म धुरंधर शब्द का प्रयोग हुआ है-

धरम धुरंधर गुननिधि ग्यानी।
हृदयं भगति मति सारंगपानी।।

सच्चे अर्थ में धर्म की धुरी वही उठा सकता है, जिसने करुणा का अनुभव किया हो। धार्मिक व्यक्ति करुणा वाला होना ही चाहिए।

करुणा-समुद्र का एक अन्य रत्न है- सुंदरता। जिसे अपने जीवन को, तन-मन को सुंदर रखना हो, वह करुणा का आश्रय करे। कठोरता या आक्रमकता सुंदर नहीं रहने देती। करुणा रूपी समुद्र से निकलता है- दूसरों की पीड़ा समझने का मन। दुनिया में बहुत लोग दुखी हैं, लेकिन उनकी पीड़ा हम नहीं समझ पाते। करुणा जिसमें फूटेगी, वह दूसरो की पीड़ा समझेगा। राम करुणामय हैं, इसलिए दूसरों की पीड़ा जल्दी समझ लेते हैं।

विवेक सत्संग से मिलता है, लेकिन रामायणकार कहते हैं कि परम विवेक करुणा से मिलता है। यह एक बड़ा रत्न है। परम विवेक यानी अलौकिक विवेक, जिसे जगद्गुरु शंकराचार्य विवेक चूड़ामणि कहते हैं। करुणा के सागर से 14वां रत्न निकलता है- निर्मल भक्ति। यह सर्वश्रेष्ठ रत्न है।

करुणा बहुत उपयोगी औषधि है। करुणा इंसान को इंसान के काटने से बचा सकती है, फिर यह काटने की प्रक्रिया किसी हथियार से हो या शब्दों से। दुनिया करुणा छोड़ती चली गई है, इसलिए कठोर होती गई है। इस कठोरता को कम करने का एकमात्र उपाय है- करुणा।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

प्रस्तुति : राज कौशिक

चिंतन धरोहर

स्वामी विवेकानंद

ऋषि थे आविष्कारक

ग्रंथों तथा मंत्रों में आए विचारों के द्रष्टा ऋषि होते हैं अर्थात वे उस विचार के आविष्कारक हैं...

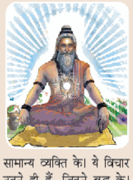

मंत्र शब्द का अर्थ है सुविचारित। जिसका मनन किया गया है। ऋषि इन विचारों के द्रष्टा होते हैं। चाहे कोई कितना भी महान हो, पर उसका इन पर एकाधिपत्य नहीं हो सकता। न तो ये विचार बुद्ध और ईसा जैसे महापुरुषों की एकमात्र संपत्ति हो सकते हैं, न किसी सामान्य व्यक्ति के। ये विचार निम्न से निम्न प्राणी के भी उतने ही हैं, जितने बुद्ध के। कारण, ये सिद्धांत सार्वभौम है। ये तो सदैव ही रहे हैं और सदैव रहेंगे। ये स्वयंभू हैं। आज विज्ञान जिन नियमों को बताता है, उनसे इनकी व्याख्या नहीं हो सकती। प्रकृति में शाश्वत रूप से ये विद्यमान हैं। वे आवृत्त रहते हैं और फिर अनावृत्त-आविष्कृत हो जाते हैं। यदि न्यूटन का जन्म न भी होता तो भी गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत रहता और कार्य करता। हां, न्यूटन की प्रतिभा ने अवश्य इसका आविष्कार किया, परिचय कराया। उसे मनुष्य जाति के ज्ञान का एक अंग बना दिया। ठीक ऐसा ही महान आध्यात्मिक सत्यों के संबंध में भी है। ये शाश्वत रूप से काम करते आ रहे हैं। अगर वेद, बाइबिल, कुरान न भी होते, अगर ऋषि तथा अवतार न भी पैदा हुए होते, तो भी ये नियम रहते। ये अनाविष्कृत रहते, पर मानव जाति की उन्नति, मानवप्रकृति के विकास के लिए काम करते ही जाते। ऋषि वे होते हैं, जो इन नियमों का आविष्कार करते हैं। आध्यात्मिक क्षेत्र में ऋषि व अवतार आविष्कारक ही तो हैं। जैसे न्यूटन और गैलीलियो विज्ञान के क्षेत्र के ऋषि हैं, वैसे ही ये अध्यात्म क्षेत्र के विज्ञानी। ये लोग इन आविष्कृत नियमों पर अपना एकाधिपत्य नहीं साबित कर सकते, यह तो प्रकृति मात्र की सार्वजनिक संपत्ति है।

जैसा कि हिंदू मानते हैं कि वेद शाश्वत हैं। शाश्वत का तात्पर्य है कि इन नियमों का न तो आदि है, न अंत। जैसे प्रकृति अनादि-अनंत है। एक पृथ्वी के बाद दूसरी पृथ्वी, एक तारा मंडल के बाद दूसरा बनेगा और कुछ समय चलकर पुनः विघटित होकर प्रलय में विलीन हो जाएगा, किंतु ब्रह्मांड बना ही रहेगा। भौतिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक सिद्धांतों का भी न आदि है, न अंत। कुछ हजार वर्ष पहले, मनुष्य ने इन्हें प्रकाश में लाने का प्रयास शुरू किया। इसीलिए वेदों से एक महान प्रारंभिक शिक्षा हमें मिलती है कि धर्म का अभी आरंभ ही हुआ है। आध्यात्मिक सत्य का अनंत समुद्र हमारे सामने पड़ा है, जिनका हमें आविष्कार करना है तथा जिन्हें हमें अपने जीवन में उतारना है।

अध्यात्म की अन्य सामग्री पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

सप्ताह के व्रत त्योहार

13 मई, बुधवार : अपरा एकादशी व्रत।
14 मई, गुरुवार : प्रदोष व्रत।
16 मई, शनिवार : स्नान-दान-श्राद्धादि की अमावस्या। बरगदाही अमावस्या। वट सावित्री व्रत।

सनातन धारा

प्रो. मुरली मनोहर पाठक
कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

स्त्री शक्ति का सूचक वटसावित्री व्रत

मान्यता है कि वटसावित्री व्रत (इस बार 16 मई को) करने से स्त्री में वह शक्ति आ जाती है कि वह पति को यम के पाश से छुड़ा सकती है। उत्तर और दक्षिण भारत में यह व्रत अलग-अलग तिथि में क्यों मनाया जाता है और क्या है इस व्रत का विधान, आइए जानें...

भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का मूल स्रोत वेद हैं। वेदों में अनेक विषयों को मंत्रगत सूत्रशैली में प्रतिपादित किया गया है। वेदों को समझने के लिए पुराण साहित्य का अध्ययन आवश्यक माना गया है। वेदोक्त सूत्रात्मक शैली के बीजों को कथा साहित्य में नाना रसों से ओतप्रोत कर भगवान बादरायण व्यास ने पुराणों में उपन्यस्त किया है। वटसावित्री व्रत भी पौराणिक कथाओं की शृंखला की एक कड़ी है। उत्तर भारतीय मान्यता के अनुसार, यह व्रत ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या (बरगदाही अमावस्या) को मनाया जाता है, जबकि दक्षिण भारत में इसे ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को मनाते हैं। इसकी कथा का स्रोत हमें श्री स्कंदमहापुराण के प्रभासखंड के 166वें अध्याय में प्राप्त होता है, जहां लिखा है -

ज्येष्ठस्य पूर्णिमायां च तथा चीर्णं व्रतं त्विदम् ।
माहात्म्यतोऽस्य नृपतेश्चक्षु: प्राप्तिरभूत्पुर:।।

स्कंदपुराणोक्त उक्त वचन के आधार पर ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को इस व्रतानुष्ठान का निर्देश प्राप्त होता है, किंतु भविष्यपुराण में वचन प्राप्त होता है:

अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती।
त्रिरात्रोपोषिता नारी विधिनाऽनेन पूजयेत्।।

इसके आधार पर ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को व्रत करने का विधान प्राप्त होता है। 'मदनरत्न' में पंचदश्यां तथा ज्येष्ठे... कहकर ज्येष्ठ पूर्णिमा को ही वट सावित्री व्रत का विधान किया गया है। दाक्षिणात्य विद्वद्गण इसी वचन को तथा स्कंदपुराण के वचन को आधार मानकर ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को व्रत करने के पक्ष को स्वीकार करते हैं। मैथिल लोग भविष्यपुराणोक्त तिथि (ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या) को स्वीकार करते हैं। उत्तर भारतीय पंचांगों में ज्येष्ठकृष्ण अमावस्या को ही वटसावित्री व्रत का विधान प्राप्त होता है। ध्यातव्य है कि उत्तर भारतीय पंचांग पूर्णिमांत मास वाले तथा दक्षिण भारतीय पंचांग अमांत मास वाले होते हैं। यद्यपि उत्तर भारत में ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को ही वट सावित्री व्रत मनाए जाने की सर्वाधिक प्रचलित परंपरा रही है।

यह व्रत पति की आयुवृद्धि हेतु किया जाता है, अतः स्त्रियों के लिए विहित है। ज्येष्ठकृष्ण त्रयोदशी को व्रती प्रातःकाल स्नान कर वट वृक्ष को अधिक जल से सिक्त करें तथा ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करें। चतुर्दशी को भी यही करें। अमावास्या को स्नानादि कर किसी वटवृक्ष के पास आकर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख होकर वटवृक्ष को जल से सिक्त करते हुए मंत्र पढ़ें-

नमो वटमूले स्थितो ब्रह्मा वटमध्ये जनार्दन:।
वटाग्रे तु शिवं विद्यात् सावित्री व्रतसंयुता।।
वट! सिंचामि ते मूलं सलिलैरमृतोपमै।

जलसेचन कर प्रदक्षिणा करते हुए लाल/पीले सूत्र से वट वृक्ष को आवेष्टित करें। आवेष्टन के उपरांत नमस्कार कर मंत्र पढ़ें-

नमो मूलतो ब्रह्मरूपाय मध्यतो विष्णुरूपिणे।
अग्रत: शिवरूपाय वृक्षराज नमोऽस्तुते।।

नमस्कार करके पूजा स्थान में बैठकर दीप प्रज्वलित कर गणेश एवं गौरी की पूजा कर जल लेकर संकल्प करें। फिर पुष्प, अक्षत लेकर - नमः ब्रह्मणा सह सावित्रि इहागच्छ इह तिष्ठ, इह सुप्रतिष्ठिता वरदा भव मंत्र से ब्रह्मा के साथ सावित्री देवी की प्रतिमा में प्राण प्रतिष्ठा करें। तत्पश्चात स्कंदपुराण के प्रभासखंड के 166वें अध्याय की कथा का श्रवण करें। तत्पश्चात विसर्जन कर, सावित्री की प्रतिमा सहित अन्य द्रव्य ब्राह्मण को प्रदान कर उन्हें भोजन कराएं।

मान्यता है कि वटसावित्री व्रत के अनुष्ठान से सत्यवान एवं सावित्री की कथा की भांति ही स्त्री में यह सामर्थ्य आ जाता है कि वह अपने मृत पति को यम पाश से भी छुड़ाकर भी ले आ सकती है। अतएव इस व्रत का अनुष्ठान प्रत्येक भारतीय नारी द्वारा किए जाने का विधान रचा गया है।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

अगले मंगलवार को पढ़ें सद्गुरु का चिंतन...

इस पेज पर आपकी सम्मति और सुझावों का स्वागत है-feature@jagran.com

---

गीता सार

ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

(अध्याय - सात, श्लोक - 18)

उदारा: सर्व एवैते ज्ञानी त्वात्मैव मे मतम्। आस्थित: स हि युक्तात्मा मामेवानुत्तमां गतिम्।।

भावार्थ : निस्संदेह ये सब उदारचेता व्यक्ति हैं, किंतु जो मेरे ज्ञान को प्राप्त है, उसे मैं अपने ही समान मानता हूं। वह मेरी दिव्यसेवा में तत्पर रहकर मुझ सर्वोच्च उद्देश्य को निश्चित रूप से प्राप्त करता है।

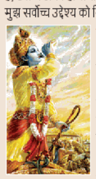

तात्पर्य: ऐसा नहीं है कि जो कम ज्ञानी भक्त हैं, वे भगवान को प्रिय नहीं हैं। भगवान कहते हैं कि सभी उदारचेता हैं, क्योंकि चाहे जो भी भगवान के पास किसी भी उद्देश्य से आए, वह महात्मा कहलाता है। जो भक्त भक्ति के बदले कुछ लाभ चाहते हैं, उन्हें भगवान स्वीकार करते हैं, क्योंकि इससे स्नेह का विनिमय होता है। वे स्नेहवश भगवान से लाभ की याचना करते हैं और जब उन्हें वह प्राप्त हो जाता है तो वे इतने प्रसन्न होते हैं कि वे भगवद्भक्ति करने लगते हैं। किंतु ज्ञानी भक्त भगवान को इसलिए प्रिय है कि उसका उद्देश्य प्रेम तथा भक्ति से परमेश्वर की सेवा करना होता है। ऐसा भक्त भगवान की सेवा किए बिना क्षण भर भी नहीं रह सकता। इसी प्रकार परमेश्वर अपने भक्त को बहुत चाहते हैं और वे उससे विलग नहीं हो पाते।

श्रीमद्भागवत (1.4.68) में भगवान कहते हैं-

साधवो हृदयं मह्यं साधूनां हृदयं त्वहम्।
मदन्यत्ते न जानन्ति नाहं तेभ्यो मनागपि।।

अर्थात भक्तगण सदैव मेरे हृदय में वास करते हैं और मैं भक्तों के हृदयों में वास करता हूं। भक्त मेरे अतिरिक्त और कुछ नहीं जानता और मैं भी भक्त को कभी नहीं भूलता। मेरे तथा शुद्ध भक्तों के बीच घनिष्ट संबंध रहता है। ज्ञानी शुद्धभक्त कभी भी अध्यात्मिक संपर्क से दूर नहीं होते, अत: वे मुझे अत्यंत प्रिय हैं।

आज का भविष्यफल- 12 मई, 2026 मंगलवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति: ज्येष्ट मास कृष्ण पक्ष दशमी का राशिफल।
आज का राहुकाल: अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल: उत्तर
आज की भद्रा: प्रात: 03 बजकर 09 मिनट से दोपहर 02 बजकर 52 मिनट तक। विशेष: पंचक।

कल 13 मई, 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल: उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार: अपरा एकादशी **विशेष:** पंचक।
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु, ज्येष्ट मास कृष्ण पक्ष की एकादशी 13 घंटे 31 मिनट तक तत्पश्चात द्वादशी, उत्तरभाद्रपद नक्षत्र 24 घंटे 18 मिनट तक तत्पश्चात रेवती, नक्षत्र विषकुंभ योग 20 घंटे 55 मिनट तक तत्पश्चात प्रीति योग, मीन में चंद्रमा।

मेष: निजी सुख में व्यवधान रहेगा। स्वास्थ्य और आर्थिक मामलों में सचेत रहें।

वृष: शिक्षा प्रतियोगिता में किया गया प्रयास सार्थक होगा। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

मिथुन: सम्मान में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। व्यवसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क: यात्रा की स्थिति सुखद होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

सिंह: सम्मान में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कन्या: धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

तुला: अधिकारी के कारण तनाव मिल सकता है, लेकिन जीवनसाथी का सहयोग रहेगा।

वृश्चिक: उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। कार्य संपन्न होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु: सम्मान में वृद्धि होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। जीवनसाथी का सान्निध्य मिलेगा।

मकर: उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

कुंभ: आर्थिक मामलों में सुधार होगा। रिश्तों में निकटता आएगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन: बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

वर्ग पहेली-3332

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. फैल जाना, दूर-दूर होना (4)।
3. सहायता (3)।
6. पानी, नीर (2)।
8. चोरी, गबन, पचाना (3)।
10. संपत्ति, जगह-जमीन (4)।
11. जलयान (3)।
12. प्रकाशित होना (3)।
14. तरीका, ढंग (3)।
15. हरे रंग का, हरियाली (3)।
17. बगीचा, बगिया (4)।
18. सेनानायक के आगे-आगे जयघोष करते हुए चलने वाला (3)। 20. राख, धूल, मिट्टी (2)।
22. झंझट, बखेड़ा (3)।
23. पैरों से रौंदना, लात मारना (4)।

ऊपर से नीचे:
2. अनुचित, अवैध (4)।
3. आदमी, मानव, मनुष्य (3)।
4. पुलकित, हर्षित (4)।
5. मतलब, प्रयोजन (3)।
7. शर्माना (3)।
8. ...करने लोग मक्का जाते हैं (2)।
9. मत्स्य, मीन (3)।
13. भेजा खाना, भट्ठे में तपाना, सिझाना (3)। 14. तुल्य, समान, सदृश (3)।
15. प्रत्येक (2)। 16. ओर, पार्श्व (3)।
17. सांप के मुख से निकलने वाला शब्द (4)। 19. शरीफा, कुम्हड़ा (4)।
21. वस्त्र (3)।

कल का हल

अ1		वि2	व	श3		सा4	म	वे	द
ता		स्म		कुं5	ठि	त			
प		य		त			स6	ह	ज7
ता8	न9		ह10	ला	ह	ल11			हा
	ज		नु			ज12	ल	या13	न
का14	र	ना	मा			वा		च	
य			न15	ज	रा16	ना		क17	था18
दा19	व	त			ज		ब20		ने
			श21	क	र		हा		दा
अ22	मे	रि	का		थ23	म	ना		र

सुडोकू-3332

	4			6			5	
6		5			2			8
7		8	5			9		1
8			2		9	3		5
	9	4			7			
	5		4	3			8	9
2			6			5		
		1		9			2	
5				2	4			3

कल का हल

7	4	2	3	8	6	1	9	5
6	9	8	5	1	7	2	4	3
3	5	1	2	4	9	7	8	6
1	7	9	6	5	8	4	3	2
8	6	4	9	2	3	5	1	7
5	2	3	1	7	4	8	6	9
4	8	6	7	9	5	3	2	1
2	3	7	8	6	1	9	5	4
9	1	5	4	3	2	6	7	8

राष्ट्रीय फलक

तेंदूपत्ता बीनने वाला बना आइएफएस अधिकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायगढ़

- अजय ने आइएफएस परीक्षा में आल इंडिया 91वीं रैंक हासिल की
- जंगलों में तेंदूपत्ता और महुआ बीनते हुए बीता है अजय का बचपन

सुबह की हल्की धूप, कंधे पर झोला और जंगल की पगडंडियों पर माता-पिता के साथ चलता एक छोटा बच्चा। हाथों में तेंदूपत्ते और महुआ बीनने की जिम्मेदारी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के संबलपुरी गांव के अजय गुप्ता का बचपन कुछ ऐसा ही बीता। वही अजय आज भारतीय वन सेवा (आइएफएस) परीक्षा में आल इंडिया 91वीं रैंक हासिल कर हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

जिस जंगल ने कभी उनके परिवार का पेट पाला, अब उसी जंगल की सुरक्षा की जिम्मेदारी अजय के कंधों पर आने वाली है। अजय कहते हैं, 'मेरा बचपन जंगलों के बीच बीता है। जंगल ने मुझे जीना सिखाया, इसलिए हमेशा लगता था कि इसके लिए कुछ करना चाहिए।' अजय का परिवार साधारण वनाश्रित परिवार है। साल के कुछ महीने खेती और बाकी समय तेंदूपत्ता संग्रह व महुआ बीनकर परिवार का गुजारा चलता था। गर्मी की छुट्टियों में जब दूसरे बच्चे खेलते थे, तब अजय सुबह-सुबह माता-पिता के साथ जंगल निकल जाते थे। तेंदूपत्ता तोड़ना, खेतों में काम करना। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी अपने सपनों को छोटा नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अजय की सफलता को वनाश्रित परिवारों के विश्वास और संघर्ष की जीत बताया। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता और महुआ बीनने वाला बेटा अब जंगलों की रक्षा करेगा, यह पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

आइएफएस बनकर गांव आने पर अजय गुप्ता की उतारी गई आरती। नईदुनिया

नागपुर में आरएसएस का 25 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ

नागपुर, प्रेट्र: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 25 दिवसीय वार्षिक 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय' कार्यक्रम सोमवार को रेशिमबाग स्थित डा. हेडगेवार स्मृति भवन परिसर में शुरू हुआ। आरएसएस के अनुसार, देश भर से 880 स्वयंसेवक इस वर्ष इस वर्ग में भाग ले रहे हैं, जिसमें सामाजिक जागरूकता और सामाजिक परिवर्तन पर केंद्रित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए सह-सरकार्यवाह और वर्ग पाकल अधिकारी (प्रशिक्षण प्रभारी) अतुल लिमये ने कहा कि भारत में जन्म लेना और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का हिस्सा बनना उनका सौभाग्य है। आरएसएस की एक सदी लंबी यात्रा के दौरान इसे उपहास, उपेक्षा और विरोध का सामना करना पड़ा है। इसे तीन बार प्रतिबंधित भी किया गया था। यह यात्रा स्वयंसेवकों के समर्पण, संघर्ष के कारण ही संभव हो पाई है।

इंदौर में हल्दी लगाने के बाद दूल्हा-दुल्हन हुए बीमार, दुकानों से नमूने लिए गए

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

- इंदौर के एमवाय अस्पताल के डाक्टरों ने भी सौंपे खाद्य विभाग को नमूने
- चारों मरीजों की अस्पताल से छुट्टी, हल्दी से एलर्जिक रिएक्शन की पुष्टि

शादी की रस्म में उपयोग की गई मिलावटी हल्दी से दूल्हा-दुल्हन के बीमार होने के मामले सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती चार मरीजों से जुड़े हल्दी के नमूने खाद्य विभाग को जांच के लिए सौंपे गए। जांच के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि हल्दी में किस तरह के हानिकारक केमिकल या रंग की मिलावट की गई थी, जिससे लोगों को गंभीर एलर्जी रिएक्शन हुआ। वहीं, प्रशासन ने मसाला विक्रय करने वालों के खिलाफ सोमवार से अभियान शुरू किया। खरगोन जिले के कसरावद स्थित बाजार में खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने विभिन्न दुकानों और खुले मसाले बेचने वाले प्रतिष्ठानों से हल्दी के नमूने लिए। बता दें कि कि गोलू के स्वजन ने कसरावद बाजार से ही हल्दी खरीदी थी, जिसके इस्तेमाल के बाद उसे वेंटिलेटर पर रखना पड़ा था।

बता दें कि इंदौर के शासकीय एमवाय अस्पताल में हाल ही में ऐसे चार मरीजों का इलाज किया गया, जिनकी तबीयत हल्दी लगाने के कुछ समय बाद बिगड़ गई। इनमें एक मरीज की हालत इतनी गंभीर हो गई कि उसे वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। मरीजों में सांस लेने में तकलीफ, शरीर पर लाल चकत्ते, होंठ और चेहरे पर सूजन, कमजोरी और पूरे शरीर में एलर्जी जैसे लक्षण दिखाई दिए। दरअसल, हल्दी को अधिक चमकदार बनाने के लिए उसमें मिलाए जा रहे जहरीले रसायन इसकी बड़ी वजह हो सकते हैं। खरगोन जिले के कसरावद निवासी राखी और गोलू सहित अन्य मरीजों का अस्पताल में इलाज चला। हालांकि अब चारों मरीजों को छुट्टी दे दी गई है।

100 साल का हुआ बजाज समूह, पीएम मोदी ने दी बधाई

मुंबई, प्रेट्र: आटो और वित्तीय सेवाओं के साथ अलग-अलग तरह के कारोबार करने वाला बजाज समूह सोमवार को 100 साल का हो गया। समूह की 100वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी तारीफ की। मोदी ने बधाई संदेश में कहा, "दशकों से बजाज समूह ने नौकरियों के सृजन, नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक योगदान में मदद करके देश निर्माण में अहम भूमिका निभाई है।'

उन्होंने कहा, "किसी भी संस्थान के लिए सौ साल एक अहम सफर होता है। यह न सिर्फ लंबी उम्र को दिखाता है, बल्कि बदलते समय के साथ ढलने, आर्थिक वृद्धि में योगदान देने और पीढ़ियों तक उपयुक्त बने रहने की क्षमता को भी दिखाता है।" 1926 में मुंबई में जमनलाल बजाज ने इस समूह की शुरुआत की थी। इस समूह की विभिन्न कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 148 अरब डालर है और इसमें 1.3 लाख लोग काम करते हैं।

दुनिया का पहला प्रोग्राम करने योग्य कंप्यूटर जेड 3 पेश किया गया

1941 में आज ही जर्मनी में दुनिया का पहला कार्यात्मक, स्वचालित व प्रोग्राम करने योग्य जेड 3 कंप्यूटर प्रस्तुत किया गया था। आविष्कारक कोनराड जूस ने इसे डिजाइन किया था। इसका उपयोग विमान निर्माण में जटिल गणितीय समस्याओं को हल करने के लिए किया जाता था।

15 सदस्यीय दल के साथ उत्तरी ध्रुव पहुंचे रोआल्ड अमुंडसेन

1926 में आज ही नार्वे के रोआल्ड अमुंडसेन और उनके 15 सदस्यीय दल उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले सत्यापित खोजकर्ता बने थे। इस यात्रा के लिए हवाई पोत नार्गे का इस्तेमाल किया गया था। इससे पहले अमुंडसेन ने 1911 में पहली बार दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखकर इतिहास रचा था।

विदेश में खिताब जीतने वाले पहले भारतीय शटलर थे नंदू नाटेकर

नंदू नाटेकर का जन्म 1933 में आज ही वर्तमान महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। 1953 में 20 वर्ष की आयु में पहली बार भारत के लिए खेला था। 1956 में कुआलालंपुर में सेलांगोर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में मेंस सिंगल्स चैंपियन बनकर विदेश में खिताब जीतने वाले पहले भारतीय शटलर बने।1958 में तत्कालीन विश्व नंबर 1 एरलैंड काप्स को हराकर सीसीआइ ओपन जीता। 12 साल के करियर में 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते।उन्होंने मेंस सिंगल्स और डबल्स राष्ट्रीय चैंपियनशिप छह-छह बार जीती, साथ ही मिक्सड डबल्स का खिताब भी पांच बार अपने नाम किया।

गर्मी से राहत के लिए सिर्फ हरियाली बढ़ाना पर्याप्त नहीं

विशेषज्ञों की सलाह ▶ हरियाली बढ़ाने के उपक्रम में जलवायु के प्रति संवेदनशील योजनाओं से मिलेगा समग्र समाधान

आइआइटी, गांधीनगर ने देश के 138 शहरों की स्थिति का किया विश्लेषण

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिनों-दिन बढ़ रही गर्मी के लिए किसी न किसी रूप में हरियाली कम कर शहरीकरण को बढ़ावा दिए जाने को एक प्रमुख कारण माना जाता रहा है। लेकिन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), गांधीनगर के शोधकर्ताओं ने पाया है कि शहर में यदि हरियाली यानी पेड़-पौधों की संख्या बढ़ा भी दी जाए तो यह सिर्फ एक उपाय गर्मी के कहर को कम करने के लिए अपर्याप्त साबित हो रहा है। इसके साथ जरूरी है कि शहरों को ठंडा रखने के लिए जलवायु-संवेदी योजना पर भी उतना ही ध्यान दिया जाना चाहिए।

'नेचर कम्यूनिकेशंस' में प्रकाशित इस अध्ययन में 2003 से 2020 के बीच 138 भारतीय शहरों का विश्लेषण किया गया, जो विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में फैले हुए हैं। शोधकर्ताओं अपने इस नए अध्ययन में पाया गया कि शहरों में हरियाली गर्मी के असर को कम करने के लिए तो आवश्यक हैं, लेकिन इसके साथ ही शहरों को अधिक स्मार्ट और जलवायु-संवेदनशील योजनाओं की भी आवश्यकता है ताकि वृक्ष आवरण अधिकतम शीतलता प्रदान कर सके।

शोधकर्ताओं ने पाया कि वनस्पति के शीतलन लाभ आर्द्रता, कैनोपी (छतरी) घनत्व, शहरी घनत्व और वायु प्रवाह की स्थितियों के आधार पर महत्वपूर्ण रूप से भिन्न हो सकते हैं। इन निष्कर्षों में "मजबूत समानता के निहितार्थ" भी शामिल हैं, क्योंकि जो आबादी खतरनाक गर्मी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं, वे अक्सर घनी, खराब वेंटिलेटेड

प्रतीकात्मक

पड़ोस में रहते या काम करते हैं, जहां शीतलन संरचना तक सीमित पहुंच होती है। ऐसे में बेहतर डिज़ाइन वाली शहरी हरियाली इन आबादी के लिए दीर्घकालिक गर्मी की संवेदनशीलता को कम करने में मदद कर सकता है।

इस अध्ययन के लेखक और आइआइटी, गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर उदित भाटिया के मुताबिक, एक समान वृक्षारोपण का लक्ष्य समस्या का पूर्ण समाधान नहीं कर सकते हैं। हरियाली जलवायु अनुकूलन के लिए आवश्यक है और छाया लोगों को तात्कालिक राहत देती है। लेकिन हमारे अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि एक आकार सभी के लिए उपयुक्त वृक्षारोपण लक्ष्य समस्या के एक हिस्से को छोड़ देते हैं। इसलिए शहरों को ऐसी हरियाली वाली रणनीतियों की आवश्यकता है जो छाया, नमी और वेंटिलेशन को एक साथ डिज़ाइन करे।

शोधकर्ताओं का कहना है कि जितना महत्वपूर्ण शहरों को हरा-भरा रखना होना चाहिए, उतना ही संवेदनशील इस बात को लेकर भी होना चाहिए कि हरियाली का पैटर्न कैसा होना चाहिए, यह कहां और कितना" होना चाहिए। सूखे शहरों में, वनस्पति हद तक ठंडक प्रदान कर सकती है।

लेकिन आर्द्र और घने पड़ोस में, योजनाकारों को वायु प्रवाह और नमी के संचय के बारे में भी सोचना चाहिए।

शोधकर्ताओं ने "हीट इंडेक्स" का पुनर्गठन किया है, जो तापमान और आर्द्रता को जोड़ता है और बेहतर तरीके से दर्शाता है कि मानव शरीर द्वारा गर्मी का अनुभव कैसे किया जाता है। पेड़ शहरों को छाया और वाष्पीकरण के माध्यम से ठंडा करते हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, सूखे जलवायु में वाष्पीकरण गर्मी को महत्वपूर्ण रूप से कम कर सकता है क्योंकि आसपास की हवा अतिरिक्त नमी को अवशोषित कर सकती है। इसके विपरीत, आर्द्र और घने शहरी क्षेत्रों में अतिरिक्त नमी जमीन के पास फंसी रह सकती है, जिससे स्थानीय छाया के लाभ के बावजूद आर्द्र गर्मी असर बढ़ता है।

युद्धक्षेत्र में घायल सैनिकों को बचाता ड्रोन

पोलैंड के बेमोवो पिस्की में नाटो के स्वोर्ड 26 अभ्यास के अंतर्गत सोमवार को फ्लोकाप्टर एफसी-100 हैवी-लिफ्ट ड्रोन से घायल सैनिक की डमी उठाकर ले जाने का सफल परीक्षण किया गया। नाटो सेनाएं ड्रोन से सैनिकों की आपातकालीन निकासी की क्षमता का परीक्षण कर रही हैं, ताकि युद्धक्षेत्र में त्वरित चिकित्सा सहायता मिल सके। रायटर

इधर-उधर

फाइटर की तरह दिखने के लिए कान तुड़वा रहे हैं युवा

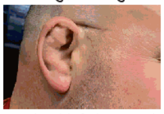

युवा दूसरे पुरुषों के बीच पैदा करना चाहते हैं खौफ ● सांकेतिक फोटो

मास्को, एजेंसी: कालीफ्लावर ईयर (आरिक्युलर हेमाटोमा) एक स्थायी विकृति है, जो आमतौर पर बाक्सिंग या कुश्ती जैसे लड़ाकू खेलों में लगने वाली चोटों से जुड़ी होती है। हालांकि रूस में पुरुषों के बीच सर्जरी से ऐसे कान बनवाने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिससे वे अन्य पुरुषों में डर पैदा कर सकें। कास्मेटिक विशेषज्ञ के अनुसार, इस प्रक्रिया में कान को इतनी जोर से दबाना पड़ता है कि उसमें फ्रैक्चर हो जाता है। इससे श्रवण हानि भी हो सकती हैं।

ग्लेशियर में तेज बदलाव बढ़ाएगा बाढ़ का खतरा

- अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में तेजी से बर्फ पिघलने का होगा दूरगामी असर
- अस्थिर भूभाग के निर्माण और संभावित हिमनदी झील के उभरने से पैदा हो सकता है संकट

इटानगर, प्रेट्र : अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में खांगरी ग्लेशियर का अध्ययन कर रहे विज्ञानियों ने तेजी से बर्फ पिघलने, अस्थिर भूभाग के निर्माण और एक संभावित खतरनाक हिमनदी झील के उभरने की स्थिति का आकलन किया है। इसके मुताबिक, ऐसी स्थिति से मागो चू बेसिन के निचले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा अधिक हो सकता है।

यह निष्कर्ष पृथ्वी विज्ञान और हिमालयी अध्ययन केंद्र (सीईएसएचएस) द्वारा आयोजित पांचवें खांगरी ग्लेशियर अभियान के दौरान सामने आए हैं। इस अभियान में राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागरीय अनुसंधान केंद्र और उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान भी सहभागी था। यह अभियान 4 मई को मागो चू बेसिन में शुरू हुआ, जो ब्रह्मपुत्र बेसिन प्रणाली का एक प्रमुख जलग्रहण क्षेत्र है। इसका उद्देश्य ग्लेशियर स्वास्थ्य आकलन, क्रायोस्फीयर निगरानी और पूर्वी हिमालय में जलवायु खतरों का अध्ययन करना था।

प्रतीकात्मक

सीईएसएचएस के निदेशक तगे ताना ने बताया कि अभियान टीम ने "खांगरी ग्लेशियर में चिंताजनक भू-आकृतिक परिवर्तन" का अवलोकन किया, जो उच्च ऊंचाई वाले हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। मुख्य अवलोकनों में एक बड़े ग्लेशियर डूबने वाले क्षेत्र का विकास शामिल था, जहां ग्लेशियर का सिरा तेजी से ढह रहा है, जिससे अस्थिर भूभाग की स्थिति उत्पन्न हो रही है। विज्ञानियों ने चेतावनी दी कि ऐसी अस्थिरता मागो चू बेसिन में भूभाग के खतरों और निचले क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

टीम ने लगभग 16,500 फीट की ऊंचाई पर एक नई प्रोग्लेशियल झील की पहचान भी की। उनके अनुसार, यह झील हिमनदी झील के विस्फोट बाढ़ को उत्प्रेरित करने की क्षमता रखती है, जो निचले समुदायों और नदी प्रणालियों (जिसमें सीमा पार क्षेत्र भी शामिल हैं) को प्रभावित कर सकती है।

इस वर्ष सर्दी के मौसम में अपेक्षाकृत अच्छी बर्फबारी के बावजूद पूर्वी हिमालय में लगातार जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पिघलने की गति तेज बनी हुई है।

दीर्घकालिक ग्लेशियर निगरानी को मजबूत करने के लिए टीम ने लगभग 17,000 फीट की ऊंचाई पर डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम तकनीक के साथ एक बर्फ-कोर ड्रिलिंग प्रणाली का उपयोग करके पांच नए वैज्ञानिक निगरानी स्टेक स्थापित किए।

एआइ ने विज्ञान की दुनिया में घोला फर्जी रिसर्च का जहर

नई दिल्ली, प्रेट्र: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ अब वैज्ञानिक दुनिया के लिए बड़ा खतरा भी बनता जा रहा है। 25 लाख बायोमेडिकल रिसर्च पेपर्स की जांच में सामने आया है कि हजारों शोध पत्रों में ऐसे रेफरेंस और वैज्ञानिक हवाले दिए गए, जिनका असल में कोई अस्तित्व ही नहीं था। यानी रिसर्च पेपर्स में फर्जी संदर्भ डालकर उन्हें असली शोध की तरह पेश किए गए।

अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट्स आफ हेल्थ द्वारा संचालित पबमेड सेंट्रल ओपन एक्सेस डेटाबेस में जनवरी 2023 से फरवरी 2026 के बीच प्रकाशित 25 लाख रिसर्च पेपर्स का आडिट किया गया। इसकी रिपोर्ट प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित हुई है। जांच में पाया गया कि 9.71 करोड़ सत्यापित संदर्भ में से 4046 संदर्भ पूरी तरह फर्जी थे। ये फर्जी रेफरेंस 2810 रिसर्च पेपर्स में पाए गए।

हृदय रोग से बचना है तो जीवनशैली और खानपान में करें तब्दीली

अनुसंधान

आजकल लोगों में हृदय रोग की समस्या बढ़ती जा रही है। ऐसे उम्र में हृदय रोग के मरीज सामने आ रहे हैं जो पहले नहीं देखे जाते थे। इसके लिए सेंडेंटरी लाइफ (स्थूल जीवनशैली) बहुत हद तक जिम्मेदार है। साथ ही लोग अक्सर पौष्टिक आहार की जगह बाहर तला भुना खाने को तरजीह दे रहे हैं। हम चाहें तो लाइफ स्टाइल और खानपान में बदलाव कर इस रोग को दूर रख सकते हैं।

हाल में हुए एक विश्लेषण में सामने आया है कि कम पौष्टिक आहार, जैसे साबुत अनाज की कमी या सोडियम की अधिकता के कारण 2023 में विश्व स्तर पर इस्केमिक हृदय रोग से 40 लाख से अधिक मौतें हुई होंगी। इस्केमिक हृदय रोग या कोरोनरी धमनी रोग, एक ऐसी स्थिति है जिसमें हृदय की मांसपेशियों तक आक्सीजन युक्त रक्त का प्रवाह कम हो जाता है क्योंकि प्लाक के जमाव से कोरोनरी धमनियां संकुचित हो जाती हैं।

शोधकर्ताओं ने ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज स्टडी (2023) के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इसमें पता चला कि 2023 में कम पौष्टिक आहार इस्केमिक हृदय रोग के कारण मौतों के लिए जिम्मेदार था। शोधकर्ताओं का कहना था कि आहार संबंधी कारकों में ड्राइ फ्रूट, साबुत अनाज और फलों का कम सेवन और सोडियम की अधिक मात्रा आइएचडी से होने वाली मौतों के प्रमुख कारण थे। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

डीडीएलजे वाले 'स्टेशन' के लिए अनुपम की मांग

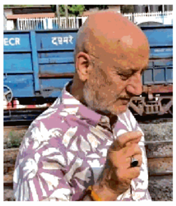

अनुपम ने स्टेशन से साझा किया वीडियो।

फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) का वह सीन भला कौन सिनेप्रेमी भूल सकता है, जिसमें बाबूजी सिमरन को कहते हैं कि जा सिमरन जा.. जी ले अपनी जिंदगी। फिल्म प्रदर्शित होने के करीब 31 साल हो चुके हैं, फिर भी वो डायलाग और सीन आज भी लोगों को याद है। अभिनेता अनुपम खेर भी उस फिल्म का हिस्सा थे और वह इतने वर्षों बाद एक बाद फिर रायगढ़ के उसी आपटा स्टेशन पहुंचे, जहां फिल्म का वो सीन शूट हुआ था। वहां पहुंचकर अनुपम ने इंस्टाग्राम पर फिल्म और उस स्टेशन से जुड़ी स्मृतियां बताते हुए एक वीडियो साझा किया। इसके साथ उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'डीडीएलजे की आइकानिक लोकेशन, 31 साल बाद उसी जगह पर शूटिंग करना बेहद भावुक और पुरानी यादों से भरा अनुभव था। जहां हमने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे के राज और सिमरन वाला आइकानिक सीन शूट किया था। उस वक्त शूटिंग करते हुए कभी सोचा भी नहीं था कि शाह रुख खान और काजोल का वह दृश्य भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार पलों में शामिल हो जाएगा। आज भी वहां (आपटा स्टेशन, जिला रायगढ़ महाराष्ट्र) खड़े होकर लगा जैसे समय थोड़ी देर के लिए ठहर गया हो। मेरी दिल से इच्छा है कि महाराष्ट्र सरकार इस जगह को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करे।'

वेब सीरीज लुक्खे में अभिनय से मिले वो तोहफे जो पसंद हैं लक्ष्यवीर को

हर पात्र कुछ सीखने का मौका देता है। अभिनेता लक्ष्यवीर सरन को भी लुक्खे के सेट पर हाकी खेलने का मौका मिल गया। सीखने वाले जो सत्र तीन या चार दिनों के लिए होने वाले थे, वह चार महीनों तक चला। हाल ही में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई वेब सीरीज लुक्खे में लक्ष्यवीर का पात्र हाकी के काफी करीब होता है। वह कहते हैं कि हर पात्र के साथ नया कौशल सीखने का मौका अभिनय के अलावा भला कहां मिल सकता है। इस शो के दौरान हाकी सीखने का मौका मिला। यही अभिनय के पेशे से मिले तोहफे हैं, जो मिलते हैं। हाकी के खेल की खास बात यह है कि इसे सीखते वक्त आपको अपने दिमाग पर नियंत्रण रखना आ जाता है। यह खेल अनुशासन भी सिखाता है। पहले इस खेल को सीखने के लिए तीन या चार सेशन होने वाले थे, फिर वह चार महीने तक चला। यही कारण है कि शो में मुझे हाकी खेलते हुए दिखाने के लिए किसी बाडी डबल का प्रयोग नहीं करना पड़ा। आगे अपने इस पात्र को लेकर लक्ष्यवीर कहते हैं कि मेरा रोल इसमें बेहद गंभीर है, जो अपनी राह ढूंढता है। इस पात्र में काफी खेलने को मिला, जो जूझते हुए अपना रास्ता खोज लेता है।

लुक्खे में मिला लक्ष्यवीर को मौका। lakshvirsinghsaran (इंस्टा)

भाषाई बंदिशों को पीछे छोड़ मलयालम सिनेमा की राह पर चले बाबिल

साल 2022 में फिल्म कला से हिंदी सिनेमा में कदम रखे वाले अभिनेता बाबिल के पिता और अभिनेता इरफान ने हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी, तेलुगु, बांग्ला और राजस्थानी भाषाओं के सिनेमा में भी काम किया। अब बाबिल भी भाषाई बंदिशों को पीछे छोड़ते हुए अच्छे काम की तलाश में उन्हीं के नक्शे कदम पर चलते नजर आ रहे हैं। पिछले कुछ समय से मलयालम सिनेमा अपनी अनोखी कहानियों के कारण काफी चर्चा में रहा है। ऐसे अब बाबिल भी मलयालम सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी पहली मलयालम फिल्म का नाम होगा गांधी बाजार संडे मार्केट। बाबू जनार्दनन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में बाबिल के साथ मलयालम कलाकार अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर और जानी एंटोनी भी अहम भूमिकाओं में होंगे। बाबिल के करीबी सूत्रों के अनुसार, बाबिल को ऐसे काम पसंद हैं, जिसमें उनके सामने कुछ चुनौती हों और बतौर कलाकार वह स्वयं कुछ नई चीजें सीख सकें। इस मलयालम फिल्म में भी बाबिल को ऐसे ही मौके दिखे। इसलिए उन्होंने यह फिल्म करने का निर्णय लिया। इसके अलावा बाबिल एक एक्शन फिल्म भी कर रहे हैं।

मलयालम सिनेमा में कदम रख रहे हैं बाबिल। @babil.i.k (इंस्टा)

नेपोकिड्स से अलग मैंने अपना फेम कमाया : ओरी

खतरों के खिलाड़ी 15 में बतौर प्रतिस्पर्धी भाग ले रहे हैं ओरी। @orry (इंस्टाग्राम)

अक्सर ट्रोलर्स के निशाने पर रहने वाले इंटरनेट मीडिया पर्सनैलिटी ओरी (ओरहान अवात्रामणि) ट्रोलिंग को गंभीरता से नहीं लेते हैं। वह कहते हैं कि मैंने अपना फेम (प्रसिद्धि) कमाया है। जब मुझे लोग ट्रोल करते हैं तो यह इस बात का संकेत है कि मैं सफल हूं, तभी लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं। मैं फेमस पैदा नहीं हुआ था, जैसे मेरे दोस्त हैं, जो नेपोकिड्स हैं। वह पैदा होते ही प्रसिद्ध हो गए थे। मैंने अपनी प्रसिद्धि अपनी मेहनत से कमाई है। आगे खतरों के खिलाड़ी जैसे स्टंट करने वाले शो में जाने को लेकर ओरी कहते हैं कि यह बहुत कठिन शो है, लेकिन मुझे कुछ भी कठिन नहीं लगता है। मेरे कुछ सपनें हैं, जो बहुत बड़े हैं। मैं अपने सपनों को पंख देना चाहता हूं। मैं खुद को हमेशा अपेक्षा से अधिक उपलब्धि हासिल करने वाला समझता हूं। वह कहते हैं कि अगर मुझे पेंटिंग करने के लिए कहेंगे तो मैं पूरी दीवार पेंट कर दूंगा। मुझे कुछ भी कठिन नहीं लगता है। ओरी सेलिब्रिटीज के साथ तस्वीरें लेने के लिए जाने जाते हैं। आगे उन्होंने कहा कि रोहित के साथ ही मेरी तस्वीर बाकी थी, उत्सुक हूं। ओरी को किससे डर लगता है, इसे लेकर वह कहते हैं कि नकली दोस्त मुझे डराते हैं, उम्मीद है कि इस शो पर अच्छे दोस्त मिलेंगे।

@sans09

मुझे अपनी विरासत बनानी है: संस्कृति

अपना नाम खुद बनाने की कोशिशों में अभिनेत्री संस्कृति जयना ने फिल्म पूर्ण पुरुषोत्तम कृष्णावतारम् : पार्ट 1 द हार्ट (हृदयम्) के सेट पर किसी को नहीं बताया था कि वह राजनीतिक परिवार से आती हैं। फिल्म में सत्यभामा का रोल करने वाली संस्कृति की नानी आनंदीबेन पटेल उत्तर प्रदेश की राज्यपाल हैं। परिवार से अलग अभिनय का रास्ता चुनने को लेकर संस्कृति कहती हैं, 'अपना नाम बनाना मेरी जरूरत थी। मैं 16 साल की उम्र से बिजनेस कर रही हूं, ताकि आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर रहूं। अपने परिवार पर गर्व है, लेकिन मुझे अपनी विरासत बनानी है। पांच साल से मुंबई में रह रही हूं। परिवार को इस फिल्म के बारे में तब पता चला, जब यह बनकर तैयार हुई। मुझे अपने दम पर सब कुछ करना था। बचपन से आजादी मिली थी कि गिरो, तो खुद उठो और सीखो।' फिल्म को लेकर अब तक की सबसे अच्छी प्रतिक्रिया को लेकर आगे संस्कृति कहती हैं, 'हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने फिल्म देखी। क्लाइमेक्स में उनकी आंखें नम थीं। वह देखना खास रहा, क्योंकि मैं नई कलाकार हूं।'

सभी अभिनेत्रियां साथ हों तो फीस अंतर कम कर सकती हैं: भाग्यश्री

भारतीय सिनेमा में अभिनेता और अभिनेत्री को मिलने वाली फीस में अंतर की चर्चा अक्सर उठती रहती है। अब अभिनेत्री भाग्यश्री ने इस विषय पर अपनी बात रखी है। भाग्यश्री से जुड़ी एक बात यह भी कही जाती है कि उन्हें फिल्म मैंने प्यार किया में सलमान खान से ज्यादा फीस मिली थी। भाग्यश्री ने कहा, 'यह (फीस) सप्लाई और डिमांड पर निर्भर करती है। हो सकता है कि एक लड़की बहुत कठिन मेहनत करती है, लेकिन अगर निर्माता-निर्देशक को लगता है कि उसकी जगह किसी ऐसी अभिनेत्री को लिया जा सकता है, जो उससे बेहतर (कम) पैसों में मिल रही है। ऐसी स्थिति में उस अभिनेत्री को निर्णय लेना पड़ता है कि वह कम फीस में काम करे या वह काम उस अभिनेत्री के पास जाने दे, जो उतने पैसों में करने को तैयार है। जब तक कि सभी महिलाएं एक साथ आकर यह नहीं कहती हैं कि हमें इतनी फीस दी जानी चाहिए, तब तक कोई बदलाव नहीं आने वाला है।

@bhagyashree.online

वन: फोर्स आफ द फारेस्ट के बाद खुलेंगी ढेर सारी संभावनाएं : एकता

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म वन : फोर्स आफ द फारेस्ट को लोककथाओं पर आधारित बताया जा रहा था। हालांकि, इस फिल्म की प्रोड्यूसर एकता कपूर इसे एक अलग तरह की फिल्म मानती हैं। उनका कहना है, 'यह कोई लोककथा पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक फैन फिक्शन फिल्म है जिसे देखने के बाद दर्शक अपने आप ही अपने मन से कई कहानियां बनाएंगे। इस फिल्म की कहानी से आगे कई और कहानियां बन रही हैं। इसमें पूरी एक नई दुनिया दिखेगी। यह फिल्म तो सिर्फ एक शुरुआत है, इसके आगे इस दुनिया के कई नए दरवाजे खुलेंगे। इस फिल्म के प्रदर्शित होने के बाद इस तरह की फिल्में बनने की बहुत सी संभावनाएं खुलेंगी। अपनी फिल्मों में हर चीज को बारीकी से दिखाना हमेशा से मेरा मजबूत पहलू रहा है। इस फिल्म में निर्माता अरुणभ कुमार और निर्देशक दीपक मिश्रा ने जिस तरह से पात्रों को रचा है, उसमें भी बारीकी का बहुत ध्यान रखा गया है।' यह फिल्म 28 अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित

@ektarkapoor

...इसलिए नहीं ली राजा शिवाजी फिल्म के लिए फीस

काम अच्छा हो या दोस्ती निभानी हो, तो कलाकार कई बार बिना फीस लिए ही काम कर लेते हैं। ऐसा ही कुछ किया अभिनेता अभिषेक बच्चन ने फिल्म राजा शिवाजी के लिए। रितेश देशमुख निर्देशित और निर्मित इस फिल्म के लिए अभिषेक ने फीस नहीं ली। एक इंटरव्यू के दौरान अभिषेक ने कहा, 'कलाकार किसी ऐसे विजन के लिए अपनी फीस कम करने या छोड़ने तक को तैयार रहते हैं, जिस पर उन्हें विश्वास हो। आज के दौर में बहुत सारी रील्स हैं, जहां लोग सिर्फ आंकड़ों और पैसों की बातें करते हैं। मीडिया को यह चर्चा करना बहुत पसंद है कि कोई अभिनेता या अभिनेत्री कितनी फीस ले रहा है और कितनी वैनिटी वैन की मांग कर रहा है, लेकिन आखिर में यह एक कला है, जो दिल से शुरू होती है। अगर हमें किसी चीज पर भरोसा हो, तो उसे लेकर कुछ छोड़ने में हमें कोई परेशानी नहीं होती। यह सिर्फ पैसों का लेन-देन नहीं है, बल्कि भावनाओं का लेन-देन है। आपको भीतर से प्रेरित होना पड़ता है। कला की शुरुआत वहीं से होती है।' आगे अभिषेक ने रितेश और जेनेलिया देशमुख की भी सराहना करते हुए कहा, 'ऐसे समय में जब फिल्मों के साथ बहुत ज्यादा गणित जुड़ गया है, उन्होंने यह साबित किया है कि हर चीज सिर्फ आंकड़ों के बारे में नहीं होती।'

रितेश और जेनेलिया ने इस फिल्म को आंकड़ों या बाक्स आफिस के नजरिये से नहीं देखा। यह उनके उस विश्वास के बारे में था, जिसमें वे हम सभी से कुछ बड़ा करवाना चाहते थे।

@bachchan

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com